MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । शनिवार, 25 जुलाई, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-203

मोदी की अग्निपरीक्षा

प्रधान मंत्री या कॉकरोच

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां):
शुक्रवार को कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में सरकार और कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के बीच हुई बैठक के बाद माहौल में थोड़ी नरमी जरूर देखी गई, लेकिन केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर सस्पेंस गहरा गया है। बैठक में शामिल रहे सीजेपी प्रतिनिधि सौरव दास और आशुतोष रांका ने दावा किया कि सरकार ने उनकी दो मांगें मान ली हैं और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे पर अंतिम फैसला लेने के लिए 24 घंटे का समय मांगा है।

हालाँकि, दूसरी ओर सरकारी सूत्रों ने स्पष्ट किया है कि धर्मेंद्र प्रधान पद पर बने रहेंगे और उन्हें हटाना इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं है। हालांकि दावों में विरोधाभास है, लेकिन यह तय है कि बीते ढाई महीनों में प्रधान के इस्तीफे की बात पहली बार इस राजनीतिक चरम पर पहुंची है।

सीजेपी के साथ-साथ कांग्रेस और मुख्य विपक्षी दल भी इस बात पर अड़े हैं कि शिक्षा मंत्री के इस्तीफे के बिना कोई समझौता नहीं होगा। सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने कहा, सरकार ने 24 घंटे मांगे हैं, लेकिन बेहतर होगा कि वह सबसे पहले शिक्षा मंत्री का इस्तीफा ले, वरना कहीं ऐसा न हो कि छात्र प्रधानमंत्री के इस्तीफे की मांग पर उतर आएं।

लगातार 26 दिनों से अनशन पर बैठे सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने बीती रात अस्पताल में केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह से वार्ता के बाद अपनी भूख हड़ताल समाप्त कर दी।

अपने ताजा संदेश में वांगचुक के रुख में थोड़ी नरमी दिखी; उन्होंने कहा कि धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के मुद्दे पर संसद में विस्तृत बहस होनी चाहिए और सरकार को इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीती रात नीट विवाद पर सरकार का रुख पूरी तरह साफ किया। उन्होंने युवाओं को आश्वस्त करते हुए कहा कि पेपर लीक और नकल रोकने के लिए एक बेहद सख्त कानून का मसौदा तैयार कर लिया गया है।

▶8 पर

युवाओं के नाम मोदी संदेश
थैंक यू फ्रेंड्स!

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक नया वीडियो जारी कर देश के युवाओं और नागरिकों का आभार जताया है। उन्होंने गुरुवार को शेयर किए गए अपने पिछले वीडियो पर मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया और सकारात्मक सुझावों के लिए लोगों को धन्यवाद दिया।

वीडियो में पीएम मोदी ने कहा, थैंक यू फ्रेंड्स! कल देर रात आपसे मिलने का मौका मिला। मैंने जो वीडियो पोस्ट किया था, उस पर जिस तरह से आपने रिस्पॉन्ड किया और पॉजिटिव सुझाव दिए, उसके लिए थैंक्स टू एवरीबडी। आपका यह प्यार इसी तरह बना रहेगा और हमारा नाता और अधिक सक्रियता से जुड़ता रहेगा। थैंक यू, थैंक यू दोस्तों। गौरतलब है कि इस वीडियो के पोस्ट होने के महज 20 मिनट के भीतर ही इसे 10 लाख से ज्यादा व्यूज मिल चुके थे। इससे पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्रीय कैबिनेट की बैठक के दौरान सोशल मीडिया के माध्यम से युवाओं से ज्यादा से ज्यादा जुड़ने पर विशेष जोर दिया था। बुधवार को आयोजित बैठक में उन्होंने अपने मंत्रिपरिषद के ▶8 पर

10 साल जेल-10 करोड़ जुर्माना : संसद में जल्द पेश होगा बिल

देशभर में पेपर लीक की लगातार सामने आ रही घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024 में संशोधन संबंधी विधेयक को मंजूरी दे दी है। प्रस्तावित संशोधनों के तहत पेपर लीक और परीक्षा में संगठित अनियमितताओं के दोषियों के लिए अधिकतम 10 वर्ष की कैद और 10 करोड़ रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान किया गया है। सरकार का उद्देश्य सार्वजनिक परीक्षाओं की पारदर्शिता और विश्वसनीयता को और मजबूत करना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक दिन पहले अपने संदेश में कहा था कि पेपर लीक की घटनाओं पर प्रभावी कार्रवाई के लिए सरकार ने कई कदम उठाए हैं।

▶8 पर

एनटीए के 47 अफसर बर्खास्त : नई भर्ती शुरू, कानूनी कार्रवाई भी

देश की शिक्षा व्यवस्था और परीक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार की दिशा में नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने एक बड़ा कदम उठाया है। शिक्षा मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार, एनटीए ने 47 अधिकारियों को सेवा से बर्खास्त (टर्मिनेट) कर दिया है। इसके साथ ही दोषी पाए गए कुछ अधिकारियों के खिलाफ कानूनी और आपराधिक कार्रवाई भी शुरू की जा रही है। सूत्रों का कहना है कि यह सख्त कदम एनटीए के पुनर्गठन, पारदर्शिता और जवाबदेही तय करने के उद्देश्य से शुरू किए गए बड़े अभियान का हिस्सा है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि आने वाले दिनों में एजेंसी की कार्यप्रणाली को सुधारने के लिए और भी कई कड़े फैसले लिए जाएंगे। केंद्र सरकार ने राज्यसभा में एनटीए के कर्मचारियों से जुड़ा आंकड़ा साझा करते हुए बताया कि एजेंसी में इस समय केवल 39 स्थायी कर्मचारी कार्यरत हैं,

▶8 पर

सीजेपी कांग्रेस बे-असर

दिल्ली की सड़कों पर बीते कुछ हफ्तों से जो कुछ घटित हो रहा है, उसे सिर्फ एक सामान्य छात्र आंदोलन कहकर खारिज कर देना जल्दबाजी होगी। नीट-यूजी 2026 पेपर लीक के मुद्दे पर जो जनाक्रोश मई महीने में कांग्रेस और विपक्ष की गलियों से सुलगना शुरू हुआ था, वह जुलाई आते-आते कॉकरोच जनता पार्टी' (सीजेपी) के हाथों में स्थानांतरित हो गया। इस राजनीतिक और रणनीतिक फेरबदल के पीछे सड़क पर दिखने वाले दृश्यों से कहीं ज्यादा गहरी कहानी पर्दे के पीछे की है। सवाल यह उठता है कि क्या सीजेपी सच में पीड़ित और आक्रोशित छात्रों का एक स्वत:स्फूर्त आंदोलन है, या फिर यह एक रणनीतिक प्रेशर वाल्व है, जिसने मुख्य विपक्षी दलों को रेस से बाहर धकेल दिया? ▶8 पर

जंतर-मंतर बड़ा खुलासा
400 से अधिक अपराधी शामिल

जंतर-मंतर पर चल रहे विरोध-प्रदर्शन के बीच दिल्ली पुलिस के फेशियल रिकॉग्निशन सिस्टम ने एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, 20 जुलाई से 24 जुलाई के बीच जंतर-मंतर और सेंट्रल दिल्ली के आसपास के इलाकों में लगभग 400 ऐसे लोगों की पहचान की गई है, जिनका पहले से आपराधिक रिकॉर्ड दर्ज है। इन सभी असामाजिक तत्वों की उपस्थिति प्रदर्शन स्थल और उसके आसपास तैनात आधुनिक एफआरएस कैमरों के जरिए दर्ज की गई है। तकनीकी निगरानी के दौरान जिन आपराधिक इतिहास ▶8 पर

आज तीसरा दौर : सीजेपी-सरकार में अब सिर्फ 'प्रधान'

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) और सरकार के बीच शुक्रवार को दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में एक अहम बैठक आयोजित हुई। इस बैठक में सरकार की ओर से केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह, जबकि सीजेपी की ओर से प्रवक्ता सौरभ दास और आशुतोष रांका शामिल हुए। बैठक के बाद सीजेपी प्रवक्ता आशुतोष ने दैनिक भास्कर से बातचीत में स्पष्ट किया, हम शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग पर कोई समझौता नहीं करेंगे। हालांकि, सरकार ने पीड़ितों को मुआवजा देने और प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज सभी मुकदमों को वापस लेने पर सहमति व्यक्त की है। वहीं, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने बताया कि लगभग दो घंटे चली इस बातचीत में सीजेपी ने सरकार के समक्ष 3 मुख्य मांगें और परीक्षा प्रणाली ▶8 पर

बिट्टू का त्यागपत्र : रेल राज्यमंत्री पद छोड़ा

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां):
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कैबिनेट में शामिल रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रधानमंत्री की सलाह पर भारतीय संविधान के अनुच्छेद 75(2) के तहत केंद्रीय मंत्रिपरिषद से उनका इस्तीफा तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया है। राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी आधिकारिक विज्ञप्ति में इस फैसले की पुष्टि की गई है। उल्लेखनीय है कि रवनीत सिंह बिट्टू का राज्यसभा सदस्य के रूप में कार्यकाल 21 जून को ही समाप्त हो चुका था।

राज्यसभा चुनाव में नहीं मिला था दोबारा मौका

लोकसभा चुनाव के बाद कांग्रेस नेता के.सी. वेणुगोपाल के राज्यसभा सीट छोड़ने से रिक्त हुई राजस्थान की सीट पर बिट्टू को शेष कार्यकाल के लिए राज्यसभा भेजा गया था। हालाँकि, 18 जून को हुए राज्यसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी ने उन्हें दोबारा उम्मीदवार नहीं बनाया था। इसके बावजूद उनसे तुरंत इस्तीफा नहीं मांगा गया था, जिसे अब शुक्रवार को आधिकारिक रूप से मंजूर कर लिया गया।

इस्तीफा मंजूर होने के बाद रवनीत सिंह बिट्टू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, मैं भारत की माननीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी और माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने मुझे केंद्रीय राज्य मंत्री के रूप में देश की सेवा करने का अवसर दिया। विशेषकर मेरे प्रिय पंजाब की सेवा करना मेरे लिए अत्यंत गर्व की बात रही है। जनसेवा का मेरा यह सफर अब नए उत्साह और ऊर्जा के साथ जारी रहेगा।

बांग्लादेश के राष्ट्रपति हटे
हसीना 'कॉल' पर मचा था बवाल

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां):
बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने बांग्लादेश के संविधान के अनुच्छेद 50(3) के तहत स्पीकर को अपना हस्ताक्षरित त्यागपत्र सौंपा। राष्ट्रपति के प्रेस सचिव मोहम्मद सरवर आलम के अनुसार, स्पीकर हाफिजउद्दीन अहमद ने शाम 5:01 बजे उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति शहाबुद्दीन का कार्यकाल अप्रैल 2028 तक था, लेकिन राजनीतिक दबाव और विवादों के चलते उन्होंने अपना कार्यकाल पूरा होने से करीब दो साल पहले ही पद छोड़ दिया। राष्ट्रपति शहाबुद्दीन तब विवादों के घेरे में आ गए जब यह रिपोर्ट सामने आई कि मई 2026 में इलाज के सिलसिले में लंदन यात्रा के दौरान उन्होंने भारत में निर्वासित पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना से फोन पर संपर्क करने की कोशिश की थी। हालाँकि इस कॉल की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन वर्तमान में सत्तारूढ़ बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी और ▶8 पर

सेव में सेहत से सौदा?
फूड सेफ्टी के छापे ने खोली पोल

ओम प्रकाश सिरवी
हैदराबाद, 24 जुलाई ।

कर्मनघाट स्थित एम/एस अशोक सिंह फूड्स पर फूड सेफ्टी विभाग की ताजा कार्रवाई ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि बाजार में बिक रहे नमकीन और तले हुए खाद्य पदार्थ आखिर कितने सुरक्षित हैं? विभाग के अधिकारियों ने निरीक्षण के दौरान 110 किलोग्राम सेव और 40 लीटर दोबारा इस्तेमाल किया गया खाद्य तेल जब्त किया। साथ ही सेव और खाद्य तेल के नमूने प्रयोगशाला जांच के लिए भेज दिए गए हैं। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि खाद्य पदार्थ निर्धारित मानकों पर खरे उतरते हैं या नहीं। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने पाया कि प्रतिष्ठान ने तत्काल प्रक्रिया के तहत स्वयं को रिटेलर बताकर पंजीकरण प्राप्त किया था, जबकि मौके पर सेव का निर्माण किया जा रहा था। प्रारंभिक जांच में इसे लाइसेंस की शर्तों का उल्लंघन माना गया है। इसके अलावा अधिकारियों ने खाद्य पदार्थों में सिंथेटिक रंगों के संभावित उपयोग, खाना बनाने के तेल का बार-बार इस्तेमाल, असुरक्षित खाद्य निर्माण प्रक्रिया तथा साफ-सफाई के गंभीर अभाव जैसी कई अनियमितताओं का भी उल्लेख किया है।

दोबारा इस्तेमाल किया गया तेल कितना खतरनाक

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के अनुसार किसी भी खाद्य तेल को बार-बार गर्म करके उपयोग करने से उसमें टोटल पोलर कंपाउंड्स का स्तर बढ़ने लगता है। निर्धारित सीमा से अधिक होने पर ऐसा तेल मानव स्वास्थ्य के लिए ▶8 पर

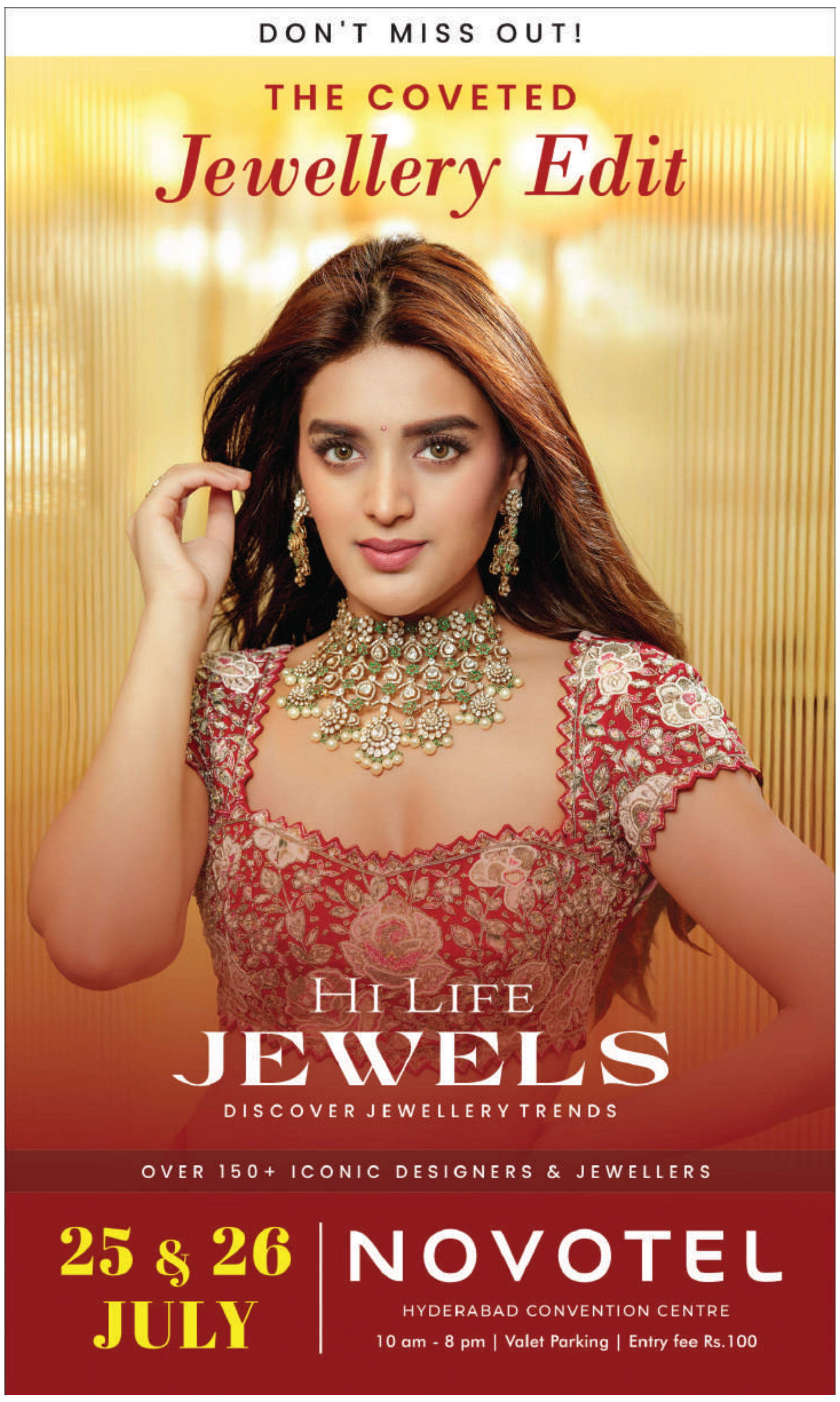

लगातार मानसूनी बारिश से नेपाल के 9 प्रमुख राजमार्ग पूरी तरह बंद, यातायात बाधित

काठमांडू

नेपाल में लगातार हो रही मानसूनी बारिश के कारण देशभर में भूस्खलन और सड़कों का कटान शुरू हो गया है। इसके चलते नौ प्रमुख राजमार्ग पूरी तरह से ठप्प हो गए हैं और कई अन्य सड़क खंडों पर आवाजाही बुरी तरह प्रभावित हुई है।

अधिकारियों के अनुसार, प्रमुख सड़क राजमार्ग पूरी तरह से अवरुद्ध हैं। काव्रेपालान्चोक और सिंधुली को जोड़ने वाले बीपी राजमार्ग का खुरकोट-नेपालथोक-कटुन्जेबेसी खंड बाढ़ के खतरे को देखते हुए सभी प्रकार के वाहनों के लिए बंद कर दिया गया है। इसी तरह, पूरे मानसून सीजन के दौरान कांति लोकपथ पर सभी प्रकार के वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। इलाम नगरपालिका के राजदुवाली में सड़क पर भारी कीचड़ जमा होने के कारण मेची राजमार्ग पूरी तरह से ठप्प हो गया है। भूस्खलन की वजह से सिंधुपालचौक के भोटेकोशी के ज़ीरोकिलो और कोडारी में अरनिको राजमार्ग भी बंद हो गया है। भूस्खलन के कारण पूरी तरह से बंद अन्य सड़कों में बागलुंग की जैमिनी नगरपालिका-8 स्थित बेलबगर में कालीगंडकी कारिडोर, रोल्पा की परिवर्तन नगरपालिका में घोराही-थावांग शहीद राजमार्ग, और मुगु की छायानाथ रारा नगरपालिका के पीना खोला में नगमा-गामगाडी सड़क शामिल हैं। रसुवा की गोसाईंकुंड में पासांग ल्हामू राजमार्ग और अछाम की पांचदेवल बिनायक नगरपालिका-4 के पानीखोला में मध्य-पहाड़ी राजमार्ग (मिड-हिल हाईवे) भी भूस्खलन के कारण पूरी तरह से बंद हैं। इसी तरह, लमजुंग की मर्स्यांगदी नगरपालिका के म्याग्दे भीर में बेसीसहर-चामे-मनांग सड़क खंड भूस्खलन के बाद अवरुद्ध है। इस बीच, नेपाल पुलिस ने बताया कि दोलखा की तामाकोशी के किरनेतार में तामाकोशी नदी द्वारा सड़क का एक हिस्सा बहा ले जाने के बाद लामोसांगु-रामेछाप सड़क मार्ग बाधित हो गया था।

न्यूज ब्रीफ

मैनहट्टन चाकूबाजी पर बवाल, इज़राइल ने न्यूयार्क के मेयर मम्दानी को ठहराया जिम्मेदार

न्यूयार्क। अमेरिका के न्यूयार्क शहर के मैनहट्टन स्थित अपर वेस्ट साइड में गुरुवार को हुए चाकू हमले के

बाद इज़राइल और न्यूयार्क के मेयर ज़ोरान मम्दानी के बीच राजनीतिक विवाद गहरा गया है। इज़राइल के विदेश मंत्री गिदोन सार ने इस घटना को भयानक यहूदी-विरोधी हमला बताते हुए आरोप लगाया कि मेयर के बयानों ने ऐसा माहौल बनाया, जिसमें यहूदियों को निशाना बनाया जा रहा है। न्यूयार्क पुलिस ने बताया कि हमले में एक यहूदी और एक एशियाई व्यक्ति घायल हुए हैं। दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। न्यूयार्क पुलिस विभाग (एनवाईपीडी) ने 51 वर्षीय राउल मोरालेस को हमले के सिलसिले में गिरफ्तार किया है। पुलिस आयुक्त जेसिका टिश ने बताया कि पीड़ितों और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हमलावर ने दोनों हमलों के दौरान कथित तौर पर अल्लाहु अकबर का नारा लगाया था। पुलिस मामले की जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या यह घटना नफरत से प्रेरित अपराध के दायरे में आती है। अधिकारियों ने कहा कि संदिग्ध की मानसिक स्थिति भी जांच का एक पहलू है। न्यूयार्क के मेयर ज़ोरान मम्दानी ने भी घटना की निंदा करते हुए कहा कि गवाहों और पीड़ितों ने हमलावर को अल्लाहु अकबर चिल्लाते हुए सुना था। उन्होंने कहा कि हमारे शहर में ऐसे नफरत भरे और घिनौने हमलों के लिए कोई जगह नहीं है।

नेपाल दूरसंचार प्राधिकरण ने 2.23 लाख से अधिक बेटिंग वेबसाइट और ऐप बंद किए

काठमांडू। नेपाल दूरसंचार प्राधिकरण (एनटीए) ने आनलाइन सट्टेबाजी (बेटिंग) और अवैध वित्तीय कारोबार में संलग्न 2,23,568 वेबसाइट और मोबाइल ऐप बंद कर दिए हैं। यह कार्रवाई सरकार की शासकीय सुधार संबंधी 100 कार्यसूची के तहत की गई है। सरकार ने संचार तथा सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को निर्देश दिया था कि सट्टेबाजी ऐप और उनसे संबंधित वेबसाइटों को 24 घंटे के भीतर बंद किया जाए। उसी निर्णय के अनुसार नेपाल में संचालित सभी बेटिंग वेबसाइटों पर कार्रवाई शुरू की गई थी। प्राधिकरण के अनुसार, पहले बंद की गई कई वेबसाइटें नए नामों से दोबारा सक्रिय हो रही थीं। इसी कारण इस वर्ष फीफा विश्व कप शुरू होने के बाद विशेष अभियान चलाकर 2.23 लाख से अधिक नए ऐप और वेबसाइट ब्लाक किए गए। प्रधानमंत्री तथा मंत्रिपरिषद कार्यालय ने भी विश्व कप के दौरान बेटिंग ऐप के उपयोग बढ़ने की आशंका जताते हुए इस विषय में विशेष रुचि दिखाई, जिसके बाद एनटीए ने त्वरित कार्रवाई के लिए अलग टास्क फोर्स गठित की। टास्क फोर्स में शामिल दूरसंचार के सहायक निदेशक एवं इंजीनियर ओमप्रकाश महतो ने बताया कि विश्व कप शुरू होने के बाद इंटरनेट सेवा प्रदाताओं (आईएसपी) के प्रतिनिधियों को प्राधिकरण में ही तैनात कर संदिग्ध वेबसाइटों के यूआरएल ब्लाक किए गए।

पश्चिम एशिया में हालात नियंत्रण से बाहर होने की कगार पर : संयुक्त राष्ट्र महासचिव

न्यूयार्क। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने पश्चिम एशिया में तेजी से बिगड़ते सुरक्षा हालात पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि पूरा क्षेत्र ऐसे मोड़ पर पहुंच गया है, जहां स्थिति नियंत्रण से बाहर होती दिखाई दे रही है। उन्होंने सभी पक्षों से तत्काल तनाव कम करने और कूटनीतिक समाधान की दिशा में कदम उठाने का आह्वान किया। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक को संबोधित करते हुए गुटेरेस ने कहा कि मध्य पूर्व का संकट अकल्पनीय स्थिति की ओर बढ़ रहा है। उनके अनुसार, क्षेत्र लगातार व्यापक टकराव के दायरे में खिंचता जा रहा है, जहां एक संकट दूसरे संकट को जन्म दे रहा है और हर नई सैन्य कार्रवाई तनाव को और बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि बढ़ते संघर्ष के बीच राजनीतिक समाधान पीछे छूटते जा रहे हैं। यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया है कि उनका प्रशासन ईरान के खिलाफ बड़े सैन्य अभियान पर विचार कर रहा है। ट्रंप ने कहा कि वह इस संबंध में जल्द फैसला ले सकते हैं। हालांकि, अमेरिकी प्रशासन की ओर से अभी तक किसी सैन्य कार्रवाई की औपचारिक घोषणा नहीं की गई है। क्षेत्र में संभावित तनाव बढ़ने की आशंका के बीच ब्रिटेन ने एहतियातन ईरान से अपने कुछ राजनयिक कर्मचारियों को अस्थायी रूप से वापस बुलाने की घोषणा की है। वहीं, जर्मनी ने लाल सागर से अपने दो नौसैनिक पोत हटाने का निर्णय लिया है।

अमेरिका-सऊदी परमाणु समझौता : व्हाइट हाउस ने रखी नई शर्त, इज़राइल को मान्यता मिलने पर ही आगे बढ़ेगी डील

वाशिंगटन

अमेरिका और सऊदी अरब के बीच हुए अहम परमाणु सहयोग समझौते को लेकर व्हाइट हाउस ने बड़ा बयान दिया है। अमेरिकी प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह समझौता तभी अंतिम रूप ले सकेगा, जब सऊदी अरब अब्राहम समझौते में शामिल होकर इज़राइल के साथ राजनयिक संबंध स्थापित करेगा। रूस की अंतरराष्ट्रीय समाचार टेलीविजन नेटवर्क रशिया टुडे (आरटी) के मुताबिक, व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दृष्टिकोण से यह डील इज़राइल के साथ संबंध सामान्य करने की शर्त पर आधारित है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में सऊदी नेतृत्व के साथ बातचीत जारी है और अमेरिका को उम्मीद है कि रियाद जल्द ही अब्राहम समझौते का हिस्सा बनेगा।

हालांकि, बुधवार को जब अमेरिका और सऊदी अरब के बीच परमाणु सहयोग समझौते की घोषणा की गई थी, तब इस तरह की किसी शर्त का सार्वजनिक रूप से उल्लेख नहीं किया गया था। वहीं, सऊदी अरब पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि जब तक फिलिस्तीनी राज्य के गठन की दिशा में ठोस प्रगति नहीं होती, तब तक वह इज़राइल को औपचारिक मान्यता नहीं देगा।

अमेरिकी ऊर्जा विभाग के अनुसार, ऊर्जा सचिव क्रिस राइट और सऊदी ऊर्जा मंत्री प्रिंस अब्दुलअज़ीज़ बिन सलमान ने तथाकथित 123 परमाणु समझौते और परमाणु सुरक्षा उपायों से जुड़े एक अन्य समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके तहत अमेरिकी तकनीक और विशेषज्ञता की मदद से सऊदी अरब अपना नागरिक परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम विकसित कर सकेगा और भविष्य में परमाणु रिएक्टर स्थापित कर सकेगा।

रिपोर्टों के मुताबिक, यह समझौता सऊदी अरब को घरेलू स्तर पर यूरेनियम संवर्धन की अनुमति भी दे सकता है। हालांकि, इसमें अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के एडिशनल प्रोटोकाल को अनिवार्य नहीं बनाया गया है। यह प्रोटोकाल निरीक्षकों को व्यापक अधिकार देता है ताकि किसी भी अघोषित परमाणु गतिविधि का पता लगाया जा सके।

इस प्रावधान को लेकर अमेरिका में परमाणु अप्रसार विशेषज्ञों और कई सांसदों ने चिंता जताई है। उनका कहना है कि यदि सऊदी अरब को यूरेनियम संवर्धन की अनुमति मिलती है, तो भविष्य में वही तकनीक परमाणु हथियार बनाने की दिशा में भी इस्तेमाल की जा सकती है। इससे पश्चिम एशिया में परमाणु हथियारों की नई होड़ शुरू होने का खतरा बढ़ सकता है।

सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान पहले भी कह चुके हैं कि यदि ईरान परमाणु हथियार हासिल करता है, तो सऊदी अरब भी उसी दिशा में कदम उठाएगा।

यह समझौता अमेरिकी कंपनियों के लिए अरबों डालर के परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निवेश का रास्ता खोल सकता है। हालांकि, अमेरिकी एटामिक एनर्जी एक्ट के तहत इसके लागू होने से पहले इसे अमेरिकी कांग्रेस की समीक्षा और मंजूरी की प्रक्रिया से गुजरना होगा। हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि कांग्रेस द्वारा इस समझौते को रोक पाना आसान नहीं होगा, क्योंकि राष्ट्रपति के वीटो को पलटने के लिए दोनों सदनों में दो-तिहाई बहुमत की आवश्यकता होगी।

चीन और आसियान देशों ने अमेरिका व ईरान से की संघर्ष रोकने की मांग

मनीला

अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव के बीच चीन और 11 सदस्यों वाले दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के संगठन (आसियान) के विदेश मंत्रियों ने मध्य पूर्व में चल रहे संघर्ष को तुरंत समाप्त करने की अपील की है। उन्होंने सभी पक्षों से संयम बरतने, बातचीत का रास्ता अपनाने और युद्धविराम का पूरी तरह पालन करने का आग्रह किया।

तुर्किए की सरकारी समाचार एजेंसी अनाडोलू के अनुसार, फिलीपींस की राजधानी मनीला में आयोजित चीन और आसियान विदेश मंत्रियों की बैठक के बाद जारी संयुक्त बयान में कहा गया कि मध्य पूर्व की तेजी से बिगड़ती स्थिति से आम नागरिकों की सुरक्षा के साथ-साथ क्षेत्रीय और वैश्विक शांति, आर्थिक गतिविधियों, व्यापार, निवेश, ऊर्जा और खाद्य सुरक्षा पर गंभीर खतरा पैदा हो गया है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिका और ईरान लगातार 13वें दिन भी एक-दूसरे पर जवाबी सैन्य हमले कर रहे हैं। जबकि पिछले महीने ही उन्होंने 8 अप्रैल को हुए सीज़फायर को बनाए रखने और युद्ध को हमेशा के लिए खत्म करने के लिए बातचीत करने के मकसद से इस्लामाबाद मेमोरेंडम आफ़ अंडरस्टैंडिंग पर साइन किया था। बयान में अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सिद्धांतों के अनुरूप विवादों का समाधान बातचीत और कूटनीति के जरिए निकालने पर जोर दिया गया। विदेश मंत्रियों ने कहा कि सभी पक्ष बहुपक्षवाद के प्रति अपनी प्रतिबद्धता बनाए रखें और शांतिपूर्ण समाधान के लिए संवाद जारी रखें। चीन और आसियान ने क्षेत्रीय शांति और स्थिरता बनाए रखने के महत्व को रेखांकित करते हुए, उन्होंने अमेरिका और ईरान से अपील की कि वे सीज़फायर की शर्तों का सख्ती से पालन करते हुए इसे पूरी तरह और असरदार ढंग से लागू करना सुनिश्चित करें। संयुक्त बयान में संघर्ष में शामिल सभी पक्षों से अधिकतम संयम बरतने, आम नागरिकों और नागरिक बुनियादी ढांचे की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा मानवीय सहायता की निर्बाध पहुंच बनाए रखने की भी अपील की गई। साथ ही, सभी देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करने तथा तनाव बढ़ाने वाली किसी भी कार्रवाई से बचने का आग्रह किया गया।

होर्मुज जलडमरूमध्य में बढ़ते तनाव के मद्देनजर चीन और आसियान ने 1982 के संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून (यूएनसीएलओएस) के तहत अंतरराष्ट्रीय नौवहन के लिए इस्तेमाल होने वाले जलमार्गों में जहाजों की सुरक्षित, निर्बाध और निरंतर आवाजाही सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

ब्रिटिश डिप्टी हाई कमिश्नर के आवास पर भव्य विदाई समारोह

हैदराबाद। हैदराबाद के बंजारा हिल्स स्थित आधिकारिक निवास पर तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के ब्रिटिश डिप्टी हाई कमिश्नर, महामहिम गैरेथ विन ओवेन ने एक शानदार विदाई रात्रिभोज का आयोजन किया।

यह शानदार सभा मित्रता, सद्भावना, पारस्परिक सम्मान और स्थायी अंतर्राष्ट्रीय संबंधों का जश्न मनाने के लिए आयोजित की गई थी। उपस्थित अतिथियों ने गर्मजोशी भरे आतिथ्य, सार्थक बातचीत और स्वादिष्ट व्यंजनों व जलपान का आनंद लिया।

इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए, जिनमें हबीब मोहसिन (अध्यक्ष, डेक्कन डेमोक्रेटिक क्लब), मोहम्मद शम्सुद्दीन (सीईओ, स्पोर्ट्स विलेज), मौली ओवेन, और ताहा बेगम (सीईओ, सिल्वर स्टोन स्पोर्ट्स एकेडमी), वरिष्ठ राजनयिक, राजनीतिज्ञ, प्रमुख व्यवसायी, मशहूर हस्तियां और फिल्म जगत के सदस्य मौजूद रहे। इस बहुआयामी भागीदारी ने कार्यक्रम में सांस्कृतिक आदान-प्रदान और सौहार्द का एक जीवंत माहौल तैयार किया।

ट्रंप के जब्त संपत्तियों के इस्तेमाल पर ईरान की चेतावनी, कहा-दुनिया में खतरनाक मिसाल बनेगी

तेहरान

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों को होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए ईरान की जब्त की गई संपत्तियों के इस्तेमाल की बात कहे जाने पर तेहरान ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने चेतावनी दी कि किसी देश की संपत्ति को इस तरह ज़ब्त करना अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के लिए खतरनाक मिसाल साबित होगा। ईरान की समाचार एजेंसी फ़ारस तथा तुर्किए की सरकारी समाचार एजेंसी अनाडोलू के मुताबिक, अरागची ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा कि भविष्य में संभावित और असंबंधित दावों की भरपाई के लिए किसी दूसरे देश की संपत्ति ज़ब्त करना बेहद भड़काऊ कदम है। उन्होंने कहा कि यदि सरकारें दूसरे देशों की संपत्तियों को ज़ब्त करना सामान्य प्रथा बना लेंगी, तो दुनिया में किसी भी देश की संपत्ति सुरक्षित नहीं रहेगी।

ईरानी विदेश मंत्री ने कहा, जो लोग ऐसी ज़ब्त की गई संपत्तियों का स्वागत करते हैं या उनसे लाभ उठाते हैं, उन्हें याद रखना चाहिए कि एक बार यह परंपरा शुरू हुई तो किसी की भी संपत्ति सुरक्षित नहीं बचेगी। इससे पैदा होने वाली अराजकता न तो वैश्विक स्थिरता के लिए अच्छी होगी और न ही शांति के लिए। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि होर्मुज़ जलडमरूमध्य में जहाजों, कार्गो या उनसे जुड़ी संपत्तियों को होने वाले किसी भी नुकसान की भरपाई अमेरिका के नियंत्रण में मौजूद ईरान की जब्त की गई संपत्तियों से की जाएगी। हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि इसके लिए किस फंड का इस्तेमाल किया जाएगा। अमेरिकी प्रतिबंधों के तहत ईरान की अरबों डालर की संपत्तियां लंबे समय से फ्रीज़ हैं। ट्रंप के इस बयान के बाद दोनों देशों के बीच पहले से जारी तनाव और बढ़ गया है। हाल के दिनों में अमेरिका और ईरान के बीच क्षेत्र में लगातार सैन्य कार्रवाई और जवाबी हमलों का सिलसिला जारी है, जिससे मिडिल ईस्ट में सुरक्षा और स्थिरता को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं।

पानी के बंटवारे को लेकर सिंध और बलूचिस्तान के बीच बढ़ा विवाद

इस्लामाबाद

पाकिस्तान इन दिनों आर्थिक और राजनीतिक संकट के साथ गंभीर जल संकट से भी जूझ रहा है। देश के सबसे बड़े और संसाधन संपन्न प्रांतों में शामिल बलूचिस्तान में पानी की कमी ने हालात बेहद खराब कर दिए हैं। राजधानी क्वेटा में पेयजल संकट इतना गहरा गया है कि अब यह मुद्दा दो प्रांतों के बीच राजनीतिक विवाद का कारण बन चुका है। बलूचिस्तान के नेताओं का आरोप है कि सिंध प्रांत उनके हिस्से का पानी रोक रहा है, जिससे न केवल किसानों की फसलें प्रभावित हो रही हैं, बल्कि आम लोगों को पीने के पानी के लिए भी संघर्ष करना पड़ रहा है। क्वेटा में गिरते भूजल स्तर ने समस्या को और गंभीर बना दिया है। कई इलाकों में बोरवेल और कुएं सूख चुके हैं, जबकि सरकारी जल आपूर्ति व्यवस्था भी लंबे समय से प्रभावित है।

क्वेटा के कई क्षेत्रों में पिछले कई महीनों से नलों में पानी नहीं पहुंचने की शिकायतें सामने आ रही हैं। सरिएब, सिरकी रोड, समुंगली रोड, जिन्ना टाउन, कंबरनी रोड, सैटेलाइट टाउन और अन्य इलाकों के लोग पानी के लिए लंबी दूरी तय करने को मजबूर हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि वे नियमित रूप से पानी के बिल जमा करते हैं, लेकिन इसके बावजूद उन्हें पर्याप्त आपूर्ति नहीं मिल रही।

जल संकट अब सियासी संघर्ष में बदल गया है। बलूचिस्तान सरकार के मंत्रियों ने किसानों के साथ प्रदर्शन कर आरोप लगाया कि सिंध सरकार नहरों के जरिए बलूचिस्तान के हिस्से का पानी रोक रही है। प्रदर्शनकारियों ने वर्ष 1991 के जल बंटवारा समझौते का हवाला देते हुए कहा कि बलूचिस्तान को तय मात्रा में पानी नहीं मिल रहा है।बलूचिस्तान के नेताओं के अनुसार, समझौते के तहत खिरथर नहर से 2,400 क्यूसेक और पट फीडर नहर से 6,700 क्यूसेक पानी मिलना चाहिए, लेकिन वास्तविक आपूर्ति इससे काफी कम है। उनका कहना है कि पानी की कमी के कारण सिंचाई व्यवस्था प्रभावित हो रही है और किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।विवाद को सुलझाने के लिए बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने एक उच्चस्तरीय समिति गठित की है, जो सिंध सरकार के साथ बातचीत करेगी। समिति का उद्देश्य पानी के बंटवारे को लेकर पैदा हुए मतभेदों को दूर करना है।

वहीं सिंध के सिंचाई विभाग का दावा है कि वह बलूचिस्तान को निर्धारित हिस्से से अधिक पानी उपलब्ध करा रहा है। हालांकि बलूचिस्तान सरकार ने इस दावे को स्वीकार नहीं किया है और जल वितरण व्यवस्था में सुधार की मांग की है। विशेषज्ञों का कहना है कि पाकिस्तान पहले ही गंभीर जल संकट वाले देशों में शामिल है। ऐसे में यदि दोनों प्रांतों के बीच पानी का विवाद जल्द नहीं सुलझा तो यह केवल कृषि और पेयजल तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि क्षेत्रीय तनाव और सामाजिक अस्थिरता को भी बढ़ा सकता है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने खान-पान का विशेष ध्यान रखें। अतिरिक्त आय के लिए अपने सृजनात्मक विचारों का सहारा लें। घर में मरम्मत का काम या सामाजिक मेल-मिलाप आपको व्यस्त रखेगा।समय का अच्छा इस्तेमाल करने के लिए आज आप पार्क में घूमने का प्लान बना सकते हैं लेकिन वहां किसी अनजान शख्स से आपकी बहस होने की अशंका है जिससे आपका मूड खराब हो जाएगा। जीवनसाथी के किसी अचानक काम की वजह से आपकी योजनाएँ बिगड़ सकती हैं। लेकिन फिर आपको महसूस होगा कि जो होता है अच्छे के लिए ही होता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अपने दफ़्तर से जल्दी निकलने की कोशिश करें और वे काम करें जिन्हें आप वाक़ई पसंद करते हैं। आज घर से बाहर बड़ों का आशीर्वाद लेकर निकलें इससे आपको धन लाभ हो सकता है। पारिवारिक सदस्यों के साथ सुकून भरे और शांत दिन का लुत्फ़ लें। अगर लोग परेशानियों के साथ आपके पास आएँ तो उन्हें नज़रअंदाज़ करें और उन्हें अपनी मानसिक शांति भंग न करने दें।इस राशि के लोगों को आज अपने आप को समझने की जरुरत है। यदि आपको लगता है कि आप दुनिया की भीड़ में कहीं खो गये हैं तो अपने लिए वक्त निकालें और अपने व्यक्तित्व का आकलन करें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

पैसा अचानक आपके पास अएगा, नए पारिवारिक व्यवसाय को शुरू करने के लिए शुभ दिन है। इसे सफल बनाने के लिए दूसरे सदस्यों की भी मदद लें। आपका प्रिय को आपसे भरोसे और वादे की ज़रूरत है। आज किसी सहकर्मी के साथ आप शाम का वक्त बिता सकते हैं हालांकि अंत में आपको महसूस होगा कि आपने उनके साथ समय बर्बाद किया है और कुछ नहीं। अपने साथी पर किया गया संदेह एक बड़ी लड़ाई का रूप ले सकता है। आज आप अपने दोस्तों से जुड़ी कुछ जानकारियों को जानकर चकित हो सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आपको लंबे समय से महसूस हो रही थकान और तनाव से आराम मिलेगा। इन परेशानियों से स्थायी निजात पाने के लिए जीवन-शैली में बदलाव लाने का सही समय है। दिन बहुत लाभदायक नहीं है- इसलिए अपनी जेब पर नज़र रखें और ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्चा न करें। आज आप व्यस्त दिनचर्या के बावजूद भी अपने लिए समय निकाल पाने में समर्थ होंगे और इस खाली समय में अपने परिवार वालों के साथ गुफ्तगू कर सकते हैं। जिन्दगी आपके अनुसार तभी चल सकती है जब आप सही विचार और सही लोगों की संगति में रहें।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आपका स्वास्थ्य दुरुस्त रहने की पूरी उम्मीद है। अपने अच्छे स्वास्थ्य के चलते आज आप अपने दोस्तों के साथ खेलने का प्लान बना सकते हैं। आज के दिन भूलकर भी किसी को पैसे उधार न दें और यदि देना जरुरी हो तो देने वाले से लिखित में लें कि वो पैसा वापस कब करेगा। आज आप कोई नई पुस्तक खरीदकर किसी कमरे में खुद को बंद करके पूरा दिन गुजार सकते हैं। आप दुनिया में ख़ुद को सबसे रईस महसूस करेंगे, क्योंकि आपके जीवनसाथी का व्यवहार आपको ऐसा महसूस कराएगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

निश्चित तौर पर वित्तीय स्थिति में सुधार आएगा- लेकिन साथ ही ख़र्चों में भी इज़ाफ़ा होगी। अपना अतिरिक्त समय निःस्वार्थ सेवा में लगाएँ। यह आपको और आपके परिवार को ख़ुशी और दिली सुकून देगा। चीज़ों और लोगों को तेज़ी-से परखने की क्षमता आपको दूसरों से आगे बनाए रखेगी। आपके जीवनसाथी की बेरुख़ी दिन भर आपको उदास रख सकती है। किसी ऐसे शख़्स का फ़ोन आ सकता है जिससे आप बहुत लंबे समय से बात करना चाहते थे। बहुत-सी पुरानी यादें ताज़ा हो जाएंगी और आप समय में पीछे लौट जाएंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

शारीरिक व्यायाम और वज़न घटाने की कोशिशें आपके रूप-रंग को निखारने में फ़ायदेमंद साबित होंगी। विदेशों में पड़ी आपकी जमीन आज अच्छे दामों में बिक सकती है जिससे आपको मुनाफा होगा। दोस्त और रिश्तेदार आपकी मदद करेंगे और आप उनके साथ काफ़ी ख़ुशी महसूस करेंगे। आज खाली वक्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं। आपके आस-पास के लोग कुछ ऐसा कर सकते हैं, जिसके चलते आपका जीवनसाथी आपकी तरफ़ फिर से आकर्षित महसूस करेगा

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अगर आप लोन लेने वाले थे और काफी दिनों से इस काम में लगे थे तो आज के दिन आपको लोन मिल सकता है। घर में मरम्मत का काम या सामाजिक मेल-मिलाप आपको व्यस्त रखेगा। अपने दिल की बात ज़ाहिर करके आप ख़ुद को काफ़ी हल्का और रोमांचित महसूस करेंगे। आपको अपने घर के छोटे सदस्यों के साथ वक्त बिताना सीखना चाहिए। अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो आप घर में सद्भाव बना पाने में कामयाब नहीं हो पाएंगे. उतावलापन अच्छा नहीं है, आपको किसी भी काम को करने में उतावलापन नहीं दिखाना चाहिए। इससे काम के खराब होने की संभावना बढ़ जाती है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आपको अपनी सेहत के प्रति ज़्यादा सावधानी बरतने की ज़रूरत है, ख़ास तौर पर रक्तचाप के मरीज़ों को। बच्चे की पढ़ाई के बारे में चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। इस समय जो समस्याएँ आपको झेलनी पड़ रही हैं, वे क्षणिक हैं और समय के साथ वे ख़ुद-ब-ख़ुद ख़त्म हो जाएंगी। इसे महसूस करने के लिए कुछ वक़्त बचाकर रखें। जब आपको लगता है कि आपके पास घर वालों या अपने दोस्तों के लिए टाइम नहीं है तो आपका मन खराब हो जाता है। आज भी आपकी मन स्थिति ऐसी ही रह सकती है। आज के दिन बाहर का भोजन आपके पेट की हालात खराब कर सकता है। इसलिए बाहर खाने से आज बचें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपके जीवन-साथी का प्यारा बर्ताव आपका दिन ख़ुशनुमा बना सकता है। माली सुधार की वजह से ज़रूरी ख़रीदारी करना आसान रहेगा। परिवार की किसी महिला सदस्य की सेहत चिंता की वजह बन सकती है। छात्र-छात्राओं को आज अपने काम को कल पर नहीं टालना चाहिए, आपको जब भी खाली समय मिले अपने काम को पूरा कर लें। ऐसा करना आपके लिए हितकारी है। अगर आप अपने जीवनसाथी से स्नेह की आशा रखते हैं, तो यह दिन आपकी आशाओं को पूरा कर सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज जेवर और एंटीक में निवेश फ़ायदेमंद रहेगा और समृद्धि लेकर आएगा। शाम का ज़्यादातर समय मेहमानों के साथ गुज़रेगा। सच्चे और पवित्र प्रेम का अनुभव करें। छात्रों को सलाह दी जाती है कि यारी-दोस्ती के चक्कर में इन कीमती पलों को खराब न करें। यार दोस्त आने वाले वक्त में भी मिल सकते हैं लेकिन पढ़ाई के लिए यही समय सबसे सही है। आपका जीवनसाथी आपकी बहुत तारीफ़ करेगा और आप पर बहुत स्नेह उढ़ेलेगा। छुट्टी के दिन भी दफ़्तर का काम करने से बुरा और क्या हो सकता है। परन्तु परेशान न हों, क्योंकि काम करके आप अपने अनुभव को और बढ़ा सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

परिवार के इलाज से जुड़े ख़र्चों में इज़ाफ़े को नकारा नहीं जा सकता है। अपने ख़र्चों पर क़ाबू रखें और आज हाथ खोलकर व्यय करने से बचें। रिश्तेदारों और दोस्तों से अचानक उपहार मिलेगा। आपका साहस आपको प्यार दिलाने में सफल रहेगा। पैसा, प्यार, परिवार से दूर होकर आज आप आनंद की तलाश में किसी आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं। आपका जीवनसाथी आपकी बहुत तारीफ़ करेगा और आप पर बहुत स्नेह उढ़ेलेगा। अकेलेपन को अपने ऊपर हावी न होने दें, इससे बेहतर होगा कि आप कहीं घूमने के लिए निकल सकते हैं।

आज का पंचांग

दिनांक : 25 जुलाई 2026 , शनिवार
विक्रम संवत : 2083
मास : आषाढ़ , शुक्ल पक्ष
तिथि : एकादशी प्रातः 11:36 तक
नक्षत्र : ज्येष्ठा अहोरात्र
योग : ब्रह्म रात्रि 09:08 तक
करण : विष्टि प्रातः 11:36 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक
सूर्योदय : 05:53, सूर्यास्त 06:51 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:03, सूर्यास्त 06:48 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:55, सूर्यास्त 06:42 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:46, सूर्यास्त 06:41 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उड़द खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : देवशयनी एकादशी व्रत, गण्डमूल चालू है , पंढरपुर यात्रा , चातुर्मास आरंभ , भद्रा प्रातः 11:36 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

जगन्नाथ रथ यात्रा पूरे वैभव के साथ संपन्न

निजामाबाद, 24 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। इस्कॉन कंटेश्वर के तत्वावधान में आयोजित भगवान श्री जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा शुक्रवार को पूरे धार्मिक वैभव, श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुई। रथ यात्रा में हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा के जयघोष के बीच रथ खींचा। पूरे शहर में ''जय जगन्नाथ'' तथा ''हरे कृष्ण, हरे राम'' के उद्घोष से भक्तिमय वातावरण बन गया।

रथ यात्रा का शुभारंभ नगर महापौर उमरानी, निजामाबाद के पुलिस आयुक्त साई चैतन्य तथा पूर्व विधायक येंडला लक्ष्मीनारायण ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर नगर महापौर उमरानी ने कहा कि कंटेश्वर स्थित इस्कॉन द्वारा भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा का आयोजन अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने नागरिकों से आध्यात्मिक मूल्यों को अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि ईश्वर के नाम का स्मरण और सेवा ही मोक्ष का सच्चा मार्ग है।

रथ यात्रा कंटेश्वर से प्रारंभ होकर रेलवे कमान, गणेश चौक, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, गांधी चौक, पेद्दा बाजार, शिवाजी चौक, पुलांग चौराहा, येल्लम्मा गुट्टा चौक, कोर्ट चौराहा तथा रेलवे अंडरब्रिज होते हुए श्री राम गार्डन पहुंची। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने भजन-कीर्तन, संकीर्तन और कोलाटम प्रस्तुत करते हुए भक्तिमय माहौल बनाया। भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा की सुसज्जित प्रतिमाओं को रथ पर विराजमान कर श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह के साथ रथ खींचा।

इस अवसर पर पुलिस आयुक्त साई चैतन्य ने कहा कि भगवान जगन्नाथ समस्त सृष्टि के पालनहार और सभी प्राणियों के मार्गदर्शक हैं। उन्होंने कहा कि ईश्वर सभी को अपनी संतान मानते हैं, इसलिए समाज में भाईचारे, प्रेम और सहयोग की भावना को मजबूत करना चाहिए। उन्होंने प्रकृति संरक्षण का संदेश देते हुए कहा कि वायु, जल, अग्नि और पृथ्वी सहित समस्त सृष्टि ईश्वर की देन है, इसलिए हमें प्रकृति से प्रेम करते हुए उसके अनुरूप जीवन जीना चाहिए।

उन्होंने कहा कि निजामाबाद में इतनी भव्यता और श्रद्धा के साथ भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा का आयोजन होना पूरे शहर के लिए सौभाग्य और ईश्वर का विशेष आशीर्वाद है।

कार्यक्रम में इस्कॉन कंटेश्वर केंद्र के अध्यक्ष रामानंद राय गौरादास, गंगारेड्डी प्रभु, मदासु स्वामी यादव, रघुपति, राधा राजा गोपीकेश दास, बलराम प्रभु, सुनील प्रभु, रोहित प्रभु, नवरूप मुकुंद दास सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। रथ यात्रा का समापन भक्ति, उल्लास और आध्यात्मिक वातावरण के बीच हुआ।

सेवा ही सबसे बड़ा धर्म, मानवता की सच्ची पूजा है : आशा अग्रवाल

हैदराबाद, 24 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर चिकित्सालय के पास स्थित केबीआर पार्क में नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा एवं सेवा भाव के साथ किया गया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए आशा अग्रवाल ने कहा कि सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। जब हम निस्वार्थ भाव से जरूरतमंदों की सहायता करते हैं, तभी मानव जीवन सार्थक होता है। भूखे को भोजन, पीड़ित को सहारा और निराश व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान लाना ही सच्ची ईश्वर भक्ति है।

उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद जिस समर्पण और निरंतरता के साथ प्रतिदिन अन्नदान एवं सेवा कार्य कर रहा है, वह पूरे समाज के लिए प्रेरणादायी उदाहरण है। ऐसे सेवा कार्यों से समाज में प्रेम, करुणा, भाईचारा और मानवीय मूल्यों का विस्तार होता है। उन्होंने सभी नागरिकों से आग्रह किया कि प्रत्येक व्यक्ति अपनी सामर्थ्य के अनुसार सेवा कार्यों से जुड़े, क्योंकि छोटी-सी सहायता भी किसी के जीवन में बड़ी खुशियां ला सकती है।

कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंदों को प्रेमपूर्वक भोजन वितरित किया गया। इस सेवा कार्य में राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक सतीश कुमार गुप्ता सहित आशा अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, उमाकांत गुप्ता, उर्मिला गुप्ता, उमा डालमिया, प्रमोद गुप्ता एवं संजय गुप्ता ने सक्रिय सहभागिता निभाई। इसके अलावा राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अन्य सदस्यों ने भी सेवा कार्य में उत्साहपूर्वक सहयोग प्रदान किया।

कार्यक्रम के अंत में सभी ने संकल्प लिया कि मानव सेवा और अन्नदान की यह पावन परंपरा निरंतर जारी रहेगी तथा अधिक से अधिक लोगों को इस सेवा अभियान से जोड़कर समाज में संवेदनशीलता और सहयोग की भावना को मजबूत किया जाएगा।

अखिल भारतीय अग्रवाल महासभा ने तीन जिलों में नए जिला अध्यक्ष नियुक्त किए

मंचेरियल, पेद्दापल्ली और कोमरम भीम आसिफाबाद को मिला नया नेतृत्व

मंचेरियल में स्वागत एवं कार्ययोजना बैठक कल

हैदराबाद, 24 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राष्ट्रीय अध्यक्ष सतीश अग्रवाल के निर्देशानुसार अखिल भारतीय अग्रवाल महासभा (तेलंगाना प्रदेश) के प्रदेश अध्यक्ष महेश अग्रवाल ने संगठन के विस्तार और मजबूती के उद्देश्य से तीन जिलों के नए जिला अध्यक्षों का मनोनयन किया है।

नई नियुक्तियों के अनुसार श्री मुन्ना अग्रवाल को मंचेरियल का जिला अध्यक्ष, श्री कृष्णा अग्रवाल को पेद्दापल्ली का जिला अध्यक्ष तथा श्री हितेश अग्रवाल को कोमरम भीम आसिफाबाद का जिला अध्यक्ष मनोनीत किया गया है।तेलंगाना प्रदेश के उपाध्यक्ष राकेश अग्रवाल ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि नवनियुक्त जिला अध्यक्षों का स्वागत करने तथा संगठन की आगामी कार्ययोजना पर विचार-विमर्श के लिए रविवार, 26 जुलाई को प्रातः 11:30 बजे मंचेरियल के मुख्य मार्ग स्थित लक्ष्मी नारायण मंदिर प्रांगण में एक विशेष बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक की अध्यक्षता तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष महेश अग्रवाल करेंगे।राकेश अग्रवाल ने सभी अग्र बंधुओं से आग्रह किया है कि वे बैठक में अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर नवनियुक्त जिला अध्यक्षों का स्वागत करें, उनका उत्साहवर्धन करें तथा संगठन को और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने के संकल्प में सहभागी बनें।

एसके मित्तल अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनोनीत

मैसूर के समाजसेवी को संगठन की बड़ी जिम्मेदारी

हैदराबाद, 24 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन ने मैसूर के वरिष्ठ समाजसेवी डॉ. एस. के. मित्तल को संगठन का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनोनीत किया है। इस नियुक्ति की आधिकारिक घोषणा संगठन के राष्ट्रीय महामंत्री राजेश भारुका द्वारा 23 जुलाई को जारी नियुक्ति पत्र के माध्यम से की गई।

डॉ. एस. के. मित्तल की दीर्घकालिक समाज सेवा, संगठन के प्रति उनकी निष्ठा तथा अग्रवाल समाज के उत्थान में उनके उल्लेखनीय योगदान को देखते हुए संगठन के शीर्ष नेतृत्व ने उन्हें यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा है। उनकी नियुक्ति को समाज सेवा के क्षेत्र में उनके समर्पण और सक्रिय भूमिका का सम्मान माना जा रहा है।

संगठन के राष्ट्रीय चेयरमैन प्रदीप मित्तल, राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलभूषण मित्तल तथा राष्ट्रीय महामंत्री राजेश भारुका ने विश्वास व्यक्त किया कि डॉ. एस. के. मित्तल के नेतृत्व और मार्गदर्शन में संगठन समाज कल्याण के कार्यों को नई गति देगा तथा समाज हित में अनेक नए आयाम स्थापित करेगा।

डॉ. एस. के. मित्तल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पद पर मनोनयन पर अखिल भारतीय अग्रवाल महासभा (तेलंगाना प्रदेश) के प्रदेश अध्यक्ष महेश अग्रवाल, प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश अग्रवाल, समाज के प्रबुद्धजनों, विभिन्न पदाधिकारियों एवं शुभचिंतकों ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएँ प्रेषित की हैं।

भूमिहार ब्राह्मण शब्द को लेकर बिहार सरकार और भाजपा विधायकों में विवाद

पटना, 24 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो): बिहार विधानसभा के मानसून सत्र में सरकार ने स्पष्ट किया कि सरकारी अभिलेखों और दस्तावेजों में जाति का नाम केवल भूमिहार ही लिखा जाएगा, जबकि भूमिहार ब्राह्मण शब्द का इस्तेमाल प्रतिबंधित रहेगा। इस फैसले पर भाजपा के दो विधायकों, जीवेश मिश्रा और विशाल प्रशांत ने विरोध जताया। उन्होंने 1931 की जनगणना और पुराने राजस्व दस्तावेजों का हवाला देते हुए कागजातों में एकरूपता बनाए रखने की मांग की।

विपक्ष की इस आपत्ति के बीच उपमुख्यमंत्री विजेंद्र प्रसाद यादव ने स्पष्ट किया कि उच्च जाति आयोग ने भी इस मुद्दे पर 2015-2019 में दिशानिर्देश जारी किए थे, जिसमें भूमिहार को सवर्ण जाति में शामिल करते हुए भूमिहार ब्राह्मण शब्द को हटाने का आदेश दिया गया है। उन्होंने भ्रमित करने वाले शब्दों पर तत्काल रोक लगाने की बात कही।

इस विवाद के पीछे कुछ ऐतिहासिक और सामाजिक मत भी हैं। इतिहासकार मानते हैं कि भूमिहार मूलतः ब्राह्मण थे, जिन्होंने कृषि को अपना मुख्य व्यवसाय बनाया। पौराणिक कथाओं के अनुसार, यह समुदाय भगवान परशुराम का वंशज माना जाता है।

इस मामले ने बिहार की सियासत में नया मोड़ ले लिया है, जहां भाजपा के विधायकों ने अपनी ही सरकार के रुख का विरोध किया है।

बांसवाड़ा में महाधरने के पोस्टर का विमोचन, 1 अगस्त को जुटने की अपील

बांसवाड़ा, 24 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना रीजन टीचर्स एसोसिएशन के कामारेड्डी जिला अध्यक्ष भुनेकर संतोष ने 1 अगस्त को होने वाले महाधरने को सफल बनाने का आह्वान किया है।

शुक्रवार को बांसवाड़ा मंडल सेंटर, इन-सर्विस टीचर सेंटर, शासकीय हाई स्कूल बांसवाड़ा और जिला परिषद हाई स्कूल कोनापुर में धरने के वॉल पोस्टर का विमोचन किया गया।

मुख्य मांगें - लंबितपीआरसी, डीए, 51% फिटमेंट, सीपीएस रद्द कर ओपीएस लागू करना, जीओ 317 को न्याय, जीओ 25 में संशोधन, एमटीएस मॉडल व गुरुकुल शिक्षकों की समस्याओं का समाधान है। इस अवसर परडीईओ नागेश्वर राव, तापसराज्य उपाध्यक्ष रवींद्रनाथ आर्य, जिला उपाध्यक्ष वेद प्रकाश, जिला सचिव कृष्णा, एस जी टी यूनियन महासचिव संतोष, मंडल महासचिव श्रीकांत रेड्डी सहित शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

एम. श्रीनिवास ने संभाला कार्यभार, कलेक्टर से की शिष्टाचार भेंट

बांसवाड़ा, 24 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। बांसवाड़ा एरिया अस्पताल के डिस्ट्रिक्ट मेडिकल हेल्थ सर्विस कोऑर्डिनेटर और मातृ एवं शिशु अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक का कार्यभार संभालने के बाद डॉ. एम. श्रीनिवास ने शुक्रवार को जिला कलेक्टर आशीष सांगवान से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान डॉ. श्रीनिवास ने कलेक्टर को पौधा भेंट कर शुभकामनाएं लीं। उन्होंने कहा कि वे जिला प्रशासन के समन्वय से कार्य करेंगे, ताकि लोगों को बेहतर और सुलभ चिकित्सा सुविधा मिल सके। अस्पताल में सुविधाओं के विस्तार, जन स्वास्थ्य कार्यक्रमों और सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

डीसीपी ने किया सुल्तानाबाद सर्कल कार्यालय का वार्षिक निरीक्षण

पेद्दापल्ली, 24 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। रामागुंडम पुलिस कमिश्नरेट के पेद्दापल्ली जोन के डीसीपी बी. राम रेड्डी, आईपीएस ने शुक्रवार को सुल्तानाबाद सर्कल कार्यालय का वार्षिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्हें पुलिस सलामी दी गई। डीसीपी ने गंभीर, पॉक्सो और लंबित मामलों की सीडी फाइलों की जांच की और गुणवत्तापूर्ण व त्वरित जांच के निर्देश दिए। उन्होंने सर्कल इंस्पेक्टर को थानों का नियमित निरीक्षण, कुख्यात अपराधियों पर निगरानी और हर माह रिकॉर्ड अपडेट करने के आदेश दिए। उन्होंने कहा कि थाने आने वाले हर फरियादी का सम्मानपूर्वक स्वागत कर तत्काल समाधान किया जाए। साइबर अपराध, सामाजिक मुद्दों और यातायात नियमों पर जन-जागरूकता तथा गांवों में सीसीटीवी लगाने के लिए प्रेरित करने को कहा। बाद में परिसर में पौधारोपण किया गया। निरीक्षण में एसीपी जी. कृष्णा, सीआई रंजीत राव, एसआई व अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

एसआईआर प्रक्रिया में बरतें सावधानी, हर पात्र मतदाता का नाम सूची में हो : विजयरमना राव

पेद्दापल्ली, 24 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज्यव्यापी मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर सरकारी सचेतक व पेद्दापल्ली विधायक चिन्तकुंटा विजयरमना राव ने नगर पालिका अध्यक्ष व पार्षदों के साथ विशेष बैठक की।उन्होंने कहा कि हर पार्षद अपने वार्ड में मतदाताओं को जागरूक करे, ताकि कोई भी पात्र मतदाता सूची से न छूटे। बीएलओ के घर-घर सर्वे के दौरान सहयोग करने और नाम, पता व परिवार का विवरण सही जांचने की अपील की।विधायक ने कहा कि कई राज्यों में वोटर लिस्ट में गड़बड़ी कर राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश हुई है, तेलंगाना में ऐसी अलोकतांत्रिक राजनीति के लिए कोई जगह नहीं है। उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं व बीएलए-2 को SIR प्रक्रिया पूरी होने तक सतर्क रहने के निर्देश दिए।

मंचेरियाल में अ.भा. मारवाड़ी महिला सम्मेलन, जिला कार्यकारिणी का गठन

मंचेरियाल, 24 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। लक्ष्मी नारायण मंदिर में अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन एवं कल्याण समिति का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती राजकुमारी बालदी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रीमती लीला बजाज, राष्ट्रीय प्रचार मंत्री श्रीमती शानू वर्मा, तेलंगाना-आंध्र प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती शोभा डागा, प्रचार मंत्री श्रीमती अलका सांखला मुख्य रूप से उपस्थित रहीं। चेनूर, मंदामारी, बेल्लमपल्ली सहित जिले की महिलाओं ने भाग लेकर सामाजिक मुद्दों पर चर्चा की।

सम्मेलन में जिला स्तर पर नई टीम का गठन किया गया - जिला अध्यक्ष श्रीमती संतोष बल्दवा, सचिव श्रीमती आरती झंवर, कोषाध्यक्ष श्रीमती चेतना गुप्ता, कार्याध्यक्ष श्रीमती शिल्पा अग्रवाल, उपाध्यक्ष श्रीमती लक्ष्मी मूंदड़ा और संगठन मंत्री श्रीमती राजकुमारी रेणवा मनोनीत हुईं। नवनियुक्त अध्यक्ष संतोष बल्दवा ने कहा कि महिलाओं को हर क्षेत्र में आगे आना चाहिए और समाज के प्रति जिम्मेदारी समझनी चाहिए। कार्यक्रम का संचालन आरती झंवर ने किया।

बीआरएस नेता केटीआर का जन्मदिवस बनाते हुए मंगलहाट डिविजन के नेता एच. कुमार, बाकेश सिंह, गोपाल सिंह, रवि कुमार, पी. विनोद कुमार एवं अन्य।

उज्जैन का महाकालेश्वर मंदिर टाले अकाल मृत्यु और दिलाए मोक्ष

दक्षिणमुखी ज्योतिर्लिंग- शंकर जी का यह अनोखा मंदिर अन्य प्रमुख 12 ज्योतिर्लिंगों में एक मात्र दक्षिणमुखी ज्योतिर्लिंग है। शास्त्रों के अनुसार कहा गया है कि दक्षिण दिशा के स्वामी स्वयं भगवान यमराज हैं। तभी जो भी व्यक्ति इस मंदिर में आ कर भगवान शिव की सच्चे मन से प्राथर्ना करता है, उसे मृत्यु उपरांत यमराज द्वारा दी जाने वाली यातनाओं से मुक्ति मिलती है।

अकाल मृत्यु टालते हैं शिव जी-देश-दुनिया से काफी लोग यहां पर इसलिये भी दर्शन करने आते हैं कि जिससे वे अपनी अकाल मृत्यु को टाल सकें और सीधे मोक्ष को प्राप्त कर सकें।

सारी इच्छा करते हैं पूरी- भगवान शिव अपने भक्त की सारी इच्छाएं पूरी करते हैं। अगर आपको अपनी मनोकामनाएं पूरी करनी है तो यहां आ कर एक बार दर्शन जरुर करें, जिससे आपको धन, धान्य, निरोगी शरीर, लंबी आयु, संतान आदि सब कुछ प्राप्त हो।

पृथ्वी का केंद्र हैं महाकाल- कुछ विद्वानों का यह भी मत है कि महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग ही संपूर्ण पृथ्वी का केंद्र बिंदु है और संपूर्ण पृथ्वी के राजा भगवान महाकाल यहीं से पृथ्वी का भरण-पोषण करते हैं।

गाय के कंडे से होती है भस्मार्ती-यहाँ पहले महाकाल की भस्म आरती में ताजा मुर्दे की भस्म का ही प्रयोग होता था, किन्तु महात्मा गांधी के आग्रह के पश्चात शास्त्रीय विधि से निर्मित उपल-भस्म से भस्मार्ती होने लगी।

हनुमान जी के गुणों से आलोकित करें जीवन

मनोजवं मारुत तुल्यवेगंए जितेन्द्रियं बुद्धिमना वरिष्ठम।
वातात्मजं वानरयूथ मुयंएश्रीरामदूतं शरणं प्रपद्ये॥

यदि हम खुद को हनुमान जी का सच्चा भक्त मानते हैं, तो हमें ऐसे महान चरित्र के चारित्रिक गुणों के प्रकाश से स्वयं को प्रकाशित करने का प्रयास करना चाहिए।

उक्त श्लोक द्वारा हमें सर्वतोमुखी शक्ति के प्रतीक हनुमान जी का यथार्थ चित्रण मिलता है की कैसे वे शरीर के साथ-साथ मन से भी अपार बलशाली थे एवं उन्होंने वासना को जीत लिया था। वे जितेन्द्रिय थे और बुद्धिमानों में भी श्रेष्ठतम थे। यह एक निर्विवाद तथ्य है कि भारत के लोगों के मन में हनुमान जी का चरित्र उनकी ईश्वर भक्ति, ईश्वर सेवा और ईश्वर के प्रति वफादारी के कारण बहुत ही प्रसिद्ध है। और इसलिए ही यहां के अधिकतर घरों में उनकी मूर्ति प्रतिदिन पूजी जाती है और देश के कोन-कोने में भी उनके अनगिनत मंदिर बने हुए हैं। जन के दिलों में स्थान पाने वाले हनुमान जी की पूजा-अर्चना करना उनके प्रति हमारी श्रद्धा का एक पहलू है, लेकिन उनके चारित्रिक गुणों से प्रेरणा लेना व उनके गुणों को जीवन में आत्मसात करना सर्वथा दूसरा पहलू है।

अत: यदि हम खुद को हनुमान जी का सच्चा भक्त मानते हैं, तो हमें ऐसे महान चरित्र के चारित्रिक गुणों के प्रकाश से स्वयं को प्रकाशित करने का प्रयास करना चाहिए। चैत्र पूर्णिमा के दिन जन्मे हनुमान जी के यूं तो अनेक नाम हैं, परन्तु सर्वाधिक प्रचलित हनुमान शद का अर्थ है, ऐसा व्यक्ति जो मान का हनन करने वाला हो। पौराणिक कथाकारों के अनुसार ज्ञानसूर्य परमात्मा के ज्ञान गुण शक्तियों को अपनी बुद्धि में समाहित करने वाले हनुमान जी अनेक आध्यात्मिक शक्तियों से सुसंपन्न रहे, लेकिन अपनी किसी भूल के कारण उन्हें यह शाप मिला कि समय आने पर वे अपनी शक्तियों को भूल जायेंगे और किसी के द्वारा याद दिलाये जाने पर वे शक्तियां जाग्रत हो उठेंगी। अब यह तो हम सब भलीभांति जानते ही हैं कि शाप देने का कार्य कोई श्रेष्ठ व्यक्ति तो कर नहीं सकता, क्योंकि क्योंकि शाप या बददुआ देने वाली तो माया है, अर्थात पांच विकार, तो इसका अर्थ यह हुआ की कलियुग के अंत में जब हम सभी आत्माएं माया द्वारा शापित होकर मूर्च्छित हो जाती हैं और अपनी समस्त शक्तियां खो देती हैं, तब सर्वशक्तिमान परमात्मा हमें ज्ञान संजीवनी द्वारा फिर से सुरजीत करते हैं और माया के शाप से हमें सदा के लिए मुक्त कर देते हैं, जिसके फलस्वरूप हम अपनी सर्व आध्यात्मिक शक्तियों को पुन: प्राप्त कर लेते हैं।

कहते हैं कि इष्ट का उज्जवल चरित्र ही साधकों के जीवन को इत्र समान खुशबूदार और गुणवान बनाता है। आत्मा अमर है और उसके द्वारा किए जाने वाले महान चरित्र भी चिरंजीव ही रहते हैं।

अत: हमें यह महसूस करना चाहिए कि वर्तमान समय वही युग परिवर्तन की वेला है, जब सर्व शक्तिमान परमात्मा माया रावण के चंगुल में फंसी आत्मा रूपी सीताओं की खोज में धरती पर अवतरित हो चुके हैं। ऐसे समय में भगवान श्री हनुमान जी की तरह त्याग, तपस्या और सेवा को जीवन में धारण करके ईश्वरीय सेवा में मददगार बनने वाली आत्माओं का भगवान आहान कर रहे हैं।

याचना की बजाय गुणों को धारण करें :

संसार की आत्माएं तो हुनमान जी को अष्ट सिद्धि और नवनिधि की पूर्ति की कामना हेतु स्वार्थवश याद करती हैं, परन्तु वर्तमान समय की मांग यह है कि हम समय की नाजुकता को पहचान कर हनुमान जी से याचना करने की बजाय उन जैसे गुणों को धारण करके अनेक याचक आत्माओं की कामना पूर्ति करें और श्री हनुमान जी के गुणों की रोशनी से अपने जीवन-पथ को आलोकित करें। उनके समान ईश्वर प्रेम में रम जाएं और उनके समान ईश्वर समर्पित होकर ईश्वर समान बन जाएं।

दुर्योधन को भी दिए थे श्रीहरि ने विराट रूप में दर्शन

विश्वरूप या कहें भगवान विष्णु का विराट स्वरूप का उल्लेख भगवद्गीता के अध्याय 11 में है, जिसमें भगवान कृष्ण अर्जुन को कुरुक्षेत्र युद्ध में विश्वरूप दर्शन कराते हैं। लेकिन उन्होंने इस रूप में पहले भी अपने भक्तों को दर्शन दिए है।

पुराणों में उल्लेख मिलता है। भगवान विष्णु ने अपने इस रूप के दर्शन लक्ष्मी जी को करवाए थे। हालांकि कि इस बारे में अलग-अलग पुराणों में अलग-अलग जानकारी मिलती है। भगवान विष्णु के परम भक्त नारद जी को भी उन्होंने अपने विराट स्वरूप के दर्शन दिए हैं। भगवान विष्णु के भक्त प्रहाद के वंशज थे राजा बलि। जिनको भगवान विष्णु ने वामन अवतार में विराट स्वरूप के दर्शन दिए थे। द्वापर युग में जब भगवान श्रीकृष्ण के रूप में भगवान विष्णु ने अवतार लिया तब उन्होंने अपनी मां यशोदा को भी इसी विराट स्वरूप में दर्शन दिए थे। महाभारत में दुर्योधन और विश्वरूप दर्शन वर्णित है। कुरुक्षेत्र युद्ध के मैदान अर्जुन को विराट रूप के दर्शन दिए।

भगवान विष्णु के अन्य नाम :

उग्र, शर्व, भगवत, नारायण, कृष्ण, वैकुण्ठ, विष्टरश्रवस्, जिन, हषिकेश, केशव, माधव, स्वभू, दैत्यारि, पुण्डरीकाक्ष, गोविन्द, गरुडध्वज, पीताम्बर, अच्युत, शार्गि, विष्वक्सेन, जनार्दन, दामोदर, इन्द्रावरज, चक्रपाणि, चतुर्भुज, पद्मनाभ, मधुरिपु, भीम, त्रिविक्रम, देवकीनन्दन, शौरि, श्रीपति, पुरुषोत्तम, वनमालिन्, बलिध्वंसिन, कंसाराति, अधोक्षज, विश्वम्भर, कैटभजित, विधु, श्रीवत्सलाञ्छन, पुराणपुरुष, यज्ञपुरुष,नरकान्तक, जलशायिन्, मुकुन्द, उपेन्द्र, मुरमर्दन, राम, वामन, नरसिंह, वराह और भविष्य में होने वाला अवतार कल्कि यह अवतार भगवान विष्णु का ही अवतार है।

क्यों अपनी ही पुत्री की ओर आकर्षित हुए ब्रहमा

सरस्वती का अर्थ होता है बहाव। यह बहाव केवल पानी का नहीं बल्कि विद्या और कला का भी है। यही वजह है कि इन्हें विद्या और कला की देवी भी कहा जाता है। सरस्वती के द्वारा विज्ञान, संगीत और कविताओं की रचना की गई है। ऋग्वेद में सरस्वती को दैवीय नदी की भी संज्ञा दी गई है। साथ ही इन्हें पवित्रता और उर्वरता की देवी भी कहा गया है। सरस्वती को अन्य नामों से भी पुकारा जाता है, जिनमें भागेश्वरी, सतरूपा, ब्राहमी, पृथुदर, बकदेवी, बिरज, शारदा आदि प्रमुख हैं। हिन्दू धर्म से जुडे पौराणिक इतिहास पर नजर डालें तो कई ऐसी कहानियां सुनने को मिल जाएंगी जिनसे अभी तक आमजन वाकिफ नहीं हैं। विस्तृत इतिहास होने की वजह से कुछ घटनाएं छूट जाती हैं तो कुछ नजरअंदाज कर दी जाती हैं। इन्हीं कहानियों में से एक हैं सृष्टि के रचयिता ब्रहमा का अपनी ही बेटी के साथ विवाह करने की घटना ।यह बात तो हम सभी जानते हैं कि त्रिदेव के हाथों में ही इस सृष्टि की बागडोर समाहित है। ब्रहमा के पास सृष्टि की रचना का दायित्व है तो विष्णु के पास संरक्षण का, वहीं देवों के देव कहे जाने वाले महादेव शिव को विनाश का जिम्मा सौंपा गया है। इसी विनाश के बाद फिर से शुरू होता है सृजन का चक्र। ब्रहमा का अपनी ही बेटी के साथ विवाह करने की इस घटना का उल्लेख सरस्वती पुराण में वर्णित है। सरस्वती पुराण के अनुसार सृष्टि की रचना करते समय ब्रहमा ने सीधे अपने वीर्य से सरस्वती को जन्म दिया था। इसलिए ऐसा कहा जाता है कि सरस्वती की कोई मां नहीं केवल पिता, ब्रहमा थे।

सरस्वती को विद्या की देवी कहा जाता है, लेकिन विद्या की यह देवी बेहद खूबसूरत और आकर्षक थीं कि स्वयं ब्रहमा भी सरस्वती के आकर्षण से खुद को बचाकर नहीं रख पाए और उन्हें अपनी अर्धांगिनी बनाने पर विचार करने लगे। सरस्वती ने अपने पिता की इस मनोभावना को भांपकर उनसे बचने के लिए चारो दिशाओं में छिपने का प्रयत्न किया लेकिन उनका हर प्रयत्न बेकार साबित हुआ। इसलिए विवश होकर उन्हें अपने पिता के साथ विवाह करना पडा। ब्रहमा और सरस्वती करीब 100 वर्षों तक एक जंगल में पति-पत्नी की तरह रहे। इन दोनों का एक पुत्र भी हुआ जिसका नाम रखा गया था स्वयंभु मनु। इसके उलट मत्स्य पुराण के अनुसार ब्रहमा के पांच सिर थे। कहा जाता है जब ब्रहमा ने सृष्टि की रचना की तो वह इस समस्त ब्रहमांड में अकेले थे। ऐसे में उन्होंने अपने मुख से सरस्वती, सान्ध्य, ब्राहमी को उत्पन्न किया। ब्रहमा अपनी ही बनाई हुई रचना, सरवस्ती के प्रति आकर्षित होने लगे और लगातार उन पर अपनी दृष्टि डाले रखते थे। ब्रहमा की दृष्टि से बचने के लिए सरस्वती चारो दिशाओं में छिपती रहीं लेकिन वह उनसे नहीं बच पाईं।इसलिए सरस्वती आकाश में जाकर छिप गईं लेकिन अपने पांचवें सिर से ब्रहमा ने उन्हें आकाश में भी खोज

निकाला और उनसे सृष्टि की रचना में सहयोग करने का निवेदन किया। सरस्वती से विवाह करने के पश्चात सर्वप्रथम मनु का जन्म हुआ। ब्रहमा और सरस्वती की यह संतान मनु को पृथ्वी पर जन्म लेने वाला पहला मानव कहा जाता है। इसके अलावा मनु को वेदों, सनातन धर्म और संस्कृत समेत समस्त भाषाओं का जनक भी कहा जाता है।

प्रजापति ब्रहमा का अपनी ही पुत्री के प्रति आकर्षित होना और उसके साथ संभोग करना अन्य सभी देवताओं की नजरों में अपराध था। सभी ने मिलकर पापों का सर्वनाश करने वाले शिव से आग्रह किया कि ब्रहमा ने अपनी पुत्री के लिए यौनाकांक्षाएं रखीं, जोकि एक बडा पाप है, ब्रहमा को उनके किए का फल मिलना ही चाहिए। क्रोध में आकर शिव ने उनके पांचवें सिर को उनके धड से अलग कर दिया था। शिव पुराण के अनुसार ब्रहमा के सर्वप्रथम पांच सिर थे। लेकिन जब अपने पांचवें मुख से उन्होंने सरस्वती जोकि उनकी पुत्री थी, को उनके साथ संभोग करने के लिए कहा तो क्रोधावश सरस्वती ने उनसे कहा कि तुम्हारा यह मुंह हमेशा अपवित्र बातें ही करता है जिसकी वजह से आप भी विपरीत ही सोचते हैं। इसी घटना के बाद एक बार भगवान शिव, अपनी अर्धांगिनी पार्वती को ढूंढते हुए ब्रहमा के पास पहुंचे तो पांचवें सिर को छोडकर उनके अन्य सभी मुखों ने उनका अभिवादन किया, जबकि पांचवें मुख ने अमंगल आवाजें निकालनी शुरू कर दी। इसी कारणवश क्रोध में आकर शिव ने ब्रहमा के पांचवें सिर को उनके धड से अलग कर दिया।

घर में इसलिए रखते हैं हरे पौधे

घर में यदि आप हरे पौधों को रखते हैं, तो यह घर के वास्तु दोषों को दूर करने में सहायक होते हैं। इनमें सबसे ज्यादा तुलसी के पौधे को महत्व दिया जाता है। तुलसी के पौधे से जब हवा स्पर्श कर बहती है, तब वह घर के पर्यावरण को भी स्वस्थ्य रखती है। प्रदूषण और रोग निवारण में तुलसी का पौधा औषधि है। इस घर में अवश्य ही लगाएं। ठीक इसी तरह पृथ्वी के नीचे कहीं-कहीं निगेटिव स्ट्रीम(झिर) होती है। यदि यह स्ट्रीम दुकान या फैक्ट्री पर हो तो गंभीर रोगों से प्रभावित हो सकता है। यह गंभीर रोग जैसे हदय रोग, मधुमेह, लकवा और केंसर हो सकते हैं। तुलसी का पौधा यदि घर में है तो यह स्ट्रीम निष्क्रीय हो जाती है।

हरे पौधे विकास का प्रतीक भी माने जाते हैं। जो घर के अंदर रखने से मंगलमय यानी सकारात्मक ऊर्जा को प्रवाहित करते हैं। ठीक इसी तरह वास्तु शांति के लिए घर के अंदर हवन भी हर माह जरूर करवाना चाहिए। हवन का धुंआ घर में उपस्थित निगेटिव एनर्जी, वास्तु दोषों के साथ रोग फैलाने वाले कीटाणुओं का भी अंत कर देता है। जिससे कि आपकी जिंदगी खुशनुमा तरीके से व्यतीत होती है।

इन उपायों से होगी आपकी कई मनोकामनाएं पूरी

हमारे जीवन में सुख दुख तो लगा रहता है जिस कारण हम परेशान भी होते है । सभी चाहते हैं कि उसके जीवन में खुशहाली रहे और सुख-शांति बनी रहे पर हर व्यक्ति के साथ ऐसा नहीं होता। जीवन में सुख और शांति का बना रहना काफी मुश्किल होता है। ऐसे में कुछ उपायों को अपनाकर शायद हम अपने जीवन को खुशहाल बना सकते हैं। तुलसी के पौधे को प्रतिदिन जल चढाएं तथा गाय के घी का दीपक लगाएं। रविवार को पुष्य नक्षत्र में श्वेत आक की जड लाकर उससे श्रीगणेश की प्रतिमा बनाएं फिर उन्हें खीर का भोग लगाएं। लाल कनेर के फूल तथा चंदन आदि के उनकी पूजा करें। तत्पश्चात गणेशजी के बीज मंत्र (ऊँ गं) के अंत में नम: शब्द जोडकर 108 बार जप करें। सुबह गौरी-शंकर रुद्राक्ष शिवजी के मंदिर में चढाएं। सुबह बेल पत्र (बिल्ब) पर सफेद चंदन की बिंदी लगाकर मनोरथ बोलकर शिवलिंग पर अर्पित करें। बड के पत्ते पर मनोकामना लिखकर बहते जल में प्रवाहित करने से भी मनोरथ पूर्ति होती है। मनोकामना किसी भी भाषा में लिख सकते हैं। नए सूती लाल कपडे में जटावाला नारियल बांधकर बहते जल में प्रवाहित करने से भी मनोकामनाएं पूरी हो जाती हैं। इन प्रयोगों को करने से आपकी सभी मनोकामनाएं शीघ्र ही पूरी हो जाएंगी। सुबह घर से काम के लिए निकलने से पहले नियमित रूप से गाय को रोटी दें। एक पात्र में जल लेकर उसमें कुंकुम डालकर बरगद के वृक्ष पर नियमित रूप से चढाएं। सुबह घर से निकलने से पहले घर के सभी सदस्य अपने माथे पर चन्दन तिलक लगाएं। मछलियों की आटे की गोली बनाकर खिलाएं। चींटियों को खोपरे व शकर का बूरा मिलाकर खिलाएं। शुद्ध कस्तूरी को चमकीले पीले कपडे में लपेटकर अपनी तिजोरी में रखें।

इस उम्र में न करें जिमिंग

आकर्षक दिखने और मस्कुलर बॉडी की चाह में लड़के व लड़कियां दोनों ही आजकल कम उम्र में जिम जाकर वर्कआउट करना पसंद करने लगे हैं। ऐसे में वे फिजिकली मजबूत तो हो जाते हैं लेकिन शरीर में जो बदलाव नेचुरल तरीके से होने चाहिए वे नहीं होते। जिससे मांसपेशियों में खिंचाव होने के साथ हड्डियों की सही ग्रोथ नहीं होती और हार्मोन्स ठीक से रिलीज न होने के कारण हार्मोन इंबेलेंस की समस्या सामने आती है। 20 की उम्र तक सामान्यतः लंबाई बढ़ाने वाली हड्डियों में फ्यूजन होने से लंबाई बढ़ने की प्रक्रिया बंद हो जाती है। लड़कों में वॉइस बॉक्स पूरी तरह विकसित हो जाता है। लंबाई बढ़ने की प्रक्रिया बंद होते ही किशोर के स्वभाव में बदलाव आने इस उम्र में लगभग बंद हो जाते हैं जिससे उसका गुस्सा शांत रहता है और वह हर बात का सोच-समझकर जवाब देता है। उम्र के मुताबिक वजन, लंबाई के अनुसार न हो तो रोगों की आशंका बढ़ जाती है। ऐसे में लड़कियों में माहवारी का अनियमित होना और पीसीओडी की दिक्कत ज्यादा होती है। यदि खानपान की आदत खराब है तो उसे ओबेसिटी भी हो सकती है जो भविष्य में उसे हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, हृदय रोग आदि से घेर सकती है। कुछेक मामलों में कम हाइट भी परेशानी पैदा करती है।

सतर्कता बरतें

खानपान में जंक व फास्ट फूड के बजाय पौष्टिक चीजों को चुनें। इस उम्र में सही-गलत को पहचानने की समझ बच्चे में विकसित हो रही होती है इसलिए माता-पिता सिगरेट, तंबाकू, अल्कोहल, ड्रग्स आदि से होने वाले नुकसान के बारे में बताएं। उसका डेली रुटीन सही हो, जिसमें उसे समय पर सोने व उठने, भोजन करने, पढ़ने, आराम करने व तनाव से दूर रहने की सलाह दी जाए। लड़के-लड़की दोनों को सेहत के प्रति सजग बनाएं ताकि वे किसी भी प्रकार की शारीरिक या मानसिक परेशानी को छिपाएं नहीं बल्कि माता-पिता या घर में अन्य से साझा कर सकें। उसे इंडोर और आउटडोर फिजिकल एक्टिविटी के लिए प्रेरित करें। कैल्शियम से हड्डियों की मजबूती शरीर के अहम अंगों की कार्यक्षमता को बरकरार रखने के लिए बच्चे की डाइट में हाई प्रोटीन और कैल्शियम युक्त भोजन होना चाहिए। बॉडी बिल्डिंग के लिए विटामिन-बी और सी से भरपूर चीजें जैसे केला, पपीता, संतरा, पालक, अंडे, शहद, फिश, दाल आदि ज्यादा लें। कैल्शियम और अन्य जरूरी न्यूट्रिएंट के लिए डाइट में दूध व दूध से बनी चीजें और सूखे मेवों को शामिल करें। मौसमी सब्जियां और फल शरीर की जरूरत को पूरा करने में सहायक होते हैं।

बैग कैरी करने का तरीका...

हमारी जिंदगी में बहुत सी चीजें ऐसी होती है, जिन्हे कैरी करने के तरीके से हमारी पर्सनालिटी के बारे में बहुत कुछ पता चलता है, कि हमारी पर्सनालिटी कैसी है। इन्हीं चीजों में से एक है हमारे बैग कैरी करने की आदत। अगर आपको लगता है कि बैग को किसी भी तरह कैरी करो क्या फर्क पड़ता है, तो आपको इस बारे में एक बार और सोचने की जरुरत है। यही तरीका आपके बारे में बहुत कुछ कहता है।

बारिश के मौसम में हो सकती है स्किन एलर्जी

मानसून के इस सीजन में स्किन एलर्जी होने का बड़ा कारण है मॉइश्चर। नमी में कई तरह के बेक्टीरिया भी पैदा होते हैं, साथ ही हाउस डस्ट माइट की वजह से भी एलर्जी हो सकती है। इसलिए इस समय घर और बाथरूम में सीलन न पैदा होने दें। धूप आने दें ताकि कीटाणु और फंगस खत्म हो जाएं और पर्दे, कारपेट, गिलाफ आदि को समय-समय पर धोते रहें।

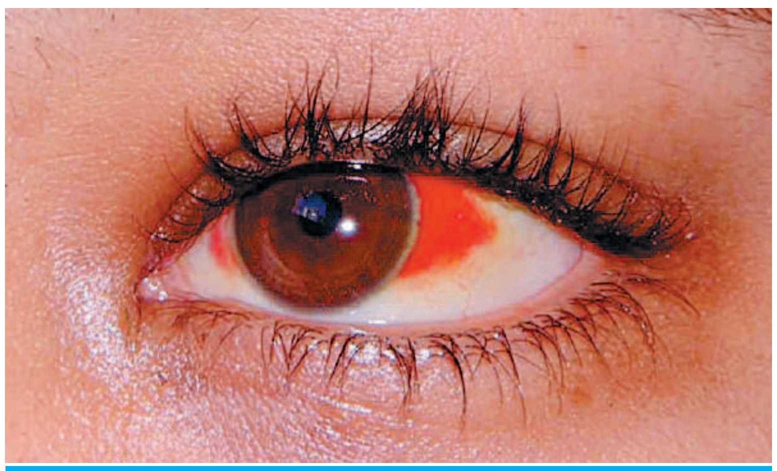

सबकंजंक्टिवल हेमोरेज के क्या हैं कारण

जब छोटे, नाजुक ब्लड वेसल्स आंख के सफेद कवर के नीचे टिश्यु को चोट पहुंचने लगते है, तो आंख में लाली आ जाती है। और इसका अर्थ यह है कि आपको सबकंजंक्टिवल हेमोरेज हुआ है। यानी सबकंजंक्टिवल हेमोरेज आंख के सफेद हिस्से में प्रदर्शित होने वाला लाल चमकदार पैच है। यह समस्या कई समस्याओं में से एक है जिसे रेड आई कहा जाता है। सबकंजंक्टिवल हेमोरेज आमतौर पर अपनी विशिष्ट उपस्थिति के बावजूद भी किसी भी प्रकार की दृष्टि समस्याओं या आंख में असुविधा का कारण नही होता है।

आंख का सफेद भाग (श्वेतपटल) क्लियर टिश्यु की पतली परत के साथ कवर होता है, जिसे बल्बर कंजाक्टिवा कहा जाता है। सबकंजंक्टिवल हेमोरेज तब होता है, जब छोटे ब्लड वेसल्स खुल कर टूट जाते है और कंजाक्टिवा के अंदर बहने लगते है। यह ब्लड अक्सर दिखाई देता है, लेकिन जब तक यह कंजाक्टिवा के भीतर ही सीमित होता है तो इसे दूर और साफ नहीं किया जा सकता है। समस्या चोट के बिना होती है और अक्सर इसे पहली बार नोटिस उठने के बाद आईने के सामने आने से किया जाता है।

लेकिन आंखों की लाली आंख की अन्य गंभीर समस्याओं के प्रकार का संकेत हो सकता है। खासतौर पर अगर आपकी आंख से डिस्चार्ज हो रहा हो तो आंख की जांच के लिए अपने नेत्र चिकित्सक से संपर्क करें। ताकी संक्रमण के लिए जिम्मेदार बैक्टीरिया, वायरस या अन्य सूक्ष्मजीवों की जांच की जा सकें। अगर आपको आंखें में अचानक परिवर्तन के साथ लगातार लालिमा और दर्द या प्रकाश के प्रति संवेदनशीलता का अनुभव हो तो तुरंत अपने आंखों के डॉक्टर से संपर्क करें। इस तरह की आंखों में लाली अन्य प्रकार की आंख की समस्या जैसे अचानक मोतियाबिंद के शुरूआत का संकेत हो सकंता है। आंखों में खून, सबकंजंक्टिवल हेमोरेज से आंख में ब्लड आमतौर पर एक या दो सप्ताह के भीतर गायब हो जाता है। हालांकि यह हमेशा समस्या के स्रोत की पहचान करने के लिए संभव नहीं है, लेकिन सबकंजंक्टिवल हेमोरेज के कुछ संभावित कारणों में शामिल हैं-

■ आंखों में चोट, ■ आंखों को मलना, ■ वायरल संक्रमण, ■ अचानक दबाव का बढ़ना जैसे छींकना या खांसना , ■ ब्लड को पतला करने वाली दवाएं, ■ हाई ब्लड प्रेशर, ■ आंख की सर्जरी जिसमें लेसिक और मोतियाबिंद सर्जरी शामिल है, ■ कम मामलों में रक्त के थक्के की समस्या या विटामिन की कमी विटामिन के रक्त के थक्के के कामकाज को बढ़ावा देने वाला आवश्यक प्रोटीन है। ■ सबकंजंक्टिवल हेमोरेज नवजात शिशुओं में बहुत ही आम है। ऐसा प्रसव के दौरान नवजात शिशुओं के शरीर पर दबाव में परिवर्तन के कारण होता है।

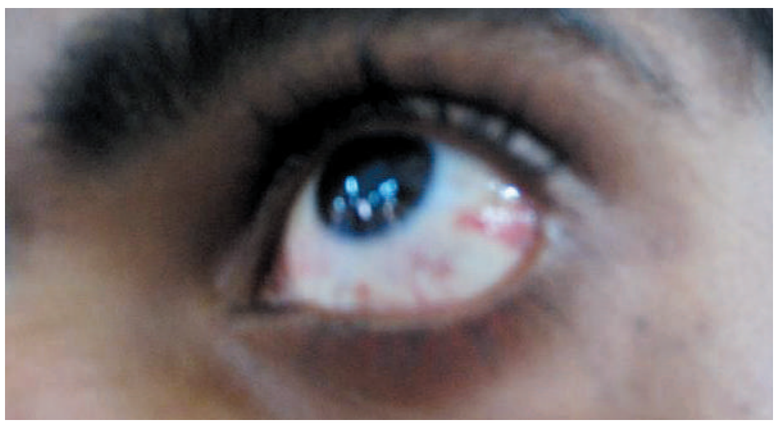

लक्षण

- इस समस्या के होने पर आंख के सफेद हिस्से में चमकदार लाल पैच आने लगते है।
- यह पैच दर्दरहित होता है।
- आंख से किसी प्रकार का डिस्चार्ज नहीं होता।
- आंखों की रोशनी पर भी असर नहीं पड़ता।

इलाज

सबकंजंक्टिवल हेमोरेज के लिए किसी भी इलाज की जरूरत नहीं होती है। बस आपके रक्तचाप की नियमित रूप से जांच होनी चाहिए। सबकंजंक्टिवल हेमोरेज आमतौर पर 2-3 सप्ताह के अंदर अपने आप ही दूर हो जाता है। लेकिन प्रभावित हिस्से पर खरोंच की तरह है, रंग बदल सकते हैं। आमतौर पर इसमें किसी भी प्रकार की समस्या नहीं होती, लेकिन कुछ मामलों में सबकंजंक्टिवल हेमोरेज बुजुर्ग व्यक्तियों में गंभीर वैस्कुलर डिस्ऑर्डर का संकेत हो सकता है।

ध्यान रहे

- समस्या होने पर लुब्रिकेट आई ड्रॉप आंखों को आराम पहुंचाने में मदद करते है, हालांकि यह आई ड्रॉप टूटी हुई ब्लड वेसल्स की मरम्मत में मदद नहीं कर सकते है।
- अगर आप खून को पतला करने वाली दवाएं ले रहे हैं तो इसे लेना तब तक बंद न करें जब तक आपका डॉक्टर आपको ऐसा न करने के निर्देश नहीं देता।
- आंखों को रगड़ने से बचें, क्योंकि सही शुरूआत के बाद यह फिर से खून बहने के खतरे को बढ़ा सकता है।

जानें क्या है ड्रेस सिंड्रोम

ड्रेस सिंड्रोम (ड्रग रश विध एओसिनोफिलिया एंड सिस्टमिक सिम्टम्स), एक प्रतिकूल प्रतिक्रिया शब्द है, जोकि वर्तमान में 10 प्रतिशत तक की अनुमानित मृत्यु दर के साथ एक अतिसंवेदनशीलता प्रतिक्रिया का वर्णन करने के लिए प्रयोग किया जाता है। यह एक दवा के लिए गंभीर, विशेष स्वभाव वाला मल्टीसिस्टम प्रतिक्रिया होती है। ड्रग रश विध एओसिनोफिलिया एंड सिस्टमिक सिम्टम्स (DRESS), एक ऐसा सिंड्रोम है, जो कि कुछ दवाओं के कारण होता है, जिनके चलते आंतरिक अंगों की सूजन, दाने, बुखार, लिम्फाडेनोपैथी तथा हेमटोलॉजिकल असामान्यताएं जैसे थ्रोम्बोसाइटोपेनिया आदि होते हैं। इस सिड्रोम में मृत्यु दर दल प्रतिशत तक होती है। इसके उपचार में जोखिम पैदा करने वाली दवा को के प्रभाव को रोका जाता है और सहायक देखभाल उपलब्ध कराई जाती है।

लक्षण और निदान

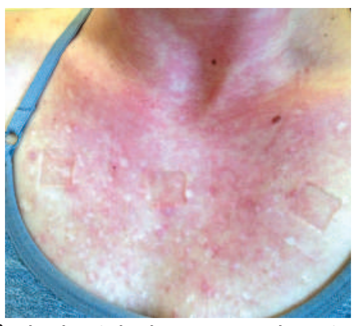

ड्रेस सिंड्रोम का प्रभाव सबसे अधिक, नुक़सान पहुंचाने वाली दवा के प्रभाव शुरू करने के दो से आठ सप्ताह बाद प्रकट होता है। इस दवा का प्रभाव एक दिन के भीतर दोबार भी हो सकता है। प्रारंभिक सुधार के बाद भी इसके लक्षण दवा को रोकने के बाद तीन से चार सप्ताह के भीतर दोबारा भड़क सकते हैं। रोग में मरीजों को नियमित रूप से जल्दी-जल्दी बुखार आता है, और चकत्ते भी विकसित हो जाते हैं। ये लक्षण हल्के से दाने से लेकर फफोले पड़ने तथा त्वचा निकलने तक हो सकते हैं। लेकिन अधिकतर इसमें खुजली, या धब्बेदार पर्विल होता है, जोकि छोटे व बड़े दाने तथा वेसिक्लेस पैदा कर सकता है। लगातार बदलते लक्षणों की वजह से सिंड्रोम के निदान में मुश्किल हो सकती है। इस तरह के दाने, बुखार, और ऑर्गन इंवाल्वमेंट जैसे लक्षण अन्य कई कारणों की वजह से भी हो सकते हैं। इसके निदान में निम्न चरण शामिल हो सकते हैं-

- अस्पताल में भर्ती करना
- रिएक्शन दवा संबंधित होने का संदेह
- त्वचा पर लाल चकत्ते
- 38 डिग्री सेल्सियस तक बुखार
- दो स्थलों पर बढ़े हुए लिम्फ नोड्स
- कम से कम एक आंतरिक अंग की भागीदारी

ड्रेस सिंड्रोम के कारण

वे दवाएं जिनकी वजह से ड्रेस सिंड्रोम होता है, में फेनोबार्बिटल, कार्बमाजेपाइन, फेनीटोइन, लैमोट्रिन, मिनॉयक्लीन, सुल्फोनमीडेस, एलोप्यूरिनॉल, मोडेफिनिल तथा डाप्सोन आदि शामिल हैं। इस सिड्रोम के साथ HHV6 को भी संबद्ध किया गया है।

जुबा-ए-ज़ायका और खेल का संगम

100 फोल्ड कुलिनरी गिल्ड का फेयरवेल ग्रेजुएशन डे बड़े ही उत्साह और धूमधाम के साथ आयोजित किया गया। इस खास मौके पर युवा टेनिस खिलाड़ी मनाल मोहम्मद शम्सुद्दीन ने संस्थान से पास आउट होकर अपनी पाक कला (कुकरी) की यात्रा में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की।

प्रसिद्ध शेफ अलिशा फालेरो के हाथों सम्मानित

समारोह में प्रसिद्ध शेफ अलिशा फालेरो ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और मनाल मोहम्मद शम्सुद्दीन को 'ग्रेजुएशन अवॉर्ड' से सम्मानित किया। शेफ अलिशा, जिनकी पाक कला की प्रेरणादायक यात्रा गोवा के तटीय इलाकों से शुरू होकर मुंबई के जीवंत शहर तक फैली है, ने छात्रों के साथ अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि लगन और कड़ी मेहनत ही सफलता की कुंजी है।

रत्नागिरी की शेफ वीणा अनेराव की गरिमामयी मौजूदगी

इस भव्य आयोजन में कोंकण तट के रत्नागिरी से आईं शेफ वीणा अनेराव ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। रत्नागिरी, जो अपनी समृद्ध पाक परंपराओं और भोजन के प्रति जैविक (ऑर्गेनिक) दृष्टिकोण के लिए जानी जाती है, वहां से जुड़ी शेफ वीणा ने भी छात्रों का मार्गदर्शन किया।

छात्रों की रचनात्मकता और स्वादिष्ट व्यंजनों की तारीफ

कार्यक्रम के दौरान 100 फोल्ड कुलिनरी गिल्ड के स्नातक हो रहे छात्रों

द्वारा बनाए गए विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट स्नैक्स, सैंडविच और विदेशी व्यंजनों का अतिथियों और अभिभावकों ने स्वाद लिया। खूबसूरत प्रस्तुति (प्रेजेंटेशन) और तकनीकी कौशल ने सभी का मन मोह लिया।

समारोह का समापन सभी उत्तीर्ण छात्रों को बधाई देने और आतिथ्य व क्युलिनरी उद्योग में उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाओं के साथ हुआ।

रेसिपी

क्रीमी कोर्न समोसा

सामग्री

1 कप मैदा, 2 बड़े चम्मच तेल, 1 बड़ा चम्मच मैदा, 1 बड़ा चम्मच मक्खन, 1 कप दूध, 1/2 कप बेबी कॉर्न(कटे हुए), 1/2 कप शिमला मिर्च लाल,पीली,हरी, 1 बड़ा चम्मच चीज, तलने के लिए तेल, नमक स्वादानुसार, मिर्च

विधि

सबसे पहले मैदा और नमक छान कर तेल डाल कर पानी से गूंध लें। एक कढाई में मक्खन गरम कर मैदा भूनें व इसमें दूध डालकर व्हाइट सॉस बनाएं। अब इसमें कटी शिमला मिर्च व बेबी कॉर्न,नमक और मिर्च डाल कर 1-2 मिनट तक पकाएं और चीज को कद्दूकस करके डालें और आंच से उतार लें। इसके बाद मैदा की छोटी-छोटी लोइयां बना कर पूरी बेल कर बीच में से आधी काट कर समोसे की शेप दें। अब इसमें पहले से बनाकर रखी हुई व्हाइट सॉस का मिश्रण भर कर पानी की सहायता से उंगुलियों से दबाते हुए बंद कर दें। एक कडाही में तेल गर्म करके इसमें समोसे तल लें और गर्मा-गर्म सॉस के साथ सर्व करें।

मेथी लीव्स् साम्भर

सामग्री

1 कप कटी हुई मेथी, 1 कप तुवर दाल , धोकर छानी हुई, 1/2 कप बारीक कटे हुए टमाटर, 1/2 कप बारीक कटा हुआ प्याज, 1/2 कप कटा हुआ कद्दू, 1/2 कप कटी हुई लौकी, 1/4 टी-स्पून हल्दी पाउडर, नमक स्वादअनुसार, 1/2 कप सहजन की फल्ली , 2 के टुकड़ो में कटी हुई, 2 टी-स्पून तेल, 1 टी-स्पून सरसों, 5 कड़ी पत्ता, 1 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 3 टेबल-स्पून साम्भर मसाला, 1 टेबल-स्पून नींबू का रस

विधि

तुवर दाल, टमाटर, प्याज़, कद्दू, लौकी, हल्दी पाउडर, नमक और 3 कप पानी को एक प्रैशर कुकर में अच्छी तरह मिला लें और 3 सिटी के लिए प्रैशर कुक कर लें। ढक्कन खोलने से पुर्व सारी भाप निकलने दें और एक तरफ रख दें। सहजन फल्ली और 1/2 कप पानी को एक गहरे नॉन-स्टिक पैन में मिलाकर, मध्यम आंच पर 5 मिनट के लिए पका लें। बिना छानें एक तरफ रख दें। दुसरे नॉन-स्टिक पैन में तेल गरम करें और सरसों डालें। जब बीज चटकने लगे, कड़ी पत्ता और मेथी डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर, बीच-बीच में हिलाते हुए, 2 मिनट के लिए पका लें। लाल मिर्च पाउडर, साम्भर मसाला, पानी के साथ पकी हुई सहजन फल्ली, पके हुए दाल का मिश्रण, थोड़ा नमक और 1/2 कप पानी डालकर अच्छी तरह मिला लें और, बीच-बीच में हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 5 मिनट के लिए पका लें। नींबू का रस डालकर अच्छी तरह मिला लें। गरमा गरम परोसें।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ

संपादकीय

जिनेवा संधियों के खिलाफ जंग

आज ईरान युद्ध ऐसी पराकाष्ठा पर पहुंच गया है, जहां 1949 की जिनेवा अंतरराष्ट्रीय सन्धियों का उल्लेख अनिवार्य है। अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप और ईरान के आईआरजीसी ने तो उन सन्धियों के प्रति आंखें मूंद ली हैं, अब यह हकीकत लगता है। विध्वंस, विस्फोट और अंततः विनाश जारी है, जिनमें मानवाधिकार और मानवीय व्यवस्थाएं भी कुचली जा रही हैं। कोई वैश्विक संस्थान अथवा मंच या राष्ट्र-समूह नहीं है, जो इन पागल, बौखलाए और संहारी जंगियों को समझा सकें या रोक लगा सकें। हमें एक बार फिर लिखना-कहना पड़ रहा है कि संयुक्त राष्ट्र अब एक लुंज-पुंज संस्थान बन कर रह गया है। अब यह भाषण पेलने का ही मंच रह गया है, लिहाजा उस पर ढक्कन बंद कर देना चाहिए। युद्ध के अलावा, अब यह संस्थान विस्थापन, शरण, भोजन, पानी, स्वास्थ्य, संरक्षण और जलवायु-परिवर्तन तक किसी भी लिहाज से सशक्त मंच नहीं रहा है, क्योंकि अब कोई भी देश उसकी अपील या आह्वान की परवाह तक नहीं करता। वीटो वाले देशों के अपने गिरोह, षड्यंत्र और कूटनीतिक हित हैं। अब विश्व के असंख्य करदाताओं के अरबों डॉलर (या रुपए) फूंकना बेमानी है। बहरहाल जिनेवा सन्धि के अनुच्छेद 52 में स्पष्ट प्रावधान है कि युद्ध के दौरान नागरिकों, स्कूलों, अस्पतालों, नागरिक व्यवस्थाओं पर हमले नहीं किए जाएंगे। अनुच्छेद 54 में उल्लेख है कि पानी, खाद्य और अन्य नागरिक सुविधाओं पर हमला करना या उन्हें नष्ट करना प्रतिबंधित है। यह चेतावनी भी जोड़ी गई है कि यदि नागरिकों की जान का खतरा है, तो इन सुविधाओं और व्यवस्थाओं पर हमले पूरी तरह निषिद्ध हैं। ये चार सन्धियां खुद दुनिया के बड़े देशों ने, आपसी विमर्श के बाद, पारित की थीं, हस्ताक्षर किए थे, लेकिन युद्ध कोई भी हो, इन सन्धियों की धज्जियां उड़ाई जाती रही हैं। मौजूदा ईरान युद्ध हो अथवा साढ़े चार साल से जारी रूस-यूक्रेन युद्ध हो, ये सन्धियां चीत्कार करती रही हैं। ऐसा आभास होता है मानो जिनेवा सन्धियों के खिलाफ ही जंग जारी हैं! अमरीका ने तो ईरान युद्ध की शुरुआत में ही एक स्कूल पर हमला कर 168 बच्चियों का सामूहिक नरसंहार कर दिया था। अमरीका के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं, कोई दंडात्मक फैसला नहीं, महज बयान से क्या होता है? अमरीकी लड़ाकू विमान बीती 11 रातों से ईरान पर लगातार मिसाइल हमले, बमबारी कर रहे हैं, हमले होर्मुज तट से राजधानी तेहरान तक विनाश की कहानियां लिख रहे हैं, त्रासदियां कितनी हुईं, फिलहाल इनका कोई डाटा सामने नहीं है। नुकसान अकल्पनीय है। हमले बिजलीघरों, पानी के संयंत्रों, पुलों, इमारतों, परमाणु स्थलों के करीब किए जा रहे हैं, लेकिन विश्व में जिनेवा सन्धियों को लेकर कोई हस्तक्षेप या बयान सामने नहीं आया है। दुनिया के सबसे बड़े गुंडे के खिलाफ बोलने की हिमाकत कौन कर सकता है? ईरान में राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान की जानकारी के लिए एक सर्वेक्षण किया गया। उसमें 45 फीसदी लोग युद्ध के कारण खौफजदा सामने आए, करीब 49 फीसदी ने युद्ध बढने का डर जताया, 44.3 फीसदी ने युद्धविराम की इच्छा जताई, 81 फीसदी से अधिक ऐसे थे, जिन तक बुनियादी सुविधाओं और सामान की पहुंच नहीं थी, करीब 63 फीसदी लोगों में युद्ध के कारण गुस्सा और चिड़चिड़ापन बढ़ा है और 50 फीसदी से अधिक लोगों में किसी बेहतर सुधार की उम्मीद नजर नहीं आई। साफ है कि ईरान युद्ध में जिनेवा सन्धियां चीत्कार कर रही हैं। लोगों की सुनने वाला कोई नहीं है। काम-धंधे छिन रहे हैं, बेरोजगारी के साथ भुखमरी भी बढ़ रही है। अमरीका भी यही चाहता है कि ईरान का अवाम मौजूदा हुकूमत के खिलाफ विद्रोह पर उतर आए। यही अमरीका की असल सामरिक कामयाबी होगी। राष्ट्रपति ट्रंप के आदेश हैं कि ईरान में 'नरक' के दरवाजे खोल दिए जाएं। एक साथ 17 शहरों और 95 ठिकानों पर अमरीकी हमले किए गए हैं। पलटवार में ईरान ने जॉर्डन को विनाशक हमलों का 'एपिसेंटर' बना दिया है। जॉर्डन के साथ-साथ बहरीन, कुवैत, कतर, ओमान, सीरिया में भी हमलों ने तबाही मचा रखी है। अमरीकी सैनिक भी मारे गए हैं, जबकि 400 से अधिक घायल बताए जा रहे हैं। अमरीका के 9.91 लाख करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं।

अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप और ईरान के आईआरजीसी ने तो उन सन्धियों के प्रति आंखें मूंद ली हैं, अब यह हकीकत लगता है। विध्वंस, विस्फोट और अंतत: विनाश जारी है, जिनमें मानवाधिकार और मानवीय व्यवस्थाएं भी कुचली जा रही हैं। कोई वैश्विक संस्थान अथवा मंच या राष्ट्र-समूह नहीं है, जो इन पागल, बौखलाए और संहारी जंगियों को समझा सकें या रोक लगा सकें। हमें एक बार फिर लिखना-कहना पड़ रहा है कि संयुक्त राष्ट्र अब एक लुंज-पुंज संस्थान बन कर रह गया है। अब यह भाषण पेलने का ही मंच रह गया है, लिहाजा उस पर ढक्कन बंद कर देना चाहिए। युद्ध के अलावा, अब यह संस्थान विस्थापन, शरण, भोजन, पानी, स्वास्थ्य, संरक्षण और जलवायु-परिवर्तन तक किसी भी लिहाज से सशक्त मंच नहीं रहा है, क्योंकि अब कोई भी देश उसकी अपील या आह्वान की परवाह तक नहीं करता। वीटो वाले देशों के अपने गिरोह, षड्यंत्र और कूटनीतिक हित हैं। अब विश्व के असंख्य करदाताओं के अरबों डॉलर (या रुपए) फूंकना बेमानी है। बहरहाल जिनेवा सन्धि के अनुच्छेद 52 में स्पष्ट प्रावधान है कि युद्ध के दौरान नागरिकों, स्कूलों, अस्पतालों, नागरिक व्यवस्थाओं पर हमले नहीं किए जाएंगे।

कोरोना महामारी के दौरान हमने देखा कि हजारों चिकित्सकों ने अपनी जान की परवाह किए बिना मरीजों की सेवा की

डॉक्टर बनने की राह में संवेदनाएँ कहाँ खो जाती हैं?

देश में जब भी नीट (NEET) परीक्षा होती है, उसके बाद केवल परिणामों की नहीं, बल्कि पूरी व्यवस्था की चर्चा शुरू हो जाती है। कभी पेपर लीक, कभी परीक्षा की पारदर्शिता, कभी आरक्षण, कभी कट-ऑफ और कभी लाखों विद्यार्थियों पर पड़ने वाले मानसिक दबाव को लेकर बहस छिड़ जाती है। हर वर्ष करोड़ों सपनों का भार इस एक परीक्षा पर टिका होता है। माता-पिता अपनी वर्षों की बचत दाँव पर लगा देते हैं, विद्यार्थी दिन-रात एक कर देते हैं और समाज उन सफल अभ्यर्थियों को भविष्य का जीवनरक्षक मानकर गर्व महसूस करता है। लेकिन इन तमाम बहसों के बीच एक ऐसा प्रश्न है, जो शायद सबसे महत्वपूर्ण है, फिर भी सबसे कम पूछा जाता है। आखिर यही बच्चे, जो डॉक्टर बनने का सपना लेकर मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश करते हैं, उनमें से कुछ आगे चलकर ऐसे डॉक्टर क्यों बन जाते हैं जिनके व्यवहार को लेकर समाज में असंतोष दिखाई देता है? क्यों कभी-कभी मरीज को लगता है कि उसके सामने बैठा व्यक्ति पहले डॉक्टर नहीं, बल्कि एक व्यवसायी है? यह प्रश्न किसी पूरे चिकित्सक समुदाय पर आरोप नहीं, बल्कि उस व्यवस्था की पड़ताल है जो एक संवेदनशील विद्यार्थी को कभी-कभी संवेदनहीन पेशेवर में बदल देती है। यह स्पष्ट कर देना आवश्यक है कि देश के अधिकांश डॉक्टर आज भी पूरी ईमानदारी, निष्ठा और करुणा के साथ अपनी सेवाएँ दे रहे हैं। कोरोना महामारी के दौरान हमने देखा कि हजारों चिकित्सकों ने अपनी जान की परवाह किए बिना मरीजों की सेवा की। दूर-दराज़ के ग्रामीण क्षेत्रों में सीमित संसाधनों के बीच कार्य करने वाले डॉक्टर आज भी चिकित्सा सेवा की गरिमा बनाए हुए हैं। इसलिए कुछ लोगों की गलतियों के आधार पर पूरे चिकित्सक समुदाय का मूल्यांकन करना अन्याय होगा। लेकिन यदि समाज में डॉक्टरों के प्रति अविश्वास बढ़ रहा है, तो उसके कारणों पर गंभीरता से विचार करना भी उतना ही आवश्यक है। समस्या की शुरुआत मेडिकल कॉलेज से भी पहले हो जाती है। आज डॉक्टर बनने की तैयारी एक प्रतियोगी उद्योग बन चुकी है। कोचिंग संस्थानों में विद्यार्थियों को सफलता का अर्थ केवल रैंक, अंक और सीट समझाया जाता है। चिकित्सा को सेवा नहीं, बल्कि उपलब्धि और प्रतिष्ठा का माध्यम मानने की मानसिकता धीरे-धीरे विकसित होने लगती है। जब लक्ष्य केवल किसी भी कीमत पर मेडिकल सीट प्राप्त करना रह जाए, तब संवेदनशीलता, सामाजिक जिम्मेदारी और मानवीय मूल्यों की चर्चा पीछे छूट जाती है। इसके बाद यदि कोई छात्र अत्यधिक महँगे निजी मेडिकल कॉलेज में प्रवेश लेता है, जहाँ शिक्षा पर लाखों नहीं बल्कि करोड़ों रुपये तक खर्च होते हैं, तो आर्थिक दबाव भी उसके भविष्य को प्रभावित करता है। कई परिवार कर्ज लेकर अपने बच्चों को डॉक्टर बनाते हैं। ऐसे में कुछ लोगों के मन में यह भावना जन्म लेती है कि अब इस निवेश की भरपाई करनी है। यह सोच चिकित्सा की मूल भावना

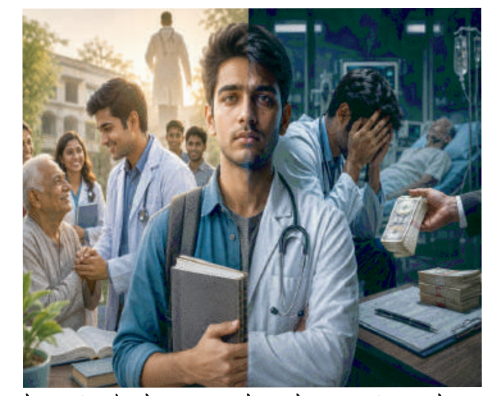

के विपरीत है, लेकिन शिक्षा के बढ़ते व्यावसायीकरण ने इस मानसिकता को कहीं न कहीं जन्म दिया है। मेडिकल शिक्षा स्वयं भी अत्यंत कठिन है। वर्षों तक लगातार अध्ययन, इंटर्नशिप की लंबी ड्यूटी, रातभर जागकर काम करना, गंभीर मरीजों से रोज़ सामना होना, मानसिक तनाव और कई बार कठोर प्रशिक्षण—यह सब एक युवा छात्र के व्यक्तित्व को प्रभावित करता है। यदि इस दौरान उसे भावनात्मक सहयोग, नैतिक चिकित्सा और मानवीय व्यवहार का पर्याप्त प्रशिक्षण न मिले, तो धीरे-धीरे मरीज एक इंसान नहीं, बल्कि एक ₹केसर₹ बनकर रह जाता है। सरकारी अस्पतालों की स्थिति भी किसी से छिपी नहीं है। एक-एक डॉक्टर को सैकड़ों मरीज देखने पड़ते हैं। सीमित संसाधनों, दवाओं की कमी और प्रशासनिक दबाव के बीच हर मरीज को पर्याप्त समय देना कई बार संभव नहीं होता। दूसरी ओर निजी अस्पतालों में कई स्थानों पर आय, पैकेज और लक्ष्य आधारित कार्य संस्कृति का दबाव रहता है। ऐसे माहौल में चिकित्सा सेवा और व्यापार के बीच की रेखा धुंधली होने लगती है। समस्या केवल डॉक्टरों की भी नहीं है। स्वास्थ्य व्यवस्था का पूरा ढाँचा कई बार ऐसी परिस्थितियाँ पैदा करता है जहाँ मानवीय संवेदनाएँ धीरे-धीरे थकने लगती हैं। लगातार तनाव, मुकदमों का डर, हिंसा की घटनाएँ, सोशल मीडिया पर बिना तथ्य के आरोप और हर परिस्थिति में चमत्कार की अपेक्षा—ये सभी बातें डॉक्टरों पर अतिरिक्त मानसिक दबाव डालती हैं। जब समाज और व्यवस्था दोनों किसी पेशे को लगातार तनाव में रखें, तो उसका असर व्यवहार पर पड़ना स्वाभाविक है। इसके बावजूद यह स्वीकार करना होगा कि कुछ डॉक्टरों द्वारा अनावश्यक जाँचें लिखना, कमीशन आधारित रेफरल देना, अत्यधिक शुल्क लेना या मरीज के साथ असम्मानजनक व्यवहार करना किसी भी परिस्थिति में उचित नहीं ठहराया जा सकता। चिकित्सा केवल ज्ञान का नहीं, बल्कि विश्वास का भी पेशा है। एक बार यदि यह विश्वास टूटता है तो उसकी भरपाई अत्यंत कठिन होती है। सबसे बड़ी कमी शायद हमारी चिकित्सा शिक्षा में नैतिक प्रशिक्षण की है। मेडिकल विद्यार्थियों को शरीर की संरचना, रोगों की पहचान और आधुनिक उपचार पद्धतियाँ तो विस्तार से पढ़ाई जाती हैं, लेकिन करुणा, संवाद, सहानुभूति और चिकित्सा नैतिकता को उतनी प्राथमिकता नहीं मिलती, जितनी मिलनी चाहिए। जबकि मरीज को सबसे पहले दवा नहीं, विश्वास की आवश्यकता होती है। कई बार डॉक्टर का एक मधुर शब्द भी उपचार का महत्वपूर्ण हिस्सा बन जाता है। नीट पर होने वाली बहस केवल परीक्षा की निष्पक्षता तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। यदि हमें वास्तव में बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था चाहिए तो मेडिकल शिक्षा को केवल ज्ञान और तकनीक तक सीमित रखने के बजाय उसे मानवीय मूल्यों से भी जोड़ना होगा। मेडिकल कॉलेजों में नैतिक शिक्षा, सामुदायिक सेवा, ग्रामीण स्वास्थ्य शिविर, संवाद कौशल और मानसिक स्वास्थ्य को प्रशिक्षण का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाना चाहिए। विद्यार्थियों को यह समझाना होगा कि चिकित्सा केवल जीविका का साधन नहीं, बल्कि समाज के प्रति उत्तरदायित्व भी है। सरकार की भी बड़ी जिम्मेदारी है। सरकारी मेडिकल कॉलेजों की संख्या बढ़ाने, निजी मेडिकल शिक्षा की फीस को अधिक न्यायसंगत बनाने, सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों की संख्या बढ़ाने और कार्य परिस्थितियों को बेहतर बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाने होंगे। जब व्यवस्था ही संतुलित होगी, तभी उससे निकलने वाले पेशेवर भी अधिक संतुलित होंगे। समाज को भी आत्ममंथन करना चाहिए। डॉक्टर से चमत्कार की अपेक्षा करना, छोटी-सी असफलता पर हिंसा करना या बिना तथ्यों के पूरे समुदाय को कटघरे में खड़ा कर देना किसी समस्या का समाधान नहीं है। डॉक्टर और मरीज का संबंध विश्वास पर आधारित होता है और इस विश्वास की रक्षा दोनों पक्षों को मिलकर करनी होगी। नीट की निष्पक्षता आवश्यक है, लेकिन उससे भी अधिक आवश्यक यह सुनिश्चित करना है कि मेडिकल कॉलेज से निकलने वाला प्रत्येक डॉक्टर केवल सफल परीक्षार्थी न हो, बल्कि संवेदनशील इंसान भी हो। देश को ऐसे चिकित्सकों की आवश्यकता है जिनके हाथों में विज्ञान की दक्षता हो, मस्तिष्क में ज्ञान हो और हृदय में करुणा। क्योंकि चिकित्सा केवल एक पेशा नहीं, बल्कि मानवता की सबसे पवित्र सेवाओं में से एक है। नीट के विवादों के बीच यदि हम इस बड़े प्रश्न पर भी गंभीरता से विचार कर सकें कि डॉक्टर बनने की यात्रा में संवेदनाएँ क्यों कमजोर पड़ जाती हैं, तो शायद भविष्य में हमें केवल उत्कृष्ट चिकित्सक ही नहीं, बल्कि ऐसे डॉक्टर भी मिलेंगे जिन पर मरीज बिना किसी भय और संदेह के अपना जीवन सौंप सके। किसी भी राष्ट्र की स्वास्थ्य व्यवस्था की असली पहचान उसकी मशीनों, भवनों या तकनीक से नहीं, बल्कि डॉक्टर और मरीज के बीच मौजूद विश्वास से होती है। उस विश्वास को बचाए रखना ही हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।

माता-पिता अपनी वर्षों की बचत दाँव पर लगा देते हैं, विद्यार्थी दिन-रात एक कर देते हैं और समाज उन सफल अभ्यर्थियों को भविष्य का जीवनरक्षक मानकर गर्व महसूस करता है। लेकिन इन तमाम बहसों के बीच एक ऐसा प्रश्न है, जो शायद सबसे महत्वपूर्ण है, फिर भी सबसे कम पूछा जाता है। आखिर यही बच्चे, जो डॉक्टर बनने का सपना लेकर मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश करते हैं, उनमें से कुछ आगे चलकर ऐसे डॉक्टर क्यों बन जाते हैं जिनके व्यवहार को लेकर समाज में असंतोष दिखाई देता है? क्यों कभी-कभी मरीज को लगता है कि उसके सामने बैठा व्यक्ति पहले डॉक्टर नहीं, बल्कि एक व्यवसायी है? यह प्रश्न किसी पूरे चिकित्सक समुदाय पर आरोप नहीं, बल्कि उस व्यवस्था की पड़ताल है जो एक संवेदनशील विद्यार्थी को कभी-कभी संवेदनहीन पेशेवर में बदल देती है। यह स्पष्ट कर देना आवश्यक है कि देश के अधिकांश डॉक्टर आज भी पूरी ईमानदारी, निष्ठा और करुणा के साथ अपनी सेवाएँ दे रहे हैं।

देश दुनिया से

नीट विवाद पर क्यों थम गई संसद : छात्रों में असंतोष या विपक्ष का सियासी दांव?

युवाओं में गहराता अविश्वास सरकार के लिए सिरदर्द बनता जा रहा है। बार-बार लीक होते पेपरों और प्रतियोगी परीक्षाओं में देरी से देश के मध्यमवगाय और ग्रामीण पृष्ठभूमि से आने वाले युवाओं का भरोसा भारत की चयन और परीक्षा प्रणालियों से डगमगा रहा है। यह अविश्वास देश के जनसांख्यिकी लाभांश के लिए एक गंभीर चेतावनी है। संसद के मानसून सत्र के दौरान राष्ट्र की सर्वोच्च पंचायत संसद केवल विधायी बहसों या नीतिगत बहसों का वेंद्र नहीं रही, बल्कि यह देश के लाखों युवाओं के भविष्य, आव्रोश और असंतोष का रणक्षेत्र बन गई है। संसद के मानसून सत्र के दौरान दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा में कार्यवाही शुरू होते ही व्यवधान उत्पन्न होता नजर आ रहा है। विपक्षी दलों के सांसदों के इस मामले को लेकर कड़े तेवर हैं और सरकार के खिलाफ अलग अलग रुप में आंदोलन चलाने पर उतारु हैं यानी पूरे देश में सियासी बवाल मचा हुआ है। इस पूरे बवाल के मूल में नीट (नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट) परीक्षा में कथित धांधली, पेपर लीक के आरोप, और राजधानी दिल्ली में लोकतांत्रिक तरीके से प्रदर्शन कर रहे छात्रों तथा युवाओं पर पुलिस द्वारा किया गया बल प्रयोग है। विपक्ष अब सीधे वेंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीपे की मांग पर अड़ गया है। सड़कों पर शुरू हुआ एक शैक्षणिक आंदोलन अब देश का सबसे बड़ा राजनीतिक और सामाजिक मुद्दा बन चुका है, जिसने संसद में सरकार के विधायी एजेंडे पर गंभीर दबाव बना दिया है। भारत जैसे जीवंत और दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में जब देश का युवा सड़कों पर उतर आए और संसद की कार्यवाही ठप हो जाए, तो यह पूरी व्यवस्था के लिए चिंतन का विषय है। संसद का काम केवल कानून बनाना नहीं, बल्कि देश के नागरिकों, विशेषकर युवाओं के संशय और पीड़ा का समाधान करना भी है। ऐसे में सरकार को चाहिए कि वह विपक्ष और प्रदर्शनकारी छात्रों के प्रतिनिधियों के साथ एक पारदशा संवाद कायम करे, ताकि जांच पर विश्वास बहाल हो सके। वहीं, विपक्ष को भी चाहिए कि वह विधायी कामकाज में भागीदारी करते हुए संसद को

ही अपनी बात और तर्कों का सबसे मजबूत मंच बनाए। यदि समय रहते इस गतिरोध और युवा असंतोष को तरकिक परिणति तक नहीं पहुंचाया गया, तो इसका नुकसान केवल राजनीति को नहीं, बल्कि भारत के उज्ज्वल भविष्य उसके युवाओं को भुगतना पड़ेगा। सड़कों से संसद तक विपक्ष का एकीवृत एजेंडा - विपक्ष को नीट और छात्र असंतोष के रूप में एक ऐसा सर्वव्यापी मुद्दा मिल गया है जो सीधे देश के हर दूसरे-तीसरे परिवार को प्रभावित करता है। विपक्षी दल इसे आगामी राज्य विधानसभा चुनावों के लिए भी एक बड़े राजनीतिक हथियार के रूप में विकसित कर रहे हैं। संसद के भीतर और बाहर विपक्ष ने इस मुद्दे को पूरी ताकत से उठाया है। मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस, वामपंथी दलों, तृणमूल कांग्रेस और अन्य क्षेत्रीय दलों ने एकजुट होकर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। शायद विपक्ष का सबसे बड़ा हमला वेंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर है। विपक्षी नेताओं का तर्व है कि जब देश की सबसे बड़ी और संवेदनशील चिकित्सा प्रवेश परीक्षा की साख तार-तार हो गई है, तो मंत्री अपनी नैतिक जिम्मेदारी से भाग नहीं सकते। विपक्ष का कहना है कि जब तक शिक्षा मंत्री पद पर बने रहेंगे, तब तक किसी भी जांच की निष्पक्षता पर सवाल उठते रहेंगे। कांग्रेस सांसदों ने तो यहां तक आरोप लगाया कि वेंद्र सरकार देश के मेधावी छात्रों की आवाज सुनने के बजाय पुलिस की लाठियों से उसे दबाना चाहती है। विपक्षी दल इस मुद्दे पर एक तरफ तो चर्चा की मांग कर रहे हैं, वहीं सरकार इसके लिए तैयार हैं, लेकिन विपक्ष संसद के भीतर हंगामा व नारेबाजी करके कार्यवाही को चलने नहीं दे रहे हैं। शायद विपक्षी दल इस मुद्दे पर अपनी सियासी रणनीति को मजबूत करना चाहता है। विपक्ष का दावा है कि नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) पूरी तरह से विफल साबित हो चुकी है और इसके शीर्ष अधिकारियों की जवाबदेही तय किए बिना केवल छोटे कर्मचारियों पर गाज गिराना अन्याय है। सरकार का दावाः सरकार हर मुद्दे पर चर्चा को तैयार - संसद और सड़को पर विपक्ष के लगातार जारी आव्रामक तेवरों और हंगामे के बीच वेंद्र सरकार ने भी अपना रुख साफ किया है। सरकार का कहना है कि वह छात्रों के हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बारबार सदन में दोहराया कि सरकार नियम के तहत नीट मामले समेत किसी भी संवेदनशील मुद्दे पर प्रश्नकाल के बाद विस्तृत चर्चा कराने के लिए पूरी तरह तैयार है। सरकार का आरोप है कि विपक्ष चर्चा करने के बजाय केवल सदन को ठप करने की राजनीति कर रहा है। सरकार का तर्व है कि पेपर लीक और सार्वजनिक परीक्षाओं में धांधली को रोकने के लिए नया और कठोर सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम लागू किया जा चुका है। उच्च स्तरीय जांच एजेंसियां हर पहलू की गहनता से पड़ताल कर रही हैं। सरकार का कहना है कि बिना ठोस तथ्यों के पूरी परीक्षा को अचानक रद्द कर देना या जल्दबाजी में कोई पैसला लेना उन लाखों ईमानदार और मेधावी छात्रों के साथ अन्याय होगा जिन्होंने वर्षो तक दिन-रात मेहनत की है। देश में एक बड़ा सामाजिक व राजनीतिक मोड़ - नीट विवाद और जंतर-मंतर पर हुई पुलिस कार्रवाई के बाद देश के माहौल में एक बड़ा बदलाव देखा जा रहा है।

आप का नज़रिया

पीएम आवास तक तकरार

पेपरलीक आंदोलन, तकरार और विरोध-प्रदर्शन प्रधानमंत्री आवास की दहलीज तक पहुंच गया। यकीनन यह चौंकाने वाला यथार्थ है। प्रधानमंत्री की सुरक्षा के साथ ऐसा खिलवाड़ स्वीकार नहीं है। यह दंडनीय अपराध है। राजधानी दिल्ली में आंदोलन के स्थान चिह्नित हैं। पेपरलीक और युवाओं के भविष्य पर कोई तकरार है, तो उसके लिए संसद का मंच है। कमोबेश संसद में विपक्ष हंगामा करने, नारेबाजी, हुल्लड़बाजी से बाज आएगा, तो सदन में इस मुद्दे पर भी चर्चा हो सकती है। यह आश्वासन प्रधानमंत्री मोदी तक ने दिया है और एनडीए सांसदों को संबोधित करते हुए भी आश्वस्त किया है कि पेपरलीक के 'माफिया' को बख्शा नहीं जाएगा। सरकार सख्त कार्रवाई कर रही है। आरोपित जेल में भी हैं। संसद सत्र जारी है, लेकिन कार्यवाही बंजर है, क्योंकि विपक्ष को हंगामा करना ही विशेषाधिकार लगता है। बहरहाल संसद के दोनों सदनों में नेता प्रतिपक्ष-राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खडग़े-ने स्थापित कानून को तोड़ा है। खडग़े का सरकारी आवास 10, राजाजी मार्ग है, जो प्रधानमंत्री आवास से मात्र 300 मीटर की दूरी पर है। 21 जुलाई को खडग़े का 84वां जन्मदिन था, लिहाजा नेता प्रतिपक्ष, लोकसभा के अलावा, कांग्रेस के मुख्यमंत्री, पूर्व मुख्यमंत्री, सांसद और अन्य महत्वपूर्ण चेहरे खडग़े के आवास पर जुटे थे। संभवतः वहीं रणनीति तय हुई और कांग्रेसी पैदल चल कर ही प्रधानमंत्री आवास की दहलीज तक पहुंच गए। दलील दी गई कि प्रधानमंत्री संसद में नहीं आ रहे हैं, लिहाजा हम उनसे मिलने आए हैं। यह कुतर्क के अलावा कुछ भी नहीं। यह धरना सुरक्षा-व्यवस्था का घोर उल्लंघन था। चूंकि अधिकतर सांसद थे, लिहाजा वे संसद भवन में ही निश्चित स्थान पर धरना और नारेबाजी कर सकते थे। प्रधानमंत्री आवास की वह दहलीज 'उच्चतम सुरक्षा' क्षेत्र है, लिहाजा 'अति संवेदनशील' भी है। वहां से प्रधानमंत्री का काफिला ही आ-जा सकता है। वीवीआईपी मेहमान भी उसी रास्ते से प्रधानमंत्री से मुलाकात करने आते हैं। सवाल है कि क्या पुलिस और खुफिया एजेंसियों को इस धरने की भनक तक नहीं लगी? प्रधानमंत्री को पल-पल की खबर दी जाती है, फिर इतनी चूक कैसे हो गई? बहरहाल आजादी के बाद सिर्फ दो बार प्रधानमंत्री आवास पर प्रदर्शनबाजी की गई है, लेकिन दोनों बार 'नेता प्रतिपक्ष' शामिल नहीं थे। 1999 में आईसी-814 विमान अपहरण के वक्त पीड़ित, चिंतित जनता प्रधानमंत्री आवास तक पहुंची थी, क्योंकि विमान में कई यात्री सवार थे और अपहरण आतंकियों ने किया था। तब देश के प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेयी थे। दूसरी बार, 2012 में अन्ना हजारे आंदोलन के समय युवाओं की भीड़ ने प्रधानमंत्री आवास पर प्रदर्शन किया था। डॉ. मनमोहन सिंह तब देश के प्रधानमंत्री थे। दरअसल किसी भी विवाद, मुद्दे, समस्या, आपदा, कांड का न्यायिक निपटारा प्रधानमंत्री आवास पर धरना देकर हासिल नहीं किया जा सकता। मौजूदा कांग्रेसी धरना राजनीतिक अराजकता, मेरी मर्जी वाला अहंकार और पेपरलीक पर विभाजित राजनीति का स्पष्ट उदाहरण है। प्रधानमंत्री दफ्तर में राज्यमंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह और केंद्रीय गृह सचिव गोविन्द मोहन दो बार धरनास्थल तक आए और राहुल गांधी से संवाद किया, उन्हें प्रधानमंत्री आवास की दहलीज की संवेदनशीलता समझाई, लेकिन नेता प्रतिपक्ष नहीं माने। अपनी बात से मुकरते रहे और कई बार जवाब दिया-'मेरी मर्जी..।' देश किसी व्यक्ति की मनमर्जियों से नहीं चला करता। अंततः पुलिस के जवानों ने हल्का बलप्रयोग करते हुए राहुल गांधी और अखिलेश यादव को टांगते हुए उठाया, हिरासत में लिया और बस में ठेल कर छत्रसाल स्टेडियम ले गए। देर रात उन्हें रिहा कर दिया गया। प्रियंका गांधी को भी जबरन उठा कर बस में बिठाया गया। मंदिर मार्ग थाने में उनसे मिलने मां सोनिया गांधी गईं। उन्हें भी रिहा कर दिया गया। दरअसल कांग्रेस सोच रही है कि पेपरलीक पर मोदी सरकार बैकफुट पर है। यह व्यापक वोट बैंक का भी मुद्दा है, लिहाजा राहुल गांधी 'गूंज' नाम से एक अभियान छात्रों के लिए चला रहे हैं।

पेपरलीक और युवाओं के भविष्य पर कोई तकरार है, तो उसके लिए संसद का मंच है। कमोबेश संसद में विपक्ष हंगामा करने, नारेबाजी, हुल्लड़बाजी से बाज आएगा, तो सदन में इस मुद्दे पर भी चर्चा हो सकती है। यह आश्वासन प्रधानमंत्री मोदी तक ने दिया है और एनडीए सांसदों को संबोधित करते हुए भी आश्वस्त किया है कि पेपरलीक के 'माफिया' को बख्शा नहीं जाएगा। सरकार सख्त कार्रवाई कर रही है। आरोपित जेल में भी हैं। संसद सत्र जारी है, लेकिन कार्यवाही बंजर है, क्योंकि विपक्ष को हंगामा करना ही विशेषाधिकार लगता है। बहरहाल संसद के दोनों सदनों में नेता प्रतिपक्ष-राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खडग़े-ने स्थापित कानून को तोड़ा है। खडग़े का सरकारी आवास 10, राजाजी मार्ग है, जो प्रधानमंत्री आवास से मात्र 300 मीटर की दूरी पर है। 21 जुलाई को खडग़े का 84वां जन्मदिन था, लिहाजा नेता प्रतिपक्ष, लोकसभा के अलावा, कांग्रेस के मुख्यमंत्री, पूर्व मुख्यमंत्री, सांसद और अन्य महत्वपूर्ण चेहरे खडग़े के आवास पर जुटे थे। संभवत: वहीं रणनीति तय हुई और कांग्रेसी पैदल चल कर ही प्रधानमंत्री आवास की दहलीज तक पहुंच गए। दलील दी गई कि प्रधानमंत्री संसद में नहीं आ रहे हैं, लिहाजा हम उनसे मिलने आए हैं।

कुछ अलग

हल्ला मचाओ!

हल्ला मचाने वाले के बेर बिकते हैं। चीख जितनी तीखी होगी, असर उतना ही पुरजोर से होगा। वैसे भी जिधर देखो उधर शोर हो रहा है। ध्वनि प्रदूषण से न संसद बच पा रही और न राज्यों की विधानसभाएं। हल्ला मचाकर बात मनवाना हमारी नई कल्चर है। जो लोग चीख नहीं पाते, वे कमजोर और दब्बू हैं। हमारे राजनेता इस मामले में सबसे अग्रणी हैं। सारे ऐब व दोषी पाए जाने के बाद में भी इतना चीखते हैं कि उनके अपराध गंगाजल की तरह पवित्र हो जाते हैं। वे बेवकूफ थोड़े ही हैं, जो बेकार में चीखेंगे। हल्ला मचाकर वे किसी सरकार को गिरा सकते हैं अथवा अपनी बेसुरी चिल्ल-पों से किसी का इस्तीफा झटक लेते हैं। किसी की जांच करवानी हो तो हल्ला मचाओ, किसी विधेयक को पास नहीं करवाना हो तो हल्ला मचाओ, तिल का ताड़ बनाना हो तो हल्ला मचाओ, उनकी मनचाही न हो तो हल्ला मचाओ, संसद या विधानसभा की कार्यवाही ठप्प करनी हो तो हल्ला मचाओ, सत्तापक्ष को नहीं सुनना हो तो हल्ला मचाओ और खुद पर आंच गिर रही हो तो हल्ला मचाओ। कुल मिलाकर काम न तो करो न करने दो और खामख्वाह हल्ला मचाओ। चुनाव में जीत जाओ तो हल्ला मचाओ और हार जाओ तो हल्ला मचाओ। सरकार को एक काम करते एक महीना हो जाए तो हल्ला मचाओ, सरकार की विफलताओं को लेकर हल्ला मचाओ। उलटा-सीधा बयान मुंह से निकल जाए तो हल्ला मचाओ, महिला आरक्षण विधेयक में कमी हो तो हल्ला मचाओए गरीबों के लिए कोई योजना शुरू करो तो हल्ला मचाओ, अच्छा बजट बना हो तो हल्ला मचाओ, मंत्री नहीं बनाओ तो हल्ला मचाओ, मुख्यमंत्री बनते-बनते रह जाओ तो हल्ला मचाओ, मनपंसद जांच आयोग न हो तो हला मचाओ और जब तक रिपोर्ट नहीं आ जाए तब तक हल्ला मचाओ।

दृष्टि कोण

प्रदेश के स्कूलों में फिटनेस के लिए समय कब?

हिमाचल के डेढ़ सौ स्कूल सीबीएसई से संबद्धता तो ले चुके हैं, देर बाद ही सही स्टाफ भी मिल जाएगा, मगर क्या अब भी ड्रिल के पीरियड में खेल मैदान में व्यायाम व खेल न होकर कक्षा के कमरे में नैतिक शिक्षा पढ़ाकर खानापूर्ति की जाएगी? वर्षों से स्कूली स्तर पर फिटनेस कार्यक्रम शुरू करने की बात इस कॉलम के माध्यम से हो रही है तथा हमने भी व्यक्तिगत तौर पर प्रदेश के बड़े निजी स्कूलों के प्रबंधकों से भी कई बार बात की है, मगर हिमाचल प्रदेश का कोई भी सरकारी या निजी स्कूल अपने यहां फिटनेस कार्यक्रम लागू करने में सफल नहीं रहा है। कई बार नए शिक्षा सत्र शुरू होकर खत्म हो गए, मगर फिटनेस कार्यक्रम कहीं भी शुरू नहीं हो पाया है। पिछले वर्ष हिमाचल प्रदेश सरकार ने राज्य के विद्यालयों में विद्यार्थियों की सामान्य फिटनेस के लिए पहले की तरह अनिवार्य रूप से ड्रिल के पीरियड का प्रावधान किया है, मगर राज्य में फिटनेस संस्कृति के अभाव में धरातल पर कुछ भी सकारात्मक नजर नहीं आ रहा है। शिक्षा विभाग के स्कूलों में अब मैदान की जगह कक्षा के कमरे में खेल व व्यायाम की जगह नैतिक शिक्षा को पढ़ाया जा रहा है। शिक्षा का मतलब शरीर व मन दोनों का विकास करना है, तो शिक्षण विषयों के रिपोर्ट कार्ड की तरह स्वास्थ्य के मानकों का रिपोर्ट कार्ड भी प्रत्येक विद्यार्थी का हर स्कूल में अनिवार्य रूप से हो। क्योंकि भाषा व अन्य शिक्षण विषयों की तरह ही स्वास्थ्य के मूल स्तंभ स्पीड, सट्रेंथ, इडोरैंस व लचक आदि का प्रायोगिक प्रशिक्षण भी उसी उम्र में शुरू करना होता है। शिक्षण विषयों के लिए तो स्कूलों के पास शिक्षक सहित पूरा प्रबंध है, मगर स्वास्थ्य के घटकों को विकसित करके उनका मूल्यांकन करने की कोई भी सुविधा आज तक उपलब्ध नहीं हो पा रही है। इस विषय पर स्कूलों व अभिभावकों को कई बार चेताया जा चुका है, मगर कोई भी समझने के लिए तैयार नहीं है। किसी भी देश को इतनी क्षति युद्ध या महामारी से नहीं होती है जितनी तबाही नशे के कारण हो सकती है। आज जब देश के अन्य राज्यों सहित हिमाचल प्रदेश में भी नशा युवा वर्ग पर ही नहीं किशोरों तक चरस, अफीम,

स्मैक, नशीली दवाओं तथा दूरसंचार के माध्यमों के दुरुपयोग से शिकंजा कस रहा है, इसलिए सरकार, स्कूल प्रबंधन व अभिभावकों को इस विषय पर जरूरी कदम जल्दी ही उठा लेने चाहिएं। यदि विद्यार्थी किशोरावस्था में नशे से बच जाता है तो वह फिर युवावस्था आते आते समझदार हो गया होता है। माध्यमिक से वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों को विभिन्न विधाओं में व्यस्त रखने के साथ-साथ शारीरिक फिटनेस की तरफ मोडऩा बेहद जरूरी हो जाता है। मानव का सर्वांगीण विकास शिक्षा के बिना अधूरा है। शिक्षा की परिभाषा में साफ-साफ लिखा है कि यहां शारीरिक व मानसिक दोनों तरह से बराबर विद्यार्थियों का विकास करना है जिससे वे आगे चलकर जीवन को सफलतापूर्वक खुशहाल जी सकें। शारीरिक विकास के लिए खेलों के माध्यम से फिटनेस कार्यक्रम बहुत जरूरी हो जाता है। खेल ही वह माध्यम है जिसके द्वारा विद्यार्थी को नशे से दूर रखा जा सकता है। पिछले कुछ दशकों से हिमाचल प्रदेश के नागरिकों की फिटनेस में बहुत कमी आई है। इसका प्रमुख कारण है विद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों के लिए किसी भी प्रकार के फिटनेस कार्यक्रम का न होना। रट्टे वाली पढ़ाई की होड़ में हम विद्यार्थियों की फिटनेस को ही भूल गए हैं। हिमाचल प्रदेश की अधिकांश आबादी गांव में रहती थी। वहां पर सवेरे-शाम वर्षों पहले विद्यार्थी अपने अभिभावकों के साथ कृषि व अन्य घरेलू कार्यों में सहायता करता था। विद्यालय आने-जाने के लिए कई किलोमीटर दिन में पैदल चलता था।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सचिन सहित सबसे अधिक रन बनाने वाले पांच खिलाड़ी

मुम्बई

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ियों में पहले नंबर पर हैं। तेंदुलकर को संन्यास लिए एक दशक से भी अधिक समय जो गया है पर कोई भी खिलाड़ी उनके बनाये रनों के रिकार्ड के तोड़ नहीं पाया है। टेस्ट, एकदिवसीय और टी20 अंतरराष्ट्रीय तीनों प्रारूपों को मिलाकर, सचिन ने अपने 24 वर्ष के अद्वितीय करियर में कुल 34,357 रन बनाए हैं। वहीं दूसरे स्थान पर भारत के ही अनुभवी विराट कोहली हैं, इसके बाद श्रीलंका के पूर्व कप्तान कुमार संगकारा, आस्ट्रेलिया के दिग्गज रिकी पोंटिंग और श्रीलंका के ही माहेला जयवर्धने का नंबर आता है। इस सभी ने विश्वक्रिकेट में अपनी बल्लेबाजी का जलवा दिखाया है पर इसके बाद भी सचिन का रिकार्ड नहीं तोड़ पाये हैं। इनमें से अब केवल विराट ही सक्रिय क्रिकेट हैं जो एकदिवसीय प्रारुप में खेल रहे हैं। ऐसे में अब केवल विराट के पास ही उनके रिकार्ड को तोड़ने का अवसर है।

गौरतलब है कि तेंदुलकर ने साल 1989 से 2013 के बीच भारत के लिए कुल 664 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले। इनमें उन्होंने 782 पारियों में बल्लेबाजी करते हुए 74 बार नाबाद रहकर 48.52 की प्रभावशाली औसत से 34,357 रन बटोरे। उनका सर्वोच्च स्कोर नाबाद 248 रन रहा। उनके नाम 100 अंतरराष्ट्रीय शतक और 164 अर्धशतक दर्ज हैं, जो आज भी विश्व रिकार्ड हैं और उनकी अद्वितीय बल्लेबाजी क्षमता को दर्शाते हैं। अपने करियर में उन्होंने 50,000 से अधिक गेंदों का सामना किया और उनके चार हजार से ज्यादा चौके तथा 264 छक्के लगाये।

वहीं विराट दूसरे नंबर पर हैं। वह सचिन के रिकार्ड के सबसे करीब पहुंचे है। वर्ष 2008 से अब तक अपने शानदार करियर में कोहली ने 562 मैचों की 629 पारियों में 91 बार नाबाद रहते हुए 52.71 की असाधारण औसत से 28,359 रन बनाए हैं। उनका सर्वोच्च स्कोर नाबाद 254 रन है। विराट के नाम 85 शतक और 148 अर्धशतक दर्ज हैं। 79.73 के बेहतरीन स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करने वाले विराट को आधुनिक क्रिकेट के सबसे सफल और प्रभावशाली बल्लेबाजों में से एक माना जाता है, और उनके पास अभी भी सचिन के रिकार्ड को चुनौती देने का अवसर अवसर है।

तीसरे स्थान पर श्रीलंका के महान विकेटकीपर-बल्लेबाज कुमार संगकारा हैं, जिन्होंने 2000 से 2015 के बीच 594 मैचों की 666 पारियों में 46.77 की औसत से 28,016 रन बनाए। उनका सर्वोच्च स्कोर 319 रन रहा। संगकारा ने 63 शतक और 153 अर्धशतक लगाए हैं। आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान और दो बार के विश्व कप विजेता पोंटिंग इस सूची में चौथे स्थान पर हैं। उन्होंने 1995 से 2012 तक 560 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले और 668 पारियों में 45.95 की औसत से 27,483 रन बनाए। पोंटिंग ने अपने करियर में 71 शतक और 146 अर्धशतक लगाएहै। पांचवें स्थान पर श्रीलंका के एक और दिग्गज बल्लेबाज माहेला जयवर्धने हैं, जिन्होंने 1997 से 2015 तक 652 अंतरराष्ट्रीय मैचों की 725 पारियों में 40.81 की औसत से 25,957 रन बनाए।

न्यूज ब्रीफ

विश्वनाथन आनंद बने फिडे के अंतरिम अध्यक्ष, प्रतिबंधों के बाद अर्कादी द्वोर्कोविच ने छोड़ा पद

नई दिल्ली। भारत के दिग्गज शतरंज खिलाड़ी और पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद को अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) का अंतरिम अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। फिडे के अध्यक्ष अर्कादी द्वोर्कोविच के यूरोपीय संघ (ईयू) की प्रतिबंध सूची में शामिल होने के बाद उनके पद से हटने के फैसले के पश्चात आनंद ने यह जिम्मेदारी संभाली है। फिडे ने शुक्रवार को जारी बयान में बताया कि फिडे चार्टर के अनुच्छेद 19.2 के तहत उपाध्यक्ष विश्वनाथन आनंद अंतरिम अध्यक्ष के रूप में कार्य करेंगे। यह व्यवस्था तब तक लागू रहेगी, जब तक द्वोर्कोविच पर स्विट्जरलैंड और यूरोपीय संघ के लागू प्रतिबंध प्रभावी रहेंगे। फिडे के नए अध्यक्ष का चुनाव सितंबर में होना है। फिडे ने अपने बयान में कहा कि संगठन ने द्वोर्कोविच के निर्णय को स्वीकार कर लिया है और अध्यक्ष के रूप में उनके सभी अधिकार, कर्तव्य और विशेषाधिकार निलंबित कर दिए गए हैं। इसके साथ ही वे किसी भी रूप में फिडे या उसकी परिसंपत्तियों का संचालन या नियंत्रण नहीं कर सकेंगे। यूरोपीय संघ ने रूस-यूक्रेन युद्ध से जुड़े मामलों में अपने 21वें प्रतिबंध पैकेज के तहत द्वोर्कोविच सहित 48 व्यक्तियों और 170 संस्थाओं को प्रतिबंध सूची में शामिल किया है। यह पिछले चार वर्षों में यूरोपीय संघ का सबसे बड़ा प्रतिबंध पैकेज माना जा रहा है। रूस के पूर्व उप प्रधानमंत्री (2012-2018) रह चुके द्वोर्कोविच ने कहा कि वह यूरोपीय संघ के इस फैसले को सभी कानूनी माध्यमों से चुनौती देंगे। उन्होंने कहा कि उन्होंने स्वेच्छा से अपने दायित्वों को निलंबित किया है ताकि फिडे के कामकाज पर किसी तरह का असर न पड़े। द्वोर्कोविच ने कहा, मुझे फिडे परिषद पर पूरा भरोसा है। मुझे विश्वास है कि परिषद और प्रशासन सभी चुनौतियों का सामना करते हुए फिडे के टूर्नामेंटों, सामाजिक कार्यक्रमों और अन्य गतिविधियों को निर्बाध रूप से जारी रखेंगे।

बांदा के मोहम्मद अर्श ने राष्ट्रीय सीनियर बैडमिंटन प्रतियोगिता में जीता कांस्य पदक

बांदा। उत्तर प्रदेश के जनपद बांदा के होनहार बैडमिंटन खिलाड़ी मोहम्मद अर्श ने चेन्नई

(तमिलनाडु) में आयोजित योनैक्स-सनराइज अखिल भारतीय सीनियर रैंकिंग बैडमिंटन प्रतियोगिता-2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए सीनियर पुरुष युगल वर्ग में कांस्य पदक जीतकर जिले और उत्तर प्रदेश का नाम रोशन किया है। देशभर के शीर्ष खिलाड़ियों की मौजूदगी वाली इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में मोहम्मद अर्श ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल तक का सफर तय किया और कांस्य पदक अपने नाम किया। उनकी इस उपलब्धि से खेल जगत और पूरे जनपद में खुशी की लहर है। खिलाड़ियों, खेल प्रेमियों और जनपदवासियों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उवल भविष्य की कामना की है। मोहम्मद अर्श के पिता मो. अशफाक बांदा शहर के बलखंडी नाका क्षेत्र के निवासी हैं और फैशन टेलर का कार्य करते हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद अर्श ने कठिन परिश्रम, अनुशासन और समर्पण के दम पर राष्ट्रीय स्तर पर यह उल्लेखनीय सफलता हासिल की है।

ईसीबी ने 2027 एशेज सीरीज का कार्यक्रम जारी किया, 18 जून से ट्रेंट ब्रिज में शुरु होगी पुरुषों की टेस्ट सीरीज

लंदन। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने अगले साल 2027 में होने वाली एशेज सीरीज का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। जहां इंग्लैंड की पुरुष टीम अगले साल 18 जून से ट्रेंट ब्रिज में आस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने एशेज अभियान की शुरुआत करेगी। वहीं महिला टीम अपने अभियान की शुरुआत 24 जून से हेडिंग्ले में करेगी। पुरुषों की पांच टेस्ट मैचों की सीरीज 18 जून को ट्रेंट ब्रिज में शुरू होगी। इसके बाद उसे लार्ड्स, एजबेस्टन और यूटिलिटा बाउल (साउथेम्प्टन) में खेलना है। इस प्रतिष्ठित सीरीज का समापन 29 जुलाई का द ओवल में होगा। यह सीरीज 29 जुलाई से 2 अगस्त तक चलेगी। वहीं इंग्लैंड की महिला टीम अपने एशेज अभियान की शुरुआत 24 जून को हेडिंग्ले में एक टेस्ट मैच के साथ करेगी। यह 2001 के बाद लीड्स में आयोजित होने वाला पहला महिला एशेज टेस्ट होगा, जिससे ये मुकाबला और भी खास बन जाएगा।

भव्य उद्घाटन समारोह के साथ हुआ ग्लास्गो कामनवेल्थ गेम्स 2026 का आगाज

ग्लास्गो,

स्काटलैंड के ग्लास्गो स्थित हाइड्रो एरिना में गुरुवार रात रंगों, रोशनी, संगीत और सांस्कृतिक विरासत के अद्भुत संगम के बीच कामनवेल्थ गेम्स 2026 का भव्य शुभारंभ हुआ। पारंपरिक स्काटिश संस्कृति और आधुनिक तकनीक के शानदार मेल ने उद्घाटन समारोह को यादगार बना दिया। हजारों दर्शकों से खचाखच भरे स्टेडियम में कलाकारों की मनमोहक प्रस्तुतियों, आकर्षक दृश्य प्रभावों और खिलाड़ियों की शानदार परेड ने खेलों के महाकुंभ की बेहतरीन शुरुआत की।

समारोह की शुरुआत स्काटलैंड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करने के साथ हुई। देश के महानतम खिलाड़ियों में शुमार दिग्गज ट्रैक साइकिलिस्ट सर क्रिस होय और प्रसिद्ध अभिनेता ग्रेग मैकह्यू लोकप्रिय ब्रिटिश विज्ञान-कथा श्रृंखला डाक्टर हू के मशहूर टार्डिस बाक्स के माध्यम से मंच पर पहुंचे। इस दौरान किंग चार्ल्स और क्वीन कैमिला की मौजूदगी ने समारोह की गरिमा को और बढ़ा दिया। टार्डिस को इस बार स्काटलैंड की कहानी और विरासत को दुनिया तक पहुंचाने के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया गया।

इसके बाद संगीत, नृत्य और आधुनिक तकनीक का ऐसा संगम देखने को मिला जिसने पूरे एरिना को मंत्रमुग्ध कर दिया। स्काटिश इलेक्ट्रानिक फोक संगीतकारों वाल्टोस की धुनों पर तैयार विशेष साउंडट्रैक के बीच 74 राष्ट्रमंडल खेल संघों के खिलाड़ी एक-एक कर एरिना में प्रवेश करते गए। एलईडी स्क्रीन पर हर दल का परिचय दिया गया, जबकि स्काटलैंड की प्राकृतिक वनस्पतियों से प्रेरित रंग-बिरंगे एनिमेशन के जरिए राष्ट्रमंडल बैटन को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया।

मेजबान स्काटलैंड का दल सबसे आखिर में मैदान में उतरा और घरेलू दर्शकों ने जोरदार तालियों और नारों के साथ उसका स्वागत किया। खिलाड़ियों की परेड ने पूरे समारोह का सबसे भावुक और आकर्षक पल पेश किया, जहां खेल भावना, एकता और राष्ट्रमंडल परिवार की विविधता साफ दिखाई दी।

उद्घाटन समारोह में स्काटलैंड की लोककथाओं और इतिहास को भी आधुनिक अंदाज में मंच पर उतारा गया। प्रसिद्ध लोच नेस मान्स्टर की कहानी से लेकर ग्लास्गो की पहचान मानी जाने वाली वायस आफ टाइम घड़ी तक, हर प्रस्तुति ने दर्शकों को स्काटलैंड की सांस्कृतिक यात्रा से रूबरू कराया। गायक नाथन इवांस के जोशीले प्रदर्शन, ग्लास्गो सेंट्रल स्टेशन पर आधारित रंगारंग नृत्य और शहर के जहाज निर्माण, वस्त्र उद्योग, रेल इंजन तथा भाप इंजनों की ऐतिहासिक विरासत को भी शानदार अंदाज में प्रस्तुत किया गया। प्रसिद्ध गायक कैलम बीटी ने लोकप्रिय गीत यस सर, आई कैन बूगी की प्रस्तुति देकर दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया, जबकि गायिका नीना नेसबिट ने वर्ष 1988 के चर्चित स्काटिश गीत आई एम गोना बी (500 माइल्स) को अपनी भावपूर्ण आवाज में प्रस्तुत कर पूरे माहौल को भावुक बना दिया। समारोह के दौरान कामनवेल्थ स्पोर्ट के अध्यक्ष डोनाल्ड रुकारे और ग्लास्गो 2026 के चेयरमैन जार्ज ब्लैक ने कहा कि राष्ट्रमंडल खेल केवल खिलाड़ियों के नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लोगों के खेल हैं और इनका उद्देश्य खेलों के माध्यम से देशों और संस्कृतियों को एक सूत्र में बांधना है। अंत में किंग चार्ल्स ने आधिकारिक रूप से कामनवेल्थ गेम्स 2026 के उद्घाटन की घोषणा की। इसके साथ ही 23 जुलाई से 2 अगस्त तक चलने वाले इस बहु-खेल आयोजन का औपचारिक आगाज हो गया, जिसमें राष्ट्रमंडल के देशों के हजारों खिलाड़ी पदकों के लिए अपनी चुनौती पेश करेंगे।

अर्जेंटीना के अनुभवी डिफेंडर निकोलस ओटामेंडी ने अंतरराष्ट्रीय फुटबाल को कहा अलविदा

ब्यूनस आयर्स

अर्जेंटीना के अनुभवी डिफेंडर निकोलस ओटामेंडी ने गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय फुटबाल से संन्यास की घोषणा कर दी। इसके साथ ही 38 वर्षीय खिलाड़ी के 17 साल लंबे शानदार अंतरराष्ट्रीय करियर का अंत हो गया। इस दौरान उन्होंने अर्जेंटीना को 2022 फीफा विश्व कप और दो कोपा अमेरिका खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई।

ओटामेंडी ने अर्जेंटीना के लिए 139 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले और चार फीफा विश्व कप में देश का प्रतिनिधित्व किया। वह हाल ही में अमेरिका में आयोजित फीफा विश्व कप 2026 में उपविजेता रही अर्जेंटीना टीम का भी हिस्सा थे। फाइनल में अर्जेंटीना को स्पेन के हाथों अतिरिक्त समय में 1-0 से हार का सामना करना पड़ा था।

संन्यास की घोषणा करते हुए ओटामेंडी ने इंस्टाग्राम पर भावुक संदेश साझा किया। उन्होंने लिखा, मुझे अपने करियर के सबसे कठिन शब्द लिखने पड़ रहे हैं। किस्मत ने ऐसा लिखा कि मेरा आखिरी मैच विश्व कप फाइनल रहा। परिणाम हमारी उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा, लेकिन मैं गर्व के साथ विदा ले रहा हूं क्योंकि इस टीम ने आखिरी सेकंड तक अपना सर्वश्रेष्ठ दिया। अर्जेंटीना, मुझे विश्व चैंपियन बनने का सपना पूरा करने का अवसर देने के लिए धन्यवाद।

हाल ही में ओटामेंडी ने यूरोप में 16 साल का सफल करियर समाप्त करने के बाद अर्जेंटीना के दिग्गज क्लब रिवर प्लेट से जुड़ने का फैसला किया। यूरोप में उन्होंने पोर्टो, वेलेंसिया, मैनचेस्टर सिटी और बेनफिका जैसे बड़े क्लबों का प्रतिनिधित्व किया और कई यादगार सफलताएं हासिल कीं।

अपने मजबूत रक्षात्मक खेल, नेतृत्व क्षमता और जुझारू अंदाज के लिए पहचाने जाने वाले ओटामेंडी को अर्जेंटीना फुटबाल के सबसे सफल डिफेंडरों में गिना जाता है। उनके संन्यास के साथ अर्जेंटीना फुटबाल के एक स्वर्णिम अध्याय का भी समापन हो गया।

इंग्लैंड में घरेलू वनडे क्रिकेट में होगा स्टोक्स और कुलदीप का मुकाबला

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स ने एक दशक से अधिक समय के बाद घरेलू वनडे क्रिकेट में धमाकेदार वापसी करते हुए डरहम की ओर से नाबाद शतक लगाकर दिखाया है कि वह अभी भी एक मैच विजेता खिलाड़ी हैं। वहीं अब क्रिकेट प्रेमियों की नजरें 31 जुलाई पर टिकी हैं, जब क्लिफ्टन पार्क ग्राउंड, यार्क में डरहम का सामना यार्कशायर से होगा। यह मुकाबला सिर्फ दो काउंटी टीमों के बीच की भिड़ंत नहीं होगी, बल्कि इसमें स्टोक्स का सामना भारतीय चाइनामैन स्पिनर कुलदीप यादव से होगा। कुलदीप यादव के लिए यह टूर्नामेंट विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई एकदिवसीय सीरीज में उन्हें भारतीय टीम में शामिल होने के बावजूद एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला था, जिस पर कई क्रिकेट विशेषज्ञों और प्रशंसकों ने सवाल उठाए थे। उनकी गैरमौजूदगी को लेकर काफी आलोचना भी हुई थी, क्योंकि वे अपनी फिरकी से मैच का रुख पलटने की क्षमता रखते हैं। ऐसे में, वन-डे कप कुलदीप के लिए अपनी लय वापस पाने, अपनी गेंदबाजी का जौहर दिखाने और चयनकर्ताओं को यह याद दिलाने का एक सुनहरा मौका होगा कि वह सीमित ओवरों के क्रिकेट में कितने प्रभावी हो सकते हैं। वह निश्चित रूप से यार्कशायर के लिए खेलते हुए अपनी छाप छोड़ना चाहेंगे और आगामी अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों के लिए अपनी दावेदारी मजबूत करेंगे।

एफआईएच यूथ हाकी5एस एशियाई चैंपियनशिप : भारतीय पुरुष और महिला टीमों का विजयी अभियान जारी

मस्कट (ओमान)

एफआईएच यूथ हाकी5एस एशियाई चैंपियनशिप 2026 में भारतीय सब-जूनियर महिला और पुरुष टीमों का शानदार प्रदर्शन लगातार जारी है। गुरुवार को खेले गए एलीट पूल के मुकाबलों में भारतीय महिला टीम ने कजाकिस्तान को 10-0 से रौंद दिया, जबकि पुरुष टीम ने बांग्लादेश को 8-3 से हराकर लगातार जीत का सिलसिला बरकरार रखा।

महिला वर्ग में भारत ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। नौशीन नाज़ ने मुकाबले के पहले ही मिनट में लगातार दो गोल दागकर भारत को 2-0 की बढ़त दिला दी। पहले हाफ तक भारतीय टीम इसी बढ़त के साथ आगे रही, लेकिन दूसरे हाफ में उसने खेल की रफ्तार और तेज करते हुए आठ और गोल दागकर कजाकिस्तान को पूरी तरह मुकाबले से बाहर कर दिया।

प्लेयर आफ द मैच संदीपा कुमारी ने 11वें, 16वें और 18वें मिनट में गोल कर हैट्रिक पूरी की। नौशीन नाज़ ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए 1वें, 1वें, 15वें और 20वें मिनट में चार गोल दागे। इसके अलावा किरण एक्का (15वें), नीलम टोपनो (17वें) और पुष्पा मांझी (19वें मिनट) ने भी गोल कर भारत की एकतरफा जीत सुनिश्चित की।

पुरुष वर्ग में भारत और बांग्लादेश के बीच पहले हाफ में कांटे की टक्कर देखने को मिली। भारतीय कप्तान और प्लेयर आफ द मैच केतन कुशवाहा ने चौथे और आठवें मिनट में दो गोल किए, जबकि शाहरुख अली ने तीसरे मिनट में एक गोल कर भारत को 3-2 की बढ़त दिलाई। बांग्लादेश के लिए मोहम्मद होसेन (6वें) और सोहराब सोटोन (8वें मिनट) ने गोल कर मुकाबला रोमांचक बनाए रखा। दूसरे हाफ में भारतीय टीम पूरी तरह हावी रही। केतन कुशवाहा ने 12वें और 15वें मिनट में दो और गोल कर अपनी चार गोल की उपलब्धि पूरी की। वहीं रोमित पाल (13वें), प्रहलाद राजभर (14वें) और राहुल यादव (18वें मिनट) ने भी एक-एक गोल किया। बांग्लादेश की ओर से सोहराब सोटोन ने 11वें मिनट में अपना दूसरा गोल किया, लेकिन टीम को हार से नहीं बचा सके।

श्रेयस अय्यर शुरुआती 8 मैचों में लगातार टास जीतने वाले विश्व के पहले कप्तान बने

हरारे

भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने जिम्बाब्वे के खिलाफ यहां पहले ही मैच में एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। इस मैच में टास जीतते ही श्रेयस शुरुआती आठ मैचों में में टास जीतने वाले पहले भारत और विश्व क्रिकेट के पहले कप्तान बन गये हैं। किसी अन्य कप्तान के नाम ये रिकार्ड नहीं है।

इस अनूठी उपलब्धि के साथ ही उन्होंने बहामास के ग्रेगरी टेलर का रिकार्ड भी तोड़ दिया। इससे पहले टेलर ने बतौर कप्तान अपने शुरुआती टी20 मैचों में टास जीते थे।

गौरतलब है कि सूर्यकुमार यादव की जगह टी20 टीम की कप्तानी संभालने के बाद से ही श्रेयस अय्यर का अब तक का सफर मैच परिणाम की नजर से भले ही अच्छा नहीं रहा है पर टास हमेशा उन्होंने ही जीता है। इसकी शुरुआत आयरलैंड दौरे से हुई थी, जहां बेलफास्ट में उन्होंने दो बार टास जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। इसके

बाद भारतीय टीम इंग्लैंड के कड़े दौरे पर पहुंची, जहां इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रुक के खिलाफ भी श्रेयस ने ही टास जीते। चेस्टर-ले-स्ट्रीट, मैनचेस्टर, नाटिंघम, ब्रिस्टल और साउथैम्पटन में लगातार पांचों मैचों में टास जीतकर श्रेयस ने सीरीज अपने नाम की।

श्रेयस अय्यर की यह उपलब्धि सिर्फ टी20 फार्मेट तक ही सीमित नहीं रही, बल्कि उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट (टेस्ट, एकदिवसीय और टी20 मिलाकर) के 88 साल पुराने एक ऐतिहासिक रिकार्ड की बराबरी भी कर ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बतौर कप्तान अपने डेब्यू के बाद से लगातार सबसे ज्यादा टास जीतने के मामले में अय्यर अब इंग्लैंड के महान खिलाड़ी वाली हैमंड की बराबर पर आ खड़े हुए हैं, जिन्होंने 1938 में बतौर कप्तान अपने शुरुआती 8 अंतरराष्ट्रीय मैचों में टास जीते थे। इस सूची में श्रेयस और वाली हैमंड के बाद बहामास के ग्रेगरी टेलर (7 टास) और पाकिस्तान के शादाब खान (5 टास) का नंबर आता है।

वहीं भारत की बात की जाये तो टी20 प्रारुप में लगातार सबसे ज्यादा टास जीतने का रिकार्ड अब तक पूर्व दिग्गज कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के नाम दर्ज था, जिन्होंने मई 2010 से फरवरी 2012 के बीच बतौर भारतीय टी20 कप्तान लगातार 7 टास जीते थे। जिम्बाब्वे के खिलाफ आठवां टास जीतते ही श्रेयस ने धोनी के इस 14 साल पुराने रिकार्ड को तोड़ दिया और भारत के सबसे सफल टास-विजेता कप्तान बन गए। अब उनकी नजर पूर्ण सदस्य देशों के टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लगातार सबसे ज्यादा टास जीतने के विश्व रिकार्ड पर है। ये रिकार्ड अभी वेस्टइंडीज के दो बार के टी20 विश्व कप विजेता कप्तान डैरेन सैमी के नाम है, जिन्होंने लगातार 10 टास जीते थे।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

अग्रवाल समाज चेक कॉलोनी, सनातनगर ने मनाई सावन की सैर

हैदराबाद, 24 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज, तेलंगाना की चेक कॉलोनी, सनातनगर इकाई की महिला एवं पुरुष शाखा द्वारा संयुक्त रूप से 12 जुलाई 2026 को ड्रीम वैली रिसॉर्ट में 'सावन की सैर' कार्यक्रम का भव्य एवं उत्साहपूर्ण आयोजन किया गया। मानसून की हरियाली और प्राकृतिक वातावरण के बीच आयोजित इस कार्यक्रम में समाज के सदस्यों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लेते हुए पारिवारिक मिलन और मनोरंजन का भरपूर आनंद लिया। रिसॉर्ट के मनमोहक वातावरण में आयोजित इस कार्यक्रम में लगभग 60 से 70 सदस्यों ने भाग लिया। आयोजन को रोचक बनाने के लिए सारा काशी, हाइड एंड सीक तथा तंबोला सहित कई मनोरंजक खेल आयोजित किए गए। प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक इन प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया, जबकि विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में अग्रवाल समाज के अनेक पदाधिकारियों एवं वरिष्ठ सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर पुरुष शाखा के अध्यक्ष जगदीश तायल, महिला शाखा की अध्यक्षा रजनी अग्रवाल, पवन गोयल, सुरेश दुवालिया, नरेश बंसल, आनंद अग्रवाल तथा अमित बंसल सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे और सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित सदस्यों ने कहा कि सावन की सैर जैसे पारिवारिक और सांस्कृतिक आयोजन समाज में आपसी प्रेम, सौहार्द, समन्वय और एकजुटता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सभी ने इस सफल आयोजन के लिए आयोजकों की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम निरंतर आयोजित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

टीजीएससीपीसीआर सदस्य प्रेमलता अग्रवाल ने किया शिशुविहार और नीलोफर अस्पताल का दौरा

हैदराबाद, 24 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

तेलंगाना राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की सदस्य श्रीमती प्रेमलता अग्रवाल ने 23 जुलाई को हैदराबाद स्थित शिशुविहार का दौरा किया और वहां मौजूद सभी बच्चों के कुशलक्षेम की जानकारी ली। श्रीमती अग्रवाल ने विशेष रूप से उस नवजात बच्ची के स्वास्थ्य के बारे में पूछताछ की, जो बीते दिनों राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास आउटर रिंग रोड पर लावारिस हालत में मिली थी। बच्ची पूरी तरह स्वस्थ है और किसी भी प्रकार के संक्रमण से बचाव के लिए नीलोफर अस्पताल में उसकी सभी आवश्यक चिकित्सीय जांचें करा ली गई हैं। दौरे के दौरान उन्होंने शिशुविहार के कर्मचारियों से विस्तार से बात की। उन्होंने संस्थान के दैनिक कामकाज, त्यागे गए बच्चों के प्रवेश, देखरेख की व्यवस्था और गोद लेने (एडॉप्शन) की पूरी कानूनी प्रक्रिया की गहन समीक्षा की। इसके अलावा, आयोग की सदस्य श्रीमती प्रेमलता अग्रवाल ने नीलोफर अस्पताल का दौरा कर कामारेड्डी जिले के बीरकुर में खेतों में घायल अवस्था में फेंकी गई बच्ची के इलाज की स्थिति का जायजा लिया। वहां के मेडिकल स्टाफ से बातचीत के बाद उन्होंने बताया कि बच्ची अब खतरे से बाहर है, तेजी से ठीक हो रही है और उसकी स्थिति स्थिर है।

21 दिन में फैसला: रेपिस्ट मामा को उम्रकैद

मुजफ्फरनगर, 24 जुलाई (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जनपद की विशेष पोक्सो अदालत ने डेढ़ साल की मासूम बच्ची के साथ हुई दरिंदगी के मामले में ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। अदालत ने दोषी को शेष जीवनकाल तक के लिए आजीवन कारावास और 2 लाख रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है।

इस फैसले की सबसे बड़ी खासियत यह रही कि अदालत ने आरोप तय होने के महज 21 दिन के भीतर सुनवाई पूरी कर फैसला सुनाया और त्वरित न्याय की एक अनूठी मिसाल पेश की। अदालत के इस फैसले में पुलिस की गुणवत्तापूर्ण विवेचना, वैज्ञानिक साक्ष्य, फोरेंसिक रिपोर्ट और अभियोजन पक्ष की प्रभावी पैरवी की मुख्य भूमिका रही।

यह घटना 12 मार्च 2026 की है। खतौली थाना क्षेत्र में अपनी मां के साथ मायके आई डेढ़ साल की मासूम बच्ची को रिश्ते में मामा लगने वाले टिंकू उर्फ पिंकू ने बिस्कुट दिलाने का झांसा दिया और उसे अपने साथ ले गया। आरोप है कि इसके बाद उसने मासूम के साथ हैवानियत की।

जब बच्ची रोते हुए वापस घर पहुंची, तो उसके कपड़े खून से सने हुए थे। इसके बाद पीड़िता की मां ने तत्काल थाना खतौली में नामजद मुकदमा दर्ज कराया।

शिकायत मिलते ही खतौली पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की और उसी दिन आरोपी टिंकू उर्फ पिंकू को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा के निर्देशन में एसपी क्राइम इंदु सिद्धार्थ, मॉनिटरिंग सेल और खतौली पुलिस ने मामले की लगातार निगरानी की।

पुलिस ने वैज्ञानिक साक्ष्य, फोरेंसिक रिपोर्ट और अन्य मजबूत सबूत जुटाकर समय पर अदालत में चार्जशीट दाखिल की।सरकारी अधिवक्ता राजीव शर्मा ने बताया कि आरोपी पीड़िता की मां के ताऊ का बेटा था। विशेष झजउडज पोक्सो कोर्ट के न्यायाधीश मनोज कुमार सिद्धु ने मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए तेजी से सुनवाई की। अदालत ने 3 जुलाई 2026 को आरोप तय किए थे और कुल 7 गवाहों के बयान दर्ज करने के बाद महज 21 दिन में फैसला सुना दिया।न्यायाधीश ने आरोपी को अपनी आखिरी सांस तक जेल में रहने (ताउम्र कैद) और 2 लाख रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई।फैसला सुनाते हुए अदालत ने इंटरनेट और सोशल मीडिया पर आसानी से उपलब्ध अश्लील सामग्री पर भी गहरी चिंता व्यक्त की। कोर्ट ने कहा कि तकनीकी माध्यमों से जिस प्रकार अश्लील सामग्री समाज तक पहुंच रही है, वह वर्तमान और भविष्य दोनों के लिए अत्यंत गंभीर चिंता का विषय है।अदालत ने टिप्पणी की कि यह घटना न केवल मानवता को शर्मसार करने वाली है, बल्कि समाज के गिरते मानवीय मूल्यों का भी प्रतिबिंब है। अभियोजन पक्ष की ओर से एडीजीसी प्रदीप कुमार बालियान और दिनेश कुमार शर्मा ने भी इस त्वरित न्याय की प्रक्रिया में प्रभावी पैरवी की।

धर्मेंद्र प्रधान की बर्खास्तगी की मांग को लेकर कांग्रेस का सत्याग्रह

पटना/गयाजी, 24 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। नीट पेपर लीक व अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में धांधली को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग पर कांग्रेस ने गयाजी में सत्याग्रह किया।

स्थानीय चौक स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष जिला कांग्रेस अध्यक्ष रजनीश कुमार झुन्ना की अध्यक्षता में आयोजित सत्याग्रह में कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपति से मंत्री को बर्खास्त करने की मांग की।

वक्ताओं ने कहा कि मोदी सरकार के कार्यकाल में 150 से अधिक बार पेपर लीक हुए हैं, छात्रों का आक्रोश ज्वालामुखी बन गया है। ''छात्र-युवा नहीं झुकेगा, राहुल नहीं रुकेगा'' के नारों के साथ छात्रों पर दर्ज मुकदमे वापस लेने और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की गई।

इस मौके पर प्रदेश प्रतिनिधि विजय कुमार मिट्ठू, बाबूलाल प्रसाद सिंह, विद्या शर्मा, दामोदर गोस्वामी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। कांग्रेस ने 25 जुलाई को मंत्री का पुतला दहन करने का ऐलान किया।

मुंबई के अर्णव देशपांडे ने सफलतापूर्वक पूरा किया हिमाचल का हम्पता पास ट्रेक

मुंबई, 24 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

ट्राया कंपनी के एडिटर अर्णव विनोद देशपांडे ने हिमाचल प्रदेश की पीर पंजाल पर्वत श्रृंखला में स्थित प्रसिद्ध हम्पता पास ट्रेक सफलतापूर्वक पूरा किया है। यूथ हॉस्टेल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (वाईएचएआई) द्वारा आयोजित इस अभियान में देश भर से कुल 38 पर्वतारोही शामिल थे। यह पांच दिन का, 27 किलोमीटर लंबा ट्रेक मनाली के पास जोब्रा नाला से शुरू होकर हम्पता पास, शेया गोसु और छत्रु होते हुए पूरा किया गया। 14,065 फीट की ऊंचाई पर कड़ाके की ठंड, बारिश और

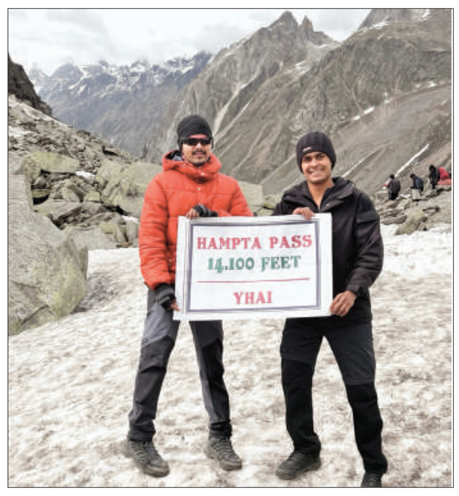

कठिन पहाड़ी रास्तों का सामना करते हुए यह ट्रेक संपन्न हुआ।

हम्पता पास कुल्लू घाटी को लाहौल के पथरीले प्रदेश से जोड़ता है और यह ट्रेक हरे-भरे पेड़, झरने, रंग-बिरंगे फूल और सुंदर चंद्रताल झील के लिए प्रसिद्ध है। जून से सितंबर तक का समय इस ट्रेक के लिए सबसे उपयुक्त माना जाता है। अर्णव और उनके साथी पर्वतारोही सामाजिक संदेश फैलाने के लिए महाराष्ट्र में भी बाइक यात्रा कर चुके हैं।

पाक में आत्मघाती हमला : 12 सैनिकों समेत 15 की मौत

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां): उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान में एक बार फिर बड़ा आतंकी हमला सामने आया है। पाकिस्तानी सेना ने शुक्रवार (24 जुलाई) को जानकारी दी कि इस्लामी आतंकवादियों ने विस्फोटकों से लदी एक गाड़ी को सुरक्षा चौकी की बाहरी दीवार से टकरा दिया। इस भीषण आत्मघाती हमले में 12 सैनिकों सहित कुल 15 लोगों की मौत हो गई।

रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, सेना ने दावा किया है कि सुरक्षा बलों की जवाबी कार्रवाई में 12 आतंकवादी भी मारे गए हैं।

सेना और पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से संचालित यह सुरक्षा चौकी अफगानिस्तान सीमा के पास स्थित टैंक जिले में बनाई गई थी। हमला गुरुवार और शुक्रवार की दरमियानी रात को हुआ। यह इलाका लंबे समय से चरमपंथी संगठनों का गढ़ माना जाता

है।पाकिस्तानी सेना के बयान के अनुसार, आतंकवादियों ने पहले चौकी में घुसने का प्रयास किया, लेकिन सुरक्षा बलों ने उनके इस प्रयास को विफल कर दिया। इसके बाद बौखलाए आतंकियों ने विस्फोटकों से भरी गाड़ी को चौकी की बाउंड्री वॉल से टकरा दिया। स्थानीय तालिबान गुट यानी तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने इस आत्मघाती हमले की जिम्मेदारी ली है। संगठन ने एक बयान जारी कर दावा किया कि इस ऑपरेशन में उनके चार सुसाइड बॉम्बर शामिल थे। उल्लेखनीय है कि टीटीपी वर्ष 2007 से ही पाकिस्तानी सरकार और सेना के खिलाफ हिंसक अभियान चला रहा है। इस संगठन का मुख्य उद्देश्य इस्लामी कानून (शरीयत) लागू करना और मौजूदा व्यवस्था को उखाड़ फेंकना है। पाकिस्तान लंबे समय से यह आरोप लगाता रहा है कि आतंकवादी अफगान सीमा के सुरक्षित ठिकानों का इस्तेमाल ट्रेनिंग और हमलों की योजना बनाने के लिए कर रहे हैं।

दूसरी ओर, अफ़गानिस्तान की तालिबान सरकार इन आरोपों को लगातार खारिज करती रही है। अफ़गान प्रशासन का कहना है कि उग्रवाद और आतंकवाद पाकिस्तान का पूरी तरह से आंतरिक मामला है, जिसके लिए वह खुद जिम्मेदार है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

प्रधान...

पीएम ने कहा कि देश के युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वाले अपराधियों को किसी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा और ऐसे मामलों की त्वरित सुनवाई के लिए विशेष फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाए जा रहे हैं।

नीट-यूजी 2026 परीक्षा में हुई धांधली के बाद पिछले दो-ढाई महीनों में कई बड़े प्रशासनिक बदलाव और कड़े कदम उठाए गए हैं,

जांच और सुरक्षा: मामले की उइख जांच जारी है, कई गिरफ्तारियां हुई हैं। री-नीट में पारदर्शिता के लिए टेलीग्राम ऐप पर प्रतिबंध लगाया गया और प्रश्नपत्रों के सुरक्षित परिवहन के लिए वायुसेना की मदद की बात कही गई।

सीबीएसई में बड़ा फेरबदल: आन स्क्रीन मार्किंग पोर्टल में गड़बड़ियों की शिकायतों के बाद सीबीएसई अध्यक्ष राहुल सिंह का तबादला कृषि मंत्रालय कर दिया गया और प्रशांत सीताराम लोकडे को नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया। सचिव हिमांशु गुप्ता का भी तबादला हुआ है। ब्यूरोक्रेट्स पर कार्रवाई: गुरुवार को शिक्षा सचिव नरेश पाल गंगवार का भी तबादला कर दिया गया है।

सरकार का साफ तर्क है कि शिक्षा मंत्री जिम्मेदारी से भाग नहीं सकते, बल्कि वे पूरे सिस्टम को फिर से दुरुस्त करने के काम में लगे हैं। दूसरी तरफ, विपक्ष संसद में लगातार हंगामा करते हुए मंत्री के इस्तीफे और पुलिस कार्रवाई पर सरकार से माफी की मांग पर अड़ा हुआ है।

थैंक यू ...

सहयोगियों को सोशल मीडिया, खासकर इंस्टाग्राम पर सक्रिय रहने की सलाह दी। सूत्रों के मुताबिक, पीएम मोदी ने बैठक में मंत्रियों से यह भी पूछा कि उनमें से कितने सहयोगी इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म का नियमित रूप से इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने कहा कि इंस्टाग्राम पर बड़ी संख्या में युवा मौजूद हैं, इसलिए सरकार को इन प्लेटफॉर्म्स के जरिए उनसे सीधे जुड़ने और संवाद को और बढ़ाने की सख्त जरूरत है।

एनटीए विवाद पर छात्रों को दिया भरोसा

इसी पहल के अगले दिन, गुरुवार रात 11:52 बजे पीएम मोदी ने एक सेल्फी वीडियो मैसेज पोस्ट किया था। इस वीडियो में उन्होंने सीधे छात्रों से बात करते हुए उन्हें भरोसा दिलाया कि एनटीए पेपर लीक विवाद के बीच सरकार पूरी तरह उनके साथ खड़ी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पेपर लीक कोई 'मामूली बात नहीं' है और इस तरह के अपराधों के खिलाफ बेहद कड़े कदम उठाए जाएंगे।

कड़े कानून और फास्ट-ट्रैक कोर्ट का प्रावधान

इस बीच, शुक्रवार को कैबिनेट बैठक में एक प्रस्तावित कानून पर भी विस्तृत चर्चा होनी है। इस नए कानून के तहत फास्ट-ट्रैक कोर्ट के गठन और परीक्षाओं में धांधली या गड़बड़ी करने वालों के खिलाफ कड़ी से कड़ी सजा देने का प्रावधान शामिल किया गया है।

सीजेपी कांग्रेस...

और इस पूरे घटनाक्रम में आम आदमी पार्टी की भूमिका क्या है? घटनाक्रम की शुरुआत 12 मई से हुई, जब नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने बिहार और गुजरात में हुई भारी अनियमितताओं के कारण नीट-यूजी 2026 परीक्षा रद्द कर दी। उसी दिन कांग्रेस की छात्र इकाई एनएसयूआई ने दिल्ली में प्रदर्शन शुरू किया। इसके बाद 13 मई को केसी वेणुगोपाल और 21 मई को राहुल गांधी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और सख्त कानून की मांग उठाई।

हालांकि, 14-15 मई के आसपास कांग्रेस, सपा और वामपंथी दलों ने अपनी रणनीति बदलते हुए बड़े जमीनी आंदोलनों के बजाय प्रेस बयानों और संसदीय चर्चा पर ध्यान केंद्रित किया। विपक्ष के इस ढीले रवैये से जो राजनीतिक शून्य पैदा हुआ, उसी में कॉकरोच जनता पार्टी की एंट्री हुई।

16 मई को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान प्रदर्शनकारी छात्रों पर की गई एक टिप्पणी से प्रेरित होकर अभिजीत दिपके ने व्यंग्यात्मक रूप में सीजेपी का गठन किया। इंस्टाग्राम से शुरू हुआ यह डिजिटल आंदोलन देखते ही देखते लाखों युवाओं से जुड़ गया। 6 जून को सीजेपी ने जंतर-मंतर पर पहला बड़ा धरना दिया। बाद में 28 जून से सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक भी अनशन पर बैठ गए, जिन्हें 18 जुलाई को स्वास्थ्य कारणों का हवाला देकर अस्पताल में भर्ती कराया गया (26 दिन बाद अब उनका अनशन समाप्त हो चुका है)।

20 जुलाई का संसद चलो मार्च और प्रेशर वाल्व थ्योरी

मॉनसून सत्र के पहले दिन 20 जुलाई को सीजेपी के हजारों समर्थकों ने बिना अनुमति संसद चलो मार्च निकाला। बीएनएसएस की धारा 163 लागू होने के कारण पुलिस के साथ हिंसक झड़पें हुईं, लाठीचार्ज हुआ और आंसू गैस के गोले छोड़े गए। इस हिंसा में 118 पुलिसकर्मी और करीब 60 प्रदर्शनकारी घायल हुए।

इसी मोड़ पर राजनीतिक विश्लेषकों की 'प्रेशर वाल्व थ्योरी' चर्चा में आई। विश्लेषकों के अनुसार, इस पूरे प्रकरण के तीन प्रमुख पहलू हैं:

1.मुद्दे का स्वरूप बदलना: सीजेपी की अगुवाई से यह लड़ाई कांग्रेस बनाम भाजपा के बजाय छात्र बनाम सिस्टम बन गई। इससे सरकार पर सीधा राजनीतिक हमला कमजोर पड़ गया।

2. नेतृत्व पर पकड़ ढीली होना: जब तक राहुल गांधी इस मुद्दे पर आक्रामक हुए, सीजेपी आंदोलन का मुख्य चेहरा बन चुकी थी, जिससे कांग्रेस नेतृत्व की भूमिका में दिखने के बजाय सिर्फ सहयोगी नजर आई।

3. विपक्षी एकजुटता में दरार: सीजेपी के मंच से आप जैसे दलों को कांग्रेस के खिलाफ हमलावर होने का मौका मिल गया, जिससे विपक्ष का साझा मंच विभाजित हो गया।

आप की दोहरी भूमिका और सीजेपी से जुड़े पुराने तार

इस आंदोलन में आम आदमी पार्टी (आप) की भूमिका काफी दिलचस्प रही। अरविंद केजरीवाल, संजय सिंह और सौरभ भारद्वाज जैसे शीर्ष नेता प्रदर्शनकारियों के समर्थन में जंतर-मंतर पहुंचे और पुलिस कार्रवाई की कड़े शब्दों में निंदा की। हालांकि, इसी दौरान सौरभ भारद्वाज ने कांग्रेस पर आंदोलन को निगलने (हाईजैक करने) का आरोप भी लगाया।

दूसरी ओर, सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दिपके 2020 से 2023 के बीच आप की सोशल मीडिया टीम के लिए काम कर चुके हैं और वरिष्ठ नेताओं से उनके व्यक्तिगत संबंध रहे हैं। इसी कारण कांग्रेस का आरोप है कि सीजेपी असल में आप का एक प्रॉक्सी डिजिटल विंग है, जिसका इस्तेमाल छात्रों के आंदोलन पर अपना राजनीतिक एकाधिकार स्थापित करने के लिए किया गया।

400 से...

वाले लोगों की पहचान हुई है, उनमें साहिल, यश, साहिल सैफी और रूबल जैसे नाम शामिल हैं। पुलिस अब इन सभी संदिग्धों की गतिविधियों और आवाजाही की गहनता से जांच कर रही है। जांच का मुख्य उद्देश्य यह पता लगाना है कि 20 जुलाई को नई दिल्ली जिले में हुई हिंसा, उपद्रव, तोड़फोड़ और सार्वजनिक संपत्ति को पहुंचाए गए नुकसान में इनकी क्या भूमिका थी।

सूत्रों का कहना है कि जांच एजेंसियों ने घटना के दिन की सीसीटीवी फुटेज, सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो और तस्वीरों के विश्लेषण के आधार पर भी कई उपद्रवियों को चिन्हित किया है।

फिलहाल पुलिस का पूरा ध्यान इस बात का पता लगाने पर केंद्रित है कि इन अपराधियों की प्रदर्शन स्थल पर मौजूदगी और हिंसा की घटनाओं के बीच कोई सीधा संबंध है या नहीं। पुलिस सभी तकनीकी और डिजिटल साक्ष्यों को जोड़कर कार्रवाई आगे बढ़ा रही है।

क्या है एफआरएस तकनीक और कैसे करती है काम?

दिल्ली पुलिस का फेशियल रिकॉग्निशन सिस्टम एक अत्याधुनिक एआई आधारित निगरानी तकनीक है। यह लाइव सर्विलांस कैमरों में कैद होने वाले चेहरों का मिलान सीधे पुलिस के केंद्रीय आपराधिक डेटाबेस से करता है।

दिल्ली पुलिस लंबे समय से बड़े सार्वजनिक आयोजनों, रैलियों और संवेदनशील कार्यक्रमों के दौरान वांछित व आदतन अपराधियों की पहचान करने के लिए इस तकनीक का इस्तेमाल करती आ रही है। इसी तकनीक की मदद से जंतर-मंतर पर मौजूद इन 400 से अधिक संदिग्धों का पर्दाफाश हुआ है।

10 साल जेल...

उन्होंने बताया कि फास्ट-ट्रैक कोर्ट की व्यवस्था और कड़े दंड संबंधी प्रस्ताव को कैबिनेट में लाया जाएगा तथा संसद के आगामी सप्ताह में इसे पारित कराने का प्रयास किया जाएगा।

क्या होंगे प्रमुख संशोधन

प्रस्तावित संशोधनों में कई महत्वपूर्ण प्रावधान शामिल किए गए हैं-

-पेपर लीक और संगठित परीक्षा धोखाधड़ी के मामलों की सुनवाई के लिए फास्ट-ट्रैक कोर्ट को अधिक अधिकार दिए जाएंगे।

-मौजूदा 3 से 5 वर्ष के कारावास की सीमा बढ़ाकर 5 से 10 वर्ष तक की जा सकेगी।

-अधिकतम जुर्माने की राशि 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 10 करोड़ रुपये तक की जा सकेगी।

-परीक्षा प्रणाली में संगठित धोखाधड़ी, पेपर लीक और उससे जुड़े नेटवर्क पर कड़ी कानूनी कार्रवाई का प्रावधान होगा। कैबिनेट की मंजूरी के बाद सरकार संशोधित विधेयक को संसद में पेश करेगी। संसद से पारित होने और राष्ट्रपति की स्वीकृति मिलने के बाद ये नए प्रावधान कानून का रूप ले सकेंगे।

एनटीए के 47 ...

जबकि 73 कर्मचारी अनुबंध (कॉन्ट्रैक्ट) के आधार पर नियुक्त हैं। शिक्षा मंत्रालय ने अपने लिखित उत्तर में बताया कि एनटीए का संचालन केवल स्थायी और संविदा कर्मियों तक सीमित नहीं है, बल्कि एजेंसी बड़े पैमाने पर आउटसोर्स स्टाफ और अल्पकालिक कर्मियों पर निर्भर रहती है। परीक्षाओं के आयोजन के समय राज्यों के प्रशासन, केंद्रीय विश्वविद्यालयों, नवोदय और केंद्रीय विद्यालयों के शिक्षकों व अधिकारियों की मदद ली जाती है। नीट पेपर लीक मामले को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) और विपक्ष द्वारा केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की लगातार मांग की जा रही है। हालांकि, सरकारी सूत्रों ने साफ संकेत दिए हैं कि सरकार इस मांग को स्वीकार नहीं करेगी।

सरकारी सूत्रों का कहना है कि इस्तीफा देकर जिम्मेदारी से पीछे हटना सबसे आसान रास्ता है। जनता ने सरकार को जनादेश दिया है और सरकार अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए पूरी व्यवस्था में सुधार करेगी। पूरी पार्टी और सरकार शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के साथ मजबूती से खड़ी है।

पुनर्गठन के तहत एनटीए ने निकाली नई भर्तियां

संस्थागत पुनर्गठन के तहत एनटीए ने बड़े पैमाने पर नई भर्ती प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। स्वायत्त संस्था एनटीए ने 4 वरिष्ठ जनरल मैनेजर के पदों के लिए विज्ञापन जारी किया है। इसके अलावा संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) के प्रतिभा सेतु पोर्टल के जरिए 16 यंग प्रोफेशनल्स के आवेदन भी आमंत्रित किए गए हैं।

यह भर्ती प्रक्रिया प्रो. के. राधाकृष्णन की अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों को लागू करने की दिशा में पहला बड़ा कदम मानी जा रही है।

आज तीसरा दौर...

में सुधार के 5 महत्वपूर्ण सुझाव रखे हैं। सरकार ने इन सभी बिंदुओं पर विचार करने के लिए कल तक का समय मांगा है। दोनों पक्षों के बीच अब तीसरे दौर की बातचीत शनिवार दोपहर 3:30 बजे होगी। सरकार ने सीजेपी के प्रवक्ताओं को कल दोपहर 3:30 बजे पुनः चर्चा के लिए बुलाया है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि यदि अगले 2-3 दिनों में शिक्षा मंत्री का इस्तीफा नहीं होता है, तो सीजेपी एक बार फिर 20 जुलाई जैसा विशाल मार्च आयोजित करने के लिए मजबूर होगी।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से मांगी सुधार रिपोर्ट

इस बीच, मामले की गंभीरता को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से पेपर लीक घटना के बाद से अब तक किए गए सुधारों की विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार को मामले में अब तक हुई जांच की प्रगति से भी अवगत कराने का निर्देश दिया है।

सुरक्षा के मद्देनजर 18 मेट्रो स्टेशन बंद, बॉम्बे हाईकोर्ट सख्त

प्रदर्शन और सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने अगले आदेश तक नई दिल्ली समेत राजधानी के 18 प्रमुख मेट्रो स्टेशनों को बंद करने के निर्देश जारी किए हैं।

दूसरी ओर, कानूनी कार्रवाई को तेज करते हुए बॉम्बे हाईकोर्ट ने पेपर लीक मामले की त्वरित जांच और सुनवाई के लिए नागपुर और औरंगाबाद में दो विशेष फास्ट-ट्रैक कोर्ट गठित करने का आदेश दिया है।

बांग्लादेश के...

उसके राजनीतिक हलकों में राष्ट्रपति की निष्ठा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए थे। बीएनपी सरकार ने इसे शेख हसीना के साथ साठगांठ मानते हुए राष्ट्रपति भवन तक पद छोड़ने का कड़ा संदेश भिजवाया था।

इस्तीफे की वजह पूछे जाने पर मोहम्मद शहाबुद्दीन ने सिर्फ इतना कहा कि वे स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे हैं और इस मुद्दे पर इससे ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहते।

1971 के मुक्ति संग्राम के सेनानी और निचली न्यायपालिका के पूर्व जज रहे शहाबुद्दीन ने 24 अप्रैल 2023 को बांग्लादेश के 22वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली थी। अगस्त 2024 में हुए तख्तापलट के बाद वे शेख हसीना सरकार के दौर के एकमात्र ऐसे हाई-प्रोफाइल व्यक्ति थे जो अपने पद पर बने हुए थे।

शेख हसीना की स्वदेश वापसी की घोषणा से बढ़ी हलचल

यह राजनीतिक घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब पूर्व पीएम शेख हसीना ने घोषणा की है कि वे दिसंबर 2026 में बांग्लादेश लौटेंगी। वर्तमान में बांग्लादेश में बीएनपी की सरकार है और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान देश के प्रधानमंत्री हैं।

शेख हसीना और तारिक रहमान के बीच दशकों पुरानी राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता को देखते हुए राष्ट्रपति के इस्तीफे को ढाका की भावी राजनीति के लिहाज से एक बड़ा मोड़ माना जा रहा है।

फूड सेफ्टी...

असुरक्षित माना जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि लंबे समय तक ऐसे तेल में बने खाद्य पदार्थों का सेवन हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, पाचन संबंधी विकार, लीवर की समस्याओं और शरीर में ऑक्सीडेटिव तनाव जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है।

सिंथेटिक रंग भी बढ़ा सकते हैं जोखिम

यदि प्रयोगशाला जांच में कृत्रिम रंगों का अवैध या निर्धारित सीमा से अधिक उपयोग सिद्ध होता है तो यह भी चिंता का विषय होगा। खाद्य विशेषज्ञों के अनुसार निम्न गुणवत्ता वाले कृत्रिम रंग एलर्जी, त्वचा संबंधी समस्याओं, बच्चों में व्यवहार संबंधी प्रभाव तथा लंबे समय में अन्य स्वास्थ्य जोखिम पैदा कर सकते हैं। इसी कारण एफएसएसएआई केवल अनुमोदित रंगों और निर्धारित मात्रा के उपयोग की अनुमति देता है।

हैदराबाद में लगातार तेज हो रही निगरानी

पिछले कुछ महीनों में हैदराबाद में फूड सेफ्टी विभाग ने मिठाई की दुकानों, बेकरी, रेस्टोरेंट, होटल, नमकीन निर्माण इकाइयों और स्ट्रीट फूड प्रतिष्ठानों पर लगातार निरीक्षण अभियान चलाया है। कई स्थानों पर दोबारा इस्तेमाल किया गया तेल, एक्सपायरी सामग्री, खराब स्वच्छता, बिना लेबल के कच्चा माल तथा लाइसेंस संबंधी अनियमितताएं सामने आई हैं। विभाग का कहना है कि उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

प्रयोगशाला रिपोर्ट होगी सबसे बड़ा आधार

फूड सेफ्टी अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जब्त किए गए सेव और खाद्य तेल के नमूनों की वैज्ञानिक जांच की जाएगी। यदि जांच में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के प्रावधानों का उल्लंघन सिद्ध होता है, तो संबंधित प्रतिष्ठान के खिलाफ जुर्माना, लाइसेंस निलंबन अथवा अन्य कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। इसलिए इस मामले में अंतिम निष्कर्ष प्रयोगशाला रिपोर्ट आने के बाद ही सामने आएगा।

उपभोक्ताओं के लिए क्या है संदेश

विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि उपभोक्ता पैक्ड या खुले खाद्य पदार्थ खरीदते समय प्रतिष्ठान की स्वच्छता, लाइसेंस, निर्माण तिथि और गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें। अत्यधिक गहरे रंग, तेज गंध, बार-बार गर्म किए गए तेल में तले गए खाद्य पदार्थों तथा संदिग्ध गुणवत्ता वाले नमकीन से बचना बेहतर है। यदि किसी खाद्य पदार्थ की गुणवत्ता संदिग्ध लगे तो उसकी शिकायत फूड सेफ्टी विभाग के शिकायत पोर्टल पर की जा सकती है।

बढ़ती कार्रवाई का स्पष्ट संदेश

कर्मनघाट की यह कार्रवाई केवल एक प्रतिष्ठान तक सीमित मामला नहीं है, बल्कि यह संकेत है कि खाद्य सुरक्षा मानकों के उल्लंघन पर विभाग अब पहले की तुलना में अधिक सक्रिय और सख्त रुख अपना रहा है। आने वाले दिनों में ऐसे और निरीक्षण होने की संभावना है, जिससे उपभोक्ताओं को सुरक्षित और मानक गुणवत्ता वाला खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराया जा सके।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शनिवार, 25 जुलाई, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

अग्रवाल समाज का भव्य छात्रवृत्ति वितरण समारोह आज

मेधावी एवं जरूरतमंद विद्यार्थियों को मिलेंगे छात्रवृत्ति चेक

वरिष्ठ आईएएस अधिकारी संदीप कुमार सुल्तानिया और सतीश चंद्र करेंगे वितरण

विधवा पेंशन व श्रीशैलम तीर्थयात्रा योजना की भी होगी घोषणा

हैदराबाद, 24 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
शिक्षा के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाने और सामाजिक कल्याण के अपने संकल्प को आगे बढ़ाते हुए अग्रवाल समाज, तेलंगाना की ओर से शनिवार, 25 जुलाई 2026 को सायं 6:30 बजे क्लासिक गार्डन, बालमराय, सिकंदराबाद में भव्य छात्रवृत्ति वितरण समारोह आयोजित किया जाएगा। इस समारोह में समाज के सैकड़ो मेधावी एवं आर्थिक रूप से जरूरतमंद स्कूली एवं महाविद्यालयीन विद्यार्थियों को उनकी उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति चेक प्रदान किए जाएंगे।

कार्यक्रम का शुभारंभ आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी श्री संविदानंद सरस्वती जी महाराज (कैलाश मठ, नासिक) के करकमलों से दीप प्रज्व्वलन के साथ होगा।

समारोह में तेलंगाना सरकार के वित्त विभाग के प्रमुख सचिव श्री संदीप कुमार सुल्तानिया (आईएएस) तथा जम्मू-कश्मीर रेरा (रेरा) के अध्यक्ष श्री सतीश चंद्र (आईएएस) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे और विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति चेक वितरित करेंगे। उल्लेखनीय है कि दोनों वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी अग्रवाल समाज, तेलंगाना के सलाहकार भी हैं।

दानदाताओं के हाथों मिलेगा विद्यार्थियों को प्रोत्साहन

समारोह में समाज के भामाशाह (दानदाता) एवं छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राएं मंच पर उपस्थित रहेंगे। दानदाताओं के हाथों विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति चेक प्रदान किए जाएंगे, जिससे उन्हें अपनी शिक्षा जारी रखने में आर्थिक सहयोग प्राप्त होगा।

आर्थिक अभाव किसी भी विद्यार्थी के सपनों में बाधा नहीं बने

अग्रवाल समाज, तेलंगाना के कार्यकारी अध्यक्ष श्री नरेंद्र कुमार गोयल ने कहा कि शिक्षा सामाजिक परिवर्तन का सबसे प्रभावी माध्यम है। प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान कर अग्रवाल समाज तेलंगाना भविष्य के कर्णधारों को आगे बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता को पुनः सुदृढ़ कर रहा है। हमारा उद्देश्य है कि आर्थिक तंगी किसी भी बच्चे के सपनों और शिक्षा में बाधा न बने।

दो नई कल्याणकारी योजनाओं की भी होगी घोषणा

शिक्षा के क्षेत्र में योगदान के साथ-साथ अग्रवाल समाज, तेलंगाना इस अवसर पर दो महत्वपूर्ण सामाजिक कल्याणकारी योजनाओं की भी घोषणा करेगा।

विधवा पेंशन योजना – समाज की विधवा महिलाओं को आर्थिक सुरक्षा एवं सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विशेष पेंशन योजना प्रारंभ की जाएगी।

श्रीशैलम निःशुल्क तीर्थयात्रा योजना – अग्रवाल समाज के श्रद्धालुओं के लिए श्रीशैलम धाम की प्रायोजित (निःशुल्क) तीर्थयात्रा का आयोजन किया जाएगा।

सामाजिक सेवा के लिए समर्पित अग्रणी संस्था

अग्रवाल समाज, तेलंगाना राज्यभर में सामुदायिक सेवा, शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक उत्थान एवं जनकल्याण के विविध क्षेत्रों में निरंतर कार्यरत एक अग्रणी सामाजिक-सांस्कृतिक संस्था है। छात्रवृत्ति वितरण जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से संस्था वर्षों से आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के भविष्य को संवारने का कार्य कर रही है। इस आयोजन को समाज के सबसे महत्वपूर्ण वार्षिक कार्यक्रमों में से एक माना जा रहा है।

हाईलाइफ ज्वेल्स प्रदर्शनी का भव्य शुभारंभ

हैदराबाद, 24 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
चमक-दमक, झिलमिलाहट और जगमगाहट! देश के सबसे प्रीमियम आभूषण प्रदर्शनी हाईलाइफ ज्वेल्स की भव्यता का अनुभव करें, जहाँ देश के शीर्ष आभूषण ब्रांड्स एक ही छत के नीचे एकत्रित हुए हैं। हैदराबाद में 26 जुलाई, 2026 तक एचआईसीसी नोवोटेल हायटेक सिटी में आयोजित हो रही अपनी तरह की सबसे बड़ी और बेहद प्रीमियम प्रदर्शनी हाईलाइफ ज्वेल्स में प्रदर्शित उत्कृष्ट और शानदार आभूषण कृतियों को देखकर आश्चर्यचकित रह जाएँ।

शुक्रवार को एचआईसीसी-नोवोटेल, हाईटेक सिटी, हैदराबाद में हाईलाइफ ज्वेल्स प्रदर्शनी के भव्य शुभारंभ के अवसर पर मुख्य आयोजक एबी डोमिनिक के साथ अभिनेत्री कुशित, कई हस्तियाँ, आभूषण प्रेमी और उत्साही लोग मौजूद रहे। एक आभूषण प्रेमी के रूप में, आप इस अनूठे आयोजन को मिस नहीं करना चाहेंगे जो आभूषण उद्योग में सर्वश्रेष्ठ में से सर्वश्रेष्ठ का प्रदर्शन करता है। पधारें और हाइलाइफ़ ज्वेल्स की भव्यता के साक्षी बनें!

इस प्रदर्शनी में बारीक कारीगरी से बने सोने के आभूषण, हीरे के आभूषण, टेम्पल ज्वेलरी, फ़्यूज़न ज्वेलरी, प्लेटिनम ज्वेलरी, वेडिंग ज्वेलरी, पोलकी ज्वेलरी और बहुत कुछ प्रदर्शित किया जा रहा है।

हाईलाइफ ज्वेल्स में पूरे भारत से 150 से अधिक आभूषण ब्रांड्स, प्रसिद्ध आभूषण डिज़ाइनर और जौहरी अपने उत्कृष्ट आभूषणों का प्रदर्शन कर रहे हैं। यह उन सभी आभूषण प्रेमियों के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण और अवश्य शामिल होने वाला कार्यक्रम है, जो देश की सबसे प्रीमियम और अपनी तरह की अनूठी आभूषण प्रदर्शनी के साक्षी बनना चाहते हैं।

इस अवसर पर बोलते हुए श्री एबी पी डोमिनिक ने कहा, हाईलाइफ एग्जीबिशन देश में फैशन, लाइफस्टाइल, ज्वेलरी और लग्जरी के क्षेत्र में अपनी तरह का सबसे बड़ा और सबसे प्रीमियम प्रदर्शनी ब्रांड है।

उन्होंने आगे कहा, यह ब्रांड भारत भर में और श्रीलंका, थाईलैंड, दुबई, दक्षिण अफ्रीका, सिंगापुर, यूके, यूएसए व अन्य अंतरराष्ट्रीय स्थलों पर फैशन, ज्वेलरी, लाइफस्टाइल और लग्जरी उद्योग में सबसे बड़े और बेहतरीन ब्रांड्स में से एक के रूप में उभरा है।

उन्होंने आगे कहा कि यह उन सभी आभूषण प्रेमियों के लिए एक आवश्यक कार्यक्रम है जो देश की पहली और सबसे प्रीमियम आभूषण प्रदर्शनी को देखना चाहते हैं। हाईलाइफ ज्वेल्स प्रदर्शनी 26 जुलाई, 2026 तक एचआईसीसी नोवोटेल, हायटेक सिटी, हैदराबाद में आयोजित की जा रही है। देश की इस अनूठी और सबसे प्रीमियम आभूषण प्रदर्शनी का अनुभव करने से बिल्कुल न चूकें।

नियमित अन्नदान कोई साधारण कार्य नहीं, यह राधे रानी की कृपा का प्रत्यक्ष स्वरूप है : सुशील गुप्ता

हैदराबाद, 24 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास आयोजित नियमित अन्नदान कार्यक्रम में समाजसेवी सुशील गुप्ता ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद से जुड़कर सेवा करने का जो सौभाग्य उन्हें प्राप्त हुआ है, उसके लिए वे स्वयं को अत्यंत सौभाग्यशाली मानते हैं।

उन्होंने कहा कि सेवा का यह कार्य कोई साधारण कार्य नहीं है। कई बार व्यक्ति अपने घर के नियमित कार्य भी समय पर नहीं कर पाता, लेकिन राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद प्रतिदिन बिना किसी रुकावट के पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ सुबह 7:00 बजे नामपल्ली, 7:30 बजे बेगम बाजार तथा 8:00 बजे केबीआर पार्क में नियमित अन्नदान सेवा संचालित कर रहा है। यह केवल मानवीय प्रयास नहीं, बल्कि राधे रानी की असीम कृपा का प्रत्यक्ष स्वरूप है कि यह सेवा निरंतर आगे बढ़ रही है। सुशील गुप्ता ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप ने सेवा को केवल एक अभियान नहीं, बल्कि जीवन का संस्कार बना दिया है। बिना किसी भेदभाव के जरूरतमंदों तक भोजन पहुँचाना ही सच्ची मानव सेवा है। ऐसे सेवा कार्य समाज में प्रेम, करुणा, सहयोग और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को सशक्त करते हैं। उन्होंने सभी समाजबंधुओं से इस पुण्य अभियान से जुड़कर सेवा में सहभागी बनने का आह्वान किया।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजकों एवं सभी सेवा सहयोगियों के समर्पण की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि निरंतरता, अनुशासन और सेवा भावना ही इस संगठन की सबसे बड़ी पहचान है। यह कार्य पूरे समाज के लिए प्रेरणा है।

इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता, मनीष चिंडालिया, भगतराम गोयल, संजय गोयल, किरण गोयल, कैलाश केडिया, निर्मला केडिया, रमाकान्त पोद्दार, जय प्रकाश सारड़ा एवं महेश अग्रवाल उपस्थित रहे।

डॉ. ओमेंद्र रत्नू का व्याख्यान कल

हैदराबाद, 24 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
उत्तिष्ठ भारतेय संस्था के तत्वावधान में रविवार, 26 जुलाई को प्रातः 10:30 बजे सिकंदराबाद स्थित अग्रवाल समाज भवन, पैराडाइज सर्किल में प्रसिद्ध इतिहासकार एवं समसामयिक विषयों के प्रखर वक्ता डॉ. ओमेंद्र रत्नू का विशेष व्याख्यान आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर डॉ. ओमेंद्र रत्नू सहमति की उम्र कम करना – हिंदू लड़कियों का विनाश विषय पर अपना सारगर्भित व्याख्यान देंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य इस विषय के विभिन्न सामाजिक एवं वैचारिक पहलुओं पर चर्चा और जन-जागरूकता बढ़ाना बताया गया है। संस्था के मुख्य प्रभारी डॉ. मोहन गुप्ता ने प्रभारियों की बैठक में जानकारी देते हुए बताया कि इस कार्यक्रम में दिल्ली स्थित सेवा न्याय उत्थान फाउंडेशन की स्वाति गोयल शर्मा भी इसी विषय पर अपने विचार व्यक्त करेंगी।डॉ. मोहन गुप्ता ने सभी नागरिकों एवं समाजबंधुओं से कार्यक्रम में अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर व्याख्यान का लाभ उठाने का आग्रह किया। प्रभारियों की बैठक में ए. के. वाजपेयी, डॉ. मोहन गुप्ता, नंद गोपाल भट्टड़, मनोज गोयल, आनंद शर्मा एवं अजय अग्रवाल सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बड़ा शक्करगा में इंदिरम्मा आवास निर्माण प्रगति पर : सरपंच

मदनूर, 24 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। बड़ा शक्करगा की सरपंच विशालाक्षी राम पाटील ने बताया कि जुक्कल विधायक तोटा लक्ष्मी कांता राव के सहयोग से प्रथम चरण में 54 और द्वितीय चरण में 9 गरीब लाभार्थियों को इंदिरम्मा आवास योजना के तहत मकान स्वीकृत हुए हैं, जिनका निर्माण कार्य प्रगति पर है। उन्होंने बताया कि गांव में एसआईआर का घर-घर सर्वे 81% तक पूरा हो चुका है और बरसात के मौसम को देखते हुए स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद की निस्वार्थ सेवा समाज के लिए अनुकरणीय : दीपचंद अग्रवाल

हैदराबाद, 24 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने शुक्रवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन सेवा, समर्पण और मानवता की भावना के साथ किया गया। प्रतिदिन की भांति इस अवसर पर भी बड़ी संख्या में जरूरतमंदों को सम्मानपूर्वक भोजन वितरित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित समाजसेवियों ने सेवा को मानव जीवन का सर्वोच्च धर्म बताते हुए अधिक से अधिक लोगों से इस पुनीत कार्य में सहभागी बनने का आह्वान किया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए दीपचंद अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद जिस निस्वार्थ भाव, समर्पण और निरंतरता के साथ मानव सेवा का कार्य कर रहा है, वह वास्तव में पूरे समाज के लिए अनुकरणीय है। उन्होंने कहा कि बिना किसी जाति, धर्म, वर्ग, भाषा अथवा किसी भी प्रकार के भेदभाव के प्रत्येक जरूरतमंद तक भोजन पहुंचाना केवल सेवा नहीं, बल्कि मानवता की सच्ची साधना है। ऐसे कार्य वहीं संभव होते हैं जहां सेवा को दिखावा नहीं, बल्कि ईश्वर की आराधना और जीवन का उद्देश्य माना जाता है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में समाज को ऐसे संगठनों की आवश्यकता है जो केवल विचारों तक सीमित न रहकर धरातल पर निरंतर सेवा करते हों। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद ने अपने सतत अन्नदान और सामाजिक सेवा कार्यों से यह सिद्ध किया है कि संगठित प्रयास, दृढ़ संकल्प और सेवा की भावना से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद के चेहरे पर मुस्कान लाना किसी भी व्यक्ति के जीवन का सबसे बड़ा पुण्य है और यही भारतीय संस्कृति की वास्तविक पहचान भी है।

दीपचंद अग्रवाल ने कहा कि सेवा का कार्य कभी छोटा या बड़ा नहीं होता। यदि प्रत्येक सक्षम व्यक्ति अपनी सामर्थ्य के अनुसार समाज के वंचित वर्ग के लिए थोड़ा-सा समय और सहयोग दे, तो कोई भी व्यक्ति भूखा या असहाय नहीं रहेगा। उन्होंने सभी समाजबंधुओं, युवाओं और महिलाओं से राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद जैसे सेवा कार्यों से जुड़ने का आह्वान करते हुए कहा कि सेवा के माध्यम से ही समाज में प्रेम, सद्भाव, सहयोग और मानवीय मूल्यों को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सकता है।

कार्यक्रम में महेश अग्रवाल, अनिल धरशुवाले, शिव भगवान, दीपचंद अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, महेश गोयल, लता गोयल, शर्मिला अग्रवाल एवं रेनू शर्मा सहित अनेक सेवा-भावी कार्यकर्ताओं ने अपनी सक्रिय सहभागिता निभाई।

शुभ लाभ DAILY हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

चेवेल्ला जनता के दिलों में बस गया एक पुलिस अधिकारी, तबादले पर विदाई के समय पुष्पवर्षा कर दी गई भावभीनी विदाई

चेवेल्ला (रंगारेड्डी जिला) 24 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पुलिस की वर्दी केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने का प्रतीक नहीं होती, बल्कि संकट की घड़ी में मानवता की रक्षा का संकल्प भी होती है। चेवेल्ला पुलिस थाने में सर्किल इंस्पेक्टर (सीआई) के रूप में सेवाएं देने वाले एम. भूपाल श्रीधर ने अपने कार्यकाल के दौरान इसी संकल्प को अपने कार्यों से चरितार्थ किया। कर्तव्यनिष्ठा, साहस, संवेदनशीलता और जनसेवा के प्रति समर्पण ने उन्हें चेवेल्ला की जनता के बीच एक लोकप्रिय और भरोसेमंद पुलिस अधिकारी के रूप में स्थापित किया।

उनके कार्यकाल की सबसे चर्चित घटना चेवेल्ला मंडल मुख्यालय में हुआ भीषण सड़क हादसा रहा। दुर्घटना में घायल यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए वे स्वयं राहत एवं बचाव अभियान में सबसे आगे रहे। इसी दौरान जेसीबी मशीन का अगला हिस्सा उनके पैर से जोरदार टकराया, जिससे उनका पैर गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गया। दर्द और गंभीर चोट के बावजूद उन्होंने बचाव कार्य नहीं छोड़ा। उनका यह साहस और कर्तव्य के प्रति समर्पण आज भी क्षेत्र के लोगों के बीच मिसाल के रूप में याद किया जाता है। सीआई भूपाल श्रीधर की पहचान केवल एक सख्त पुलिस अधिकारी की नहीं रही, बल्कि जनता के बीच सहज, सरल और संवेदनशील अधिकारी के रूप में भी बनी। थाने में आने वाले हर व्यक्ति का वे आत्मीयता से स्वागत करते और ''भैया'' कहकर संबोधित करते थे। यही व्यवहार लोगों के मन से पुलिस के प्रति झिझक दूर करता था और विश्वास का रिश्ता मजबूत बनाता था। शिकायतों के त्वरित निस्तारण, निष्पक्ष कार्रवाई और कानून के प्रभावी पालन को उन्होंने अपनी कार्यशैली का आधार बनाया। आमजन की समस्याओं को प्राथमिकता देकर समयबद्ध समाधान करना उनकी पहचान बन गया। यही कारण रहा कि उनके कार्यकाल में पुलिस और जनता के बीच विश्वास का संबंध और अधिक मजबूत हुआ। अब उनका तबादला सीसीआरबी (फ्यूचर सिटी) में हो गया है। चेवेल्ला पुलिस स्टेशन से विदाई के अवसर पर पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने पुष्पवर्षा कर उन्हें भावभीनी विदाई दी। यह सम्मान केवल एक अधिकारी की विदाई नहीं, बल्कि उनके कार्यों के प्रति सम्मान और जनता के दिलों में बनाई गई अमिट छाप का प्रतीक था।

आज जब एम. भूपाल श्रीधर नई जिम्मेदारी संभालने के लिए चेवेल्ला से विदा हुए, तो अनेक लोगों की जुबान पर सिर्फ एक ही भाव था00कर्तव्य से बढ़कर कुछ नहीं... और ऐसे पुलिस अधिकारी को दिल से सलाम।

उदय कृष्णा रेड्डी मामले में नये दावों में आया मोड़

हैदराबाद, 24 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।आईपीएस प्रशिक्षु उदय कृष्णा रेड्डी से जुड़े चर्चित प्रकरण में विभिन्न सूत्रों और सार्वजनिक मंचों पर सामने आए नए दावों ने मामले को नया मोड़ दे दिया है। इन दावों में शिकायतकर्ता महिला प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारी की ट्रेनिंग, कैडर, विवाह तथा उदय कृष्णा रेड्डी के साथ कथित संबंधों को लेकर कई बातें कही जा रही हैं। हालांकि इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और मामला फिलहाल पुलिस जांच तथा न्यायिक प्रक्रिया के अधीन है।

मामले से जुड़े विभिन्न दावों के अनुसार, शिकायतकर्ता महिला प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारी वर्ष 2024 बैच की अधिकारी हैं, जिन्हें मणिपुर कैडर आवंटित किया गया था। बताया जा रहा है कि उन्होंने सेवा सुधार (कैडर परिवर्तन) के उद्देश्य से अपनी प्रारंभिक ट्रेनिंग स्थगित कर दोबारा सिविल सेवा परीक्षा दी थी। इसी दौरान सोशल मीडिया के माध्यम से वर्ष 2025 बैच के प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारी उदय कृष्णा रेड्डी से उनकी पहचान हुई। दावा किया जा रहा है कि दिसंबर 2025 में हैदराबाद स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी में दोनों की मुलाकात हुई, जहां यह परिचय कथित रूप से व्यक्तिगत संबंध में बदल गया।

एक अन्य दावे के अनुसार, महिला प्रशिक्षु अधिकारी मणिपुर कैडर से किसी मुख्यभूमि राज्य में स्थानांतरण चाहती थीं। इसी क्रम में उन्होंने तमिलनाडु कैडर के एक आईपीएस अधिकारी से विवाह किया। यह भी दावा किया जा रहा है कि मणिपुर से तमिलनाडु कैडर स्थानांतरण का उनका आ- वेदन भारत सरकार के विचार- ाधीन है।

कुछ सार्वजनिक दावों में यह भी कहा गया है कि विवाह के बाद भी महिला प्रशिक्षु अधिकारी और उदय कृष्णा रेड्डी के बीच व्यक्तिगत संपर्क बना रहा। बाद में परिस्थितियां बदलने पर महिला अधिकारी ने पहले सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी के निदेशक के समक्ष यौन उत्पीड़न की शिकायत की और उसके बाद अट्टापुर पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज कराई। इन दावों की अब तक किसी सरकारी एजेंसी अथवा जांच प्रक्रिया में आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

इन दावों के आधार पर उदय कृष्णा रेड्डी के समर्थन में कुछ लोगों ने उनकी बेसिक ट्रेनिंग बहाल करने तथा आंतरिक जांच एवं पुलिस जांच पूरी होने तक प्रशिक्षण जारी रखने की मांग भी उठाई है। समर्थकों का कहना है कि जांच पूरी होने से पहले प्रशिक्षण से रोकना समय से पूर्व दंड देने जैसा है। उनका तर्क है कि यदि जांच में आरोप सिद्ध होते हैं, तो सेवा नियमों के अनुसार विभागीय और कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

इसी बीच, मामले में तेलंगाना उच्च न्यायालय में हुई सुनवाई भी महत्वपूर्ण रही। उदय कृष्णा रेड्डी ने अट्टापुर पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर को रद्द (क्वैश) करने की मांग करते हुए याचिका दायर की है। उनका कहना है कि उनके विरुद्ध दर्ज मामला निराधार है और दोनों के बीच संबंध सहमति से थे।

22 जुलाई 2026 को हुई सुनवाई के दौरान उनके अधिवक्ता ने अनुरोध किया था कि अगली सुनवाई तक पुलिस को कोई कठोर कार्रवाई न करने का निर्देश दिया जाए। हालांकि, तेलंगाना उच्च न्यायालय ने अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया। अदालत ने पुलिस को जांच की वर्तमान स्थिति और प्रगति से संबंधित विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 27 जुलाई 2026, सोमवार को निर्धारित की गई है।

दूसरी ओर, शिकायतकर्ता महिला प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारी का विस्तृत बयान पुलिस पहले ही दर्ज कर चुकी है। जांच एजेंसियां मोबाइल फोन, डिजिटल रिकॉर्ड, चैट, कॉल डिटेल, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य तथा अन्य उपलब्ध सामग्री की जांच कर रही हैं। अभी तक न तो पुलिस ने अंतिम जांच रिपोर्ट प्रस्तुत की है और न ही न्यायालय ने मामले के गुण-दोष पर कोई अंतिम निर्णय दिया है।

फिलहाल यह मामला जांच और न्यायिक प्रक्रिया के अधीन है।

हाइड्रा आयुक्त ए.वी. रंगनाथ पर हाईकोर्ट सख्त, 27 जुलाई को व्यक्तिगत रूप से तलब

हैदराबाद, 24 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद। हाइड्रा आयुक्त ए.वी. रंगनाथ की कार्यप्रणाली पर तेलंगाना हाईकोर्ट ने एक बार फिर कड़ी नाराजगी जताई है। सुनवाई के दौरान न्यायालय ने टिप्पणी की कि यदि हर विषय को हाइड्रा ही देखेगा, तो फिर जीएचएमसी, जल मंडल, सिंचाई एवं राजस्व विभाग किस उद्देश्य से कार्य कर रहे हैं।

अदालत ने यह भी सवाल उठाया कि जिन मामलों का हाइड्रा से प्रत्यक्ष संबंध नहीं है, विशेषकर निजी भूमि से जुड़े मामलों में, वहां हाइड्रा की ओर से कार्रवाई क्यों की जा रही है। न्यायालय ने कहा कि बार-बार निर्देश दिए जाने के बावजूद स्थिति में अपेक्षित सुधार दिखाई नहीं दे रहा है।

हाईकोर्ट ने हाइड्रा आयुक्त ए.वी. रंगनाथ को 27 जुलाई को व्यक्तिगत रूप से न्यायालय में उपस्थित होने का निर्देश दिया है। न्यायालय ने कहा कि यदि न्यायालय के आदेशों का उल्लंघन करते हुए कार्रवाई की गई है, तो आयुक्त विस्तृत हलफनामा दाखिल करते हुए अपना स्पष्टीकरण और क्षमायाचना प्रस्तुत करें।

अदालत ने यह भी निर्देश दिया कि हलफनामे में भविष्य में न्यायालय के आदेशों का उल्लंघन न करने का स्पष्ट लिखित आश्वासन दिया जाए।

सुनवाई के दौरान न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि आयुक्त निर्धारित तिथि पर व्यक्तिगत रूप से उपस्थित नहीं होते हैं, तो उन्हें कानूनी जटिलताओं का सामना करना पड़ सकता है।

चार जोन की सामूहिक सामायिक संपन्न

हैदराबाद, 24 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। आचार्य श्री महाश्रमण जी के सुशिष्य मुनि श्री दीपकुमार जी व मुनि श्री काव्यकुमार जी के सान्निध्य में जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में 25 सामायिक जोन में से ऋषभ, कौशल्या, ब्राह्मी एवं दमयंती जोन की सामूहिक सामायिक मयूरी मार्ग स्थित वामसी अपार्टमेंट, बरड़िया निवास पर संपन्न हुई।

मुनि श्री दीपकुमार जी ने नमस्कार महामंत्र से कार्यक्रम का शुभारंभ किया और चातुर्मास के महत्व पर प्रेरणादायी प्रवचन दिया। आचार्य श्री भिक्षु के 300वें जन्म जयंती पर 27, 28, 29 जुलाई को तेला-उपवास की प्रेरणा दी। महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती नमिता सिंघी ने चारों योजनाओं व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सुमन नाहटा द्वारा संचालित ऑनलाइन-ऑफलाइन कार्यक्रमों की जानकारी दी।

जिला स्तरीय योग आसन प्रतियोगिताएं उत्साहपूर्वक आयोजित

हैदराबाद, 24 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो): सीताफलमंडी डिवीजन मेडिबा हैदराबाद जिला योग आसन खेल संघ के तत्वावधान में सोमवार को वी.वी. स्थित आर्य समाज परिसर में जिला स्तरीय योग आसन प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। तीन श्रेणियों में आयोजित इस प्रतियोगिता में लगभग 150 महिलाओं और बच्चों ने भाग लिया।

प्रदेश अध्यक्ष श्रीधर राव और सचिव नंदनम कृपा ने मुख्य अतिथि के रूप में प्रतियोगिताओं का उद्घाटन किया। कार्यक्रम के दौरान योग के दैनिक जीवन में महत्व पर विचार विमर्श भी हुआ।

विजेताओं में वरिष्ठ महिला वर्ग (35-40 वर्ष) में सुहासिनी, दमयंती और स्वरूपा ने प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया। 45-55 वर्ष वर्ग में कोमला, जयश्री और अरुणा ने पुरस्कार जीते। कनिष्ठ लड़कों और लड़कियों में अहमद खान, अभिनव और हेमंत ने पदक प्राप्त किए। सब जूनियर बालक एवं बालिका वर्ग में ज्योतिषमयी, पवित्रा, रोशिनी, ऋत्विक, शिवकुमार, रोशन, कोमली, सृष्टि और एस्विथा ने शीर्ष स्थान हासिल किया।कार्यक्रम में सीताफलमंडी आर्य समाजम के अध्यक्ष गंगाधर राव सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

काकतीय विवि स्वर्ण जयंती पर एनआईआईएमएच दल ने किया नेचुरोपैथी लाइब्रेरी का दौरा

हनमकोंडा/हैदराबाद, 24 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। काकतीय विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती समारोह (1976-2026) के अवसर पर सीसीआरएएस के अधीन राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान (एनआईआईएमएच), हैदराबाद के प्रतिनिधिमंडल ने हनमकोंडा स्थित इंटरनेशनल नेचुरोपैथी लाइब्रेरी एंड रिसर्च सेंटर का दौरा किया।

प्रभारी सहायक निदेशक डॉ. गोली पेंचला प्रसाद के नेतृत्व में टीम ने प्राकृतिक चिकित्सा की दुर्लभ पुस्तकों, पत्रिकाओं व ऐतिहासिक सामग्री का संग्रह किया। उन्होंने प्राकृतिक चिकित्सा विरासत के संरक्षण में संस्थान की भूमिका पर जोर दिया।

टीम ने क्षेत्र की विभूतियों व विशेषज्ञों से जुड़ी जानकारियों को डिजिटल रूप में एकत्र किया, जिसका उपयोग एनआईआईएमएच संग्रहालय को समृद्ध करने में किया जाएगा।

एनएमडीसी बैलाडीला कबड्डी लीग (सीरीज़-1) का भव्य उद्घाटन

बचेली/किरंदुल, 24 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो): नवरत्न कंपनी एनएमडीसी लिमिटेड के सामाजिक दायित्व (सीएसआर) कार्यक्रम के तहत 'एनएमडीसी बैलाडीला कबड्डी लीग - सीरीज़ 1' का भव्य उद्घाटन 23 जुलाई 2026 को बचेली स्थित हॉकी ग्राउंड में हुआ। 23 से 26 जुलाई तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में बैलाडीला क्षेत्र के 26 गांवों की 24 टीमें भाग ले रही हैं।

इस लीग का उद्देश्य ग्रामीण खेल प्रतिभाओं को निखारना, उन्हें पहचान देना और राष्ट्रीय मंच प्रदान करना है। बचेली के हॉकी मैदान और किरंदुल के फुटबॉल स्टेडियम में आयोजित इस प्रतियोगिता में- बचेली क्षेत्र:- मोलसनार, दुगेली, पाढ़ापुर, बेनपाल, बड़े कमेली, कमालूर, झिरका, धुरली, गामावाड़ा, नेरली, बड़े बचेली, मसेनार, गंजेनार, भांसी और किरंदुल क्षेत्र:- कोडेनार, कड़मपाल, मदाड़ी, चोलनार, टिकनपाल, कलेपाल, समलवार, मड़कामिरास, हिरोली, कुटरेम, गुमियापाल, तनेली क्षेत्रीय टीमें भाग ले रही हैं।

मुख्य अतिथि श्री रबीन्द्र नारायण (अधिशासी निदेशक, बीआईओएम किरंदुल) ने कहा कि यह आयोजन ग्रामीण क्षेत्रों में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने और युवाओं को सकारात्मक दिशा देने का प्रयास है। विशिष्ट अतिथि श्री नंदराम मूड़ामी एवं श्री अरविंद कुंजाम ने एनएमडीसी के विकास कार्यों की सराहना की और खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं।

एनएमडीसी द्वारा प्रतिभागी खिलाड़ियों को स्पोर्ट्स किट और खेल सामग्री भी प्रदान की गई है। यह पहल कंपनी की सामाजिक प्रतिबद्धता का हिस्सा है, जो ग्रामीण क्षेत्रों की छिपी प्रतिभाओं को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने में मदद करती है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.